@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 6 मार्च 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 120 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंचा भारत, इंग्लैंड को 7 रन से हराया

कौमी पत्रिका

सिम्मी कौर बब्बर

मुंबई। संजू सैमसन की शानदार बल्लेबाजी के बाद भारतीय गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने सैमसन की तूफानी अर्धशतकीय पारी (89 रन) की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी। उनके लिए जैकब बेथेल ने 105 रन बनाए। वहीं, भारत के लिए हार्दिक पांड्या ने दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने एक-एक सफलता अपने नाम की। अब टीम इंडिया का सामना रविवार को इस विश्व कप के फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड से होगा। रविवार यानी 8 मार्च को खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का लक्ष्य लेकर उतरेगा। भारत को पांचवीं सफलता अर्शदीप सिंह ने दिलाई। उन्होंने शिवम दुबे के हाथों विल जैक्स को आउट कराया। वह 20 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब टॉम बैंटन और सैम करन क्रीज पर मौजूद हैं। जैकब बेथेल ने 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और विल जैक्स के साथ पांचवें विकेट के लिए 36 रनों की साझेदारी निभा चुके हैं। 11 ओवर के बाद इंग्लैंड का स्कोर चार विकेट पर 131 रन बना लिए हैं। अक्षर पटेल ने टॉम बेंटन को आउट कर इंग्लैंड को चौथा झटका दिया। बेंटन पांच गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 17 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड को दूसरा झटका बुमराह ने दिया। उन्होंने हैरी ब्रूक को अक्षर पटेल के हाथों कैच कराया। वह सात रन बनाकर आउट हुए। अब बटलर का साथ देने जैकब बेथल आए हैं। हार्दिक पांड्या ने भारत को पहली सफलता दिलाई है। उन्होंने फिल सॉल्ट को अक्षर पटेल के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ पांच रन बना पाए। अब बटलर का साथ देने हैरी ब्रूक आए हैं। भारत ने इंग्लैंड के सामने 254 रनों का लक्ष्य रखा है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 253 रन बनाए। उनके लिए संजू सैमसन ने 42 गेंदों में 89 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, शिवम दुबे ने 43 रन बनाए। इस मैच में इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद और विल जैक्स ने दो-दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर ने एक सफलता अपने नाम की।

पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति से की बात, पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल करने पर हुई चर्चा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बातचीत की।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से फोन पर बातचीत की। दोनों ने इस संकट काल में वार्ता और कूटनीतिक तरीकों से मामले को हल करने पर बल दिया। पीएम मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। मध्य पूर्व संकट को लेकर हुई इस कॉल में शांति और स्थिरता बहाली को लेकर गंभीर मंत्रणा हुई। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'गुरुवार को अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों से बात की। हमने वेस्ट एशिया में बदलते हालात पर बात की। हम दोनों ने माना कि मौजूदा संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है। हम इस इलाके में शांति और स्थिरता को बहाल करने के लिए इस दिशा में मिलकर अपनी कोशिश जारी रखेंगे ताकि इलाके में हालात सामान्य हों। दूसरी ओर, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद बिन हमूद अलबुसैदी से बात की।

अमेरिका-इजरायल और ईरान जंग के छठे दिन भारत ने ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया। भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारतीय समुद्री सीमा में मछली पकड़ते दो श्रीलंकाई मछुआरे गिरफ्तार

इसी क्रम में गुरुवार को रामनाथपुरम जिले के समुद्री इलाके में तटरक्षक बल के जवान गश्त कर रहे थे।

एजेंसी

रामनाथपुरम। भारतीय समुद्री सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में भारतीय तटरक्षक बल ने श्रीलंका के दो मछुआरों को गिरफ्तार किया है। उनके द्वारा इस्तेमाल की जा रही नाव और मछली पकड़ने के उपकरण भी जब्त कर लिए गए हैं। दरअसल, तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के समुद्री क्षेत्र के रास्ते पड़ोसी देश श्रीलंका में बीड़ी पत्ते, हल्दी, सोना, चांदी और दवाइयों सहित कई वस्तुओं की अवैध तस्करी होती रही है। इसी प्रकार श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र से भी रामनाथपुरम जिले के रास्ते विभिन्न सामान समय-समय पर अवैध रूप से भारत लाए जाते हैं। इसे रोकने के लिए भारतीय तटरक्षक बल समुद्री क्षेत्र में नियमित रूप से गश्त करता है।

इसी क्रम में गुरुवार को रामनाथपुरम जिले के समुद्री इलाके में तटरक्षक बल के जवान गश्त कर रहे थे। इस दौरान अरियमान समुद्र तट के पास एक नाव संदिग्ध स्थिति में खड़ी दिखाई दी। शक होने पर तटरक्षक बल के जवान उस नाव के पास पहुंचे और जांच के दौरान नाव में दो लोग मछली पकड़ते हुए मिले।

नवीन ने राज्यसभा के लिए भरा पर्चा

- बोले- बांकीपुर की जनता के साथ आत्मीय संबंध आगे भी रहेगा जारी

एजेंसी

पटना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के बांकीपुर से विधायक नितिन नवीन ने गुरुवार को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ उनका आत्मीय संबंध आगे भी जारी रहेगा।

नामांकन के बाद नितिन नवीन ने एक्स पर भावुक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि आज राज्यसभा के लिए नामांकन प्रस्तुत करते हुए मन स्वाभाविक रूप से उस लंबी यात्रा को याद कर रहा है, जिसे हमने आप सबके साथ मिलकर तय किया है। उन्होंने कहा कि पटना पश्चिम (बांकीपुर) की जनता ने उन्हें हाथ पकड़कर चलना सिखाया है। पिछले दो दशक से अधिक समय से आपने जो विश्वास और स्नेह दिया है, उसी के बल पर मुझे बिहार सरकार में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए राज्य और समाज की सेवा करने का अवसर मिला, जिसे मैंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास किया है।

उन्होंने कहा, चाहे श्रीरामनवमी की भव्य शोभायात्रा की तैयारियां हों, आस्था के पर्वों की व्यवस्था हो या बांकीपुर के विकास से जुड़े संकल्प, हर कदम पर मैंने स्वयं को आप सबके विश्वास का प्रतिनिधि मानकर

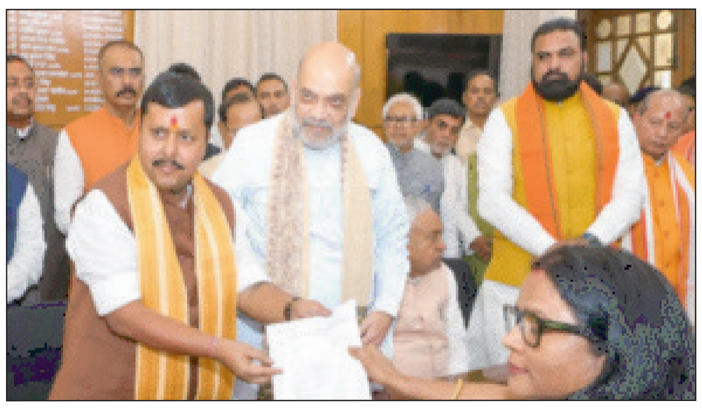

कार्य किया है। आज राज्यसभा के लिए नामांकन करते हुए मन में वही जिम्मेदारी

> 'मैं विश्वास दिलाता हूँ कि बांकीपुर की जनता के साथ मेरा यह आत्मीय संबंध आगे भी इसी विश्वास और समर्पण के साथ बना रहेगा। हम सब मिलकर विकसित बिहार के संकल्प को आगे बढ़ाते रहेंगे।'

और सेवा का संकल्प है। मैं विश्वास दिलाता हूँ कि बांकीपुर की जनता के साथ मेरा यह आत्मीय संबंध आगे भी इसी विश्वास और समर्पण के साथ बना रहेगा। हम सब मिलकर विकसित बिहार के संकल्प को आगे बढ़ाते रहेंगे। आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है।उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन करने वालों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।

पी.पी.सी.बी. द्वारा एस.जी.पी.सी. के सहयोग से सफलतापूर्वक चलाई गई 'प्लास्टिक-मुक्त होला मोहल्ला' मुहिम

लंगर कमेटियों को लाखों की संख्या में वितरित किए गए बायोडिग्रेडेबल (गलनशील) बर्तन

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 5 मार्च। सिख धर्म के प्रमुख और ऐतिहासिक पर्व %होला मोहल्ला% की पवित्रता तथा पर्यावरण की स्वच्छता को बनाए रखने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.पी.सी.बी.) ने इस आयोजन को प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक अभियान सफलतापूर्वक चलाया। इस अभियान के अंतर्गत बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण पर्यावरण-हितैषी पहल करते हुए श्री आनंदपुर साहिब में विभिन्न कमेटियों द्वारा संचालित लंगरों में लाखों की संख्या में बायोडिग्रेडेबल और कंपोस्टेबल डिस्पोज़ेबल वस्तुएँ नि:शुल्क उपलब्ध करवाई गई। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस मुहिम का औपचारिक शुभारंभ 1 मार्च 2026 को पी.पी.सी.बी. की चेयरपर्सन रीना गुप्ता और सदस्य सचिव लवनीत दूबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अकाल तख्त साहिब और तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मुलाकात कर किया। अभियान शुरू करने से पहले विभाग ने इसकी प्रारंभिक तैयारियाँ लगभग एक सप्ताह पहले ही शुरू कर दी थीं, जिनमें लंगर कमेटियों से संपर्क करना, उनकी आवश्यकताओं का आकलन करना और जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करना शामिल था। प्रवक्ता ने बताया कि इस अभियान के दौरान विशेष रूप से पर्यावरण-अनुकूल बुनियादी ढांचे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के लिए पी.पी.सी.बी. ने 20 लाख से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले बायोडिग्रेडेबल विकल्पों की आपूर्ति सुनिश्चित की। होला मोहल्ला के दौरान 7 लाख बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक कप, 6.5 लाख बायोडिग्रेडेबल चम्मच, 2.5 लाख प्लेटें, 5 लाख बायोडिग्रेडेबल कटोरियाँ तथा अन्य सामग्री, 5,000 बायोडिग्रेडेबल कचरा बैग और 30,000 बायोडिग्रेडेबल कैरी बैग (कड़ा प्रसाद के लिए) विभिन्न लंगरों और गुरुद्वारों में वितरित किए गए। प्रवक्ता के अनुसार इस बड़े अभियान को ज़मीनी स्तर पर लागू करने के लिए पी.पी.सी.बी. की 20 समर्पित टीमों और स्वयंसेवकों ने व्यापक सहयोग दिया। यह अभियान 27 फरवरी 2026 से 4 मार्च 2026 तक पूरे उत्साह के साथ चलाया गया। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा कि गुरु साहिब का संदेश — पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत— हमें प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और संरक्षण करने की प्रेरणा देता है। इसलिए होला मोहल्ला के अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने से बढ़कर कोई और बेहतर प्रयास नहीं हो सकता।

जनगणना के लिए 4 डिजिटल टूल लॉन्च

प्रगति-विकास शुभंकर का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां जनगणना-2027 के लिए चार डिजिटल प्लेटफॉर्म का सॉफ्ट लॉन्च किया और प्रगति (महिला) एवं विकास (पुरुष) नामक शुभंकर का अनावरण किया। यह दुनिया का सबसे बड़ा जनगणना अभियान होगा और पहली बार पूरी जनगणना डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। साथ ही पहली बार नागरिकों को 'सेल्फ-एन्यूमरेशन' यानी स्वयं ऑनलाइन जानकारी दर्ज कराने का विकल्प भी दिया जाएगा।

सरकारी सूचना के अनुसार उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) द्वारा विकसित किए गए हैं। इनकी मदद से देशभर में जनगणना संचालन को अधिक व्यवस्थित और तकनीक-आधारित बनाया जाएगा। जनगणना-2027 के लिए बनाए गए शुभंकर 'प्रगति' और 'विकास' एक महिला और एक पुरुष गणनाकर्मी का प्रतीक हैं। इनके माध्यम से जनगणना से जुड़ी जानकारी और संदेश आम नागरिकों तक सरल और प्रभावी तरीके से पहुंचाए जाएंगे। साथ ही ये पुरुष और महिलाओं की समान भागीदारी के प्रतीक भी हैं, जो वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दर्शाते हैं।

सरकार ने 16 जून 2025 को राजपत्र अधिसूचना जारी कर जनगणना-2027 की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू की थी। यह जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी और इसमें देशभर में 30 लाख से अधिक गणनाकर्मी, पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल होंगे। पहले चरण 'गृह-सूचीकरण एवं आवास जनगणना' के तहत आवास की स्थिति और घरेलू सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। इसके लिए मकान-सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच 30 दिनों की अवधि में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा निर्धारित

समय पर किया जाएगा। इस चरण से पहले 15 दिनों की वैकल्पिक स्व-गणना अवधि भी उपलब्ध होगी। दूसरे चरण 'जनसंख्या गणना' के तहत फरवरी 2027 में पूरे देश में प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक और आर्थिक जानकारी दर्ज की जाएगी। इस चरण में जाति से संबंधित प्रश्न भी शामिल किया जाएगा। जनगणना-2027 में जानकारी एकत्र करने के लिए सुरक्षित मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से घर-घर जाकर डेटा संकलन किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक तेज, सुरक्षित और पारदर्शी बनाई जा सकेगी।

उत्तर बंगाल की चाय बागानों के लिए केंद्र सरकार जल्द लाएगी व्यापक पैकेज: जितिन प्रसाद

- उद्योग से जुड़ी मौजूदा समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए गंभीरता से काम कर रही है

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार जल्द ही उत्तर बंगाल के चाय बागानों के लिए एक 'व्यापक पैकेज' लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने यह बात जालपाईगुड़ी जिले के चाय बागानों का दौरा करने के बाद कही।

जितिन प्रसाद ने बताया कि केंद्र सरकार चाय उद्योग से जुड़ी मौजूदा समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनका उत्तर बंगाल दौरा इसी उद्देश्य से है, ताकि चाय उद्योग की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन चाय बोर्ड कार्य करता है और मंत्रालय इस बात पर भी विचार कर रहा है कि भारतीय चाय के निर्यात को कैसे बढ़ाया जाए। उन्होंने बताया कि देश में चाय की मांग काफी मजबूत है और गुणवत्ता में सुधार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार किया जा रहा है।

राज्य मंत्री ने कहा कि बदलते मौसम के पैटर्न और नए चाय बागानों में जलभराव जैसी समस्याओं के कारण उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा श्रमिकों से जुड़े मुद्दे भी उद्योग के सामने महत्वपूर्ण चुनौती हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार चाय उद्योग के लिए एक व्यापक पैकेज तैयार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि राज्य सरकार इस दिशा में सहयोग करती है, तो यह पहल और अधिक प्रभावी साबित हो सकती है। केंद्र को उम्मीद है कि राज्य सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे उद्योग को नई ऊर्जा मिल सकेगी।

दरअसल, उत्तर बंगाल का चाय उद्योग क्षेत्र की सबसे प्रमुख औद्योगिक इकाइयों में से एक है और यह हजारों लोगों के रोजगार का प्रमुख स्रोत है। हालांकि हाल के वर्षों में मौसम में बदलाव और अन्य कारणों से कई पुराने और बड़े चाय बागानों की स्थिति कमजोर हुई है। इसी वजह से चाय बागान मालिकों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की थी ताकि इस उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सके।इससे पहले जितिन प्रसाद ने आज जालपाईगुड़ी जिले के डेंगुआझार चाय बागान का दौरा किया।

राष्ट्रपति भवन में 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह का समय बदला

यह समारोह इस शनिवार, 7 मार्च से ग्रीष्मकालीन समय के अनुसार सुबह 8 से 9 बजे के बीच होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदा मुर्मु के रस्मी गार्डों की अदला-बदली से जुड़ा 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह अब नए समय पर आयोजित किया जाएगा। यह समारोह इस शनिवार, 7 मार्च से ग्रीष्मकालीन समय के अनुसार सुबह 8 से 9 बजे के बीच होगा। राष्ट्रपति भवन ने गुरुवार को एक बयान में यह जानकारी दी। यह समारोह हर शनिवार को राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में आयोजित किया जाता है। हालांकि, यदि उस दिन कोई राजपत्रित अवकाश होता है तो कार्यक्रम नहीं होता। समारोह देखने के लिए दर्शकों को प्रति व्यक्ति 50 रुपये का ऑनलाइन पंजीकरण शुल्क देना होता है, जो गैर-वापसी योग्य और गैर-हस्तांतरणीय है। करीब 50 मिनट तक चलने वाला यह समारोह सेरेमोनियल बैंड की धुनों के साथ शुरू होता है। परेड कमांडर के आगमन के बाद पीबीजी के घुड़सवार दक्षिण प्रांगण से प्रवेश करते हैं। इसके बाद गोरखा राइफल्स की टुकड़ी मार्च करती हुई आती है।

नीतीश कुमार सहित राजग उम्मीदवारों ने राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन

- नामांकन दाखिल करने के दौरान राजनीतिक माहौल काफी सक्रिय दिखाई दिया और गठबंधन के कई बड़े नेता इस मौके पर मौजूद रहे।

एजेंसी

पटना। बिहार की राजनीति में गुरुवार को उस समय हलचल तेज हो गई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नितिन नवीन और रामनाथ ठाकुर, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के उपेंद्र कुशवाहा तथा शिवेश कुमार ने भी अपना नामांकन दाखिल किया। सभी उम्मीदवारों ने बिहार विधानसभा परिसर स्थित विधान सभा कार्यालय प्रकोष्ठ में सचिव की उपस्थिति में राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र जमा किए। नामांकन दाखिल करने के दौरान राजनीतिक माहौल काफी सक्रिय दिखाई दिया और गठबंधन के कई बड़े नेता इस मौके पर

मौजूद रहे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नेताओं ने उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यसभा चुनाव में जीत का भरोसा जताया। जनता दल यूनाइटेड ने राज्यसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि नीतीश कुमार के लंबे राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक क्षमता का लाभ संसद में भी बिहार और देश को मिलेगा।

खरग का सरकार पर वार, बोले- पीएम मोदी ने विदेश नीति का सरेंडर कर दिया

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

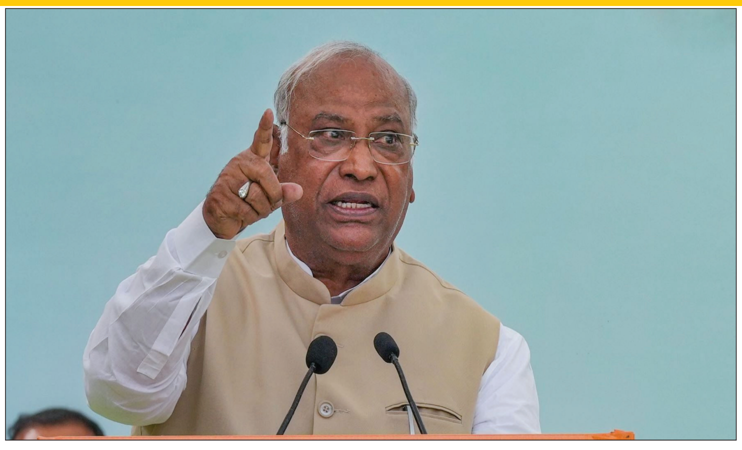

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के 'शुद्ध सुरक्षा प्रदाता' होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

तेजस्वी का दावा- मेरी भविष्यवाणी सच हुई, बीजेपी ने नीतीश कुमार को किया हाईजैक, अब जेडीयू खत्म

पटना (एजेंसी)। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। तेजस्वी ने आगे कहा कि हमने पहले ही कहा था कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने मुख्यमंत्री परिवर्तन की बात पहले ही कह दी थी। महाराष्ट्र मॉडल अब बिहार में लाया गया है.। भाजपा पिछड़े नेताओं को सत्ता में नहीं रहने देती। भाजपा सिर्फ एक कठपुतली मुख्यमंत्री बैठाती है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने हमेशा कहा है, 'नीतीश जी को घोड़ा तो चढ़ाया है दुल्हा बनाकर लेकिन फेरा किसी और के साथ दिला रहा है'। भाजपा ने नीतीश कुमार को पूरी तरह से हाईजैक कर लिया है। नीतीश कुमार ने कहा है कि वह (राज्यसभा) जाना चाहते हैं। हम शुरू से कहते आ रहे हैं कि चुनाव के बाद भाजपा के लोग नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहने देंगे। आज वह बात सच हो गई है। जनता की आकांक्षाएं इस सत्ता परिवर्तन के खिलाफ हैं... जब नीतीश कुमार ने 2024 में हमारा गठबंधन छोड़ा था... तब भी हमने कहा था कि भाजपा जेडीयू पार्टी को खत्म कर देगी। यादव ने कहा कि हमें यह पहले से ही पता था। जब हमने 28 जनवरी, 2024 को कहा था कि जेडीयू का सफाया हो जाएगा, तो भाजपा को वे परिणाम नहीं मिले जिनका उन्होंने दावा किया था, यानी 400 सीटें। इसलिए, एक साल की देरी हुई। अन्यथा, वे उन्हें (जेडीयू को) बहुत पहले ही खत्म कर चुके होते। उन्होंने कहा कि निशांत को बहुत पहले आ जाना चाहिए था, लेकिन कुछ लोगों ने ऐसा होने नहीं दिया... अब आप देख रहे हैं कि ये लोग बिहार को कैसे बर्बाद कर रहे हैं, जो वे पहले से ही करते आ रहे हैं। हम भाजपा के खिलाफ लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे।

ईरान-इज़राइल युद्ध में मुंबई के युवक की मौत, भारतीय दूतावास ने दुख जताया

मुंबई (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में महायुद्ध शुरू हुए 5 दिन हो चुके हैं और इसका असर अब भारत पर भी पड़ा है। इस युद्ध में एक 25 साल के युवक दीक्षित की ड्रोन से मौत होने की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके के रहने वाले दीक्षित सोलंकी की ओमान के तट पर मस्कट के पास एक कार्गो ऑयल टैंकर पर ड्रोन हमले में मौत हो गई। मूल रूप से दीव के रहने वाले 25 साल के दीक्षित सोलंकी कुछ समय पहले व्यापार के लिए मुंबई में बस गए थे। वह मुंबई के कांदिवली इलाके में रह रहे थे। ओमान के मस्कट के तट से 52 नॉटिकल मील दूर एक एक्सप्लोसिव से लदी ड्रोन बोट ने ऑयल टैंकर एमकेडी व्योम को टक्कर मार दी। इस भयानक धमाके में टैंकर के इंजन रूम में आग लग गई और दीक्षित की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि टैंकर पर सवार बाकी 25 क्रू मेंबर्स (जिनमें 16 भारतीय शामिल हैं) को सुरक्षित बचा लिया गया है। दीक्षित दीव के 25 साल के मछुआरे अमृतलाल सोलंकी का छोटा बेटा था। वह अपनी मां की मौत के बाद एक महीने पहले अपने घर लौटे थे और फिर ड्यूटी पर लौट गए थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस बीच ओमान में भारतीय दूतावास ने दीक्षित सोलंकी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के बहाने यौन उत्पीड़न, 10वीं के छात्रों पर पॉक्सो के तहत केस दर्ज

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक सरकारी हॉस्टल में रैगिंग के नाम पर कम उम्र के बच्चों के साथ कुकर्म का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने इस मामले में कक्षा 10 में पढ़ने वाले कई छात्रों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अप्राकृतिक कृत्य की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये सीनियर छात्र अपने से छोटी कक्षाओं, मुख्य रूप से 5वीं और 6वीं के बच्चों को अपना निशाना बनाते थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक (एसपी) बालासाहेब पाटिल ने स्वयं मौके का मुआयना किया और जांच की कमान संभाली। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि पीड़ित बच्चों के साथ पिछले 6 से 7 महीनों से इस तरह की घिनौनी हरकतें की जा रही थीं। बच्चों ने हिम्मत जुटाकर 22 फरवरी को इस मामले की जानकारी हॉस्टल अधीक्षक को दी थी। हालांकि, प्रबंधन की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। आरोप है कि घटना की जानकारी होने के बावजूद हॉस्टल अधीक्षक ने पुलिस को सूचित करने के बजाय केवल छात्रों के माता-पिता को बुलाकर उन्हें घर ले जाने को कह दिया। मंगलवार को एक पीड़ित छात्र के अभिभावकों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सीनियर छात्रों को हिरासत में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिन्हें जल्द ही जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। इसके साथ ही, लापरवाही बरतने और अपराध को छिपाने के आरोप में हॉस्टल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हॉस्टल की क्षमता 60 छात्रों की है, जिसमें वर्तमान में 48 छात्र रह रहे थे। इस घटना ने हॉस्टल में बच्चों की सुरक्षा और प्रबंधन की निगरानी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़गंज में खिलौना गोदाम में लगी आग, चौथी मंजिल के गोदाम से दो शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य दिल्ली के हाड़गंज इलाके में बुधवार शाम एक इमारत की चौथी मंजिल पर लगी आग ने हड़कंप मचा दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को आग लगने की सूचना शाम को मिली। आग इमारत की चौथी मंजिल पर बने अस्थायी ढांचे में स्थित खिलौनों के गोदाम में लगी थी। आग के कारण गोदाम में रखी सामग्री तेजी से जलने लगी। सूचना मिलते ही डीएफएस की 25 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने संकरी गलियों और अस्थायी ढांचे की वजह से कई चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने में कई घंटे खर्च किए। आग की भीषणता मुख्यत: प्लास्टिक और सिंथेटिक खिलौनों के कारण थी। दमकल कर्मियों ने लगभग 11 घंटे की मेहनत के बाद गुरुवार तड़के 3:20 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। आग में दो जले हुए शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान अभी नहीं हो सकी। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि चौथी मंजिल पर अस्थायी ढांचे में गोदाम संचालित होना और संकरी गलियां आग पर काबू पाने में चुनौती रही।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद को अस्तित्वगत खतरा करार दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद किसी सीमा, राष्ट्रीयता या जातीयता को नहीं मानता। रघु पुरी ने आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक अस्तित्वगत खतरा करार दिया। उन्होंने बताया कि यह चुनौती केवल एक देश की सीमा तक सीमित नहीं है और इसका सामना केवल सामूहिक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों से किया जा सकता है। भारत ने सभी देशों से आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने का आग्रह किया। पुरी ने कहा कि आतंकवाद वैश्विक स्थिरता और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है और इसके खिलाफ हर स्तर पर ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

कनाडा की पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की चाकुओं से गोदकर हत्या, पुलिस कर रही जांच

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में पंजाबी मूल की यूट्यूबर नैंसी ग्रेवाल की मॉन्ट्रियल के पास लासाल में उनके घर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस को सेंट-लूस क्रिसेंट में स्थित बिल्डिंग से इमरजेंसी कॉल आई थी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस को नैंसी घायल हालत में मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया पर जहां उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उसके शरीर पर चाकू से गोदने के कई निशान थे और खून बहने से उसकी मौत हुई है। इस खबर से कनाडा और पंजाब में रहने वाले नैन्सी ग्रेवाल के परिवार में शोक की लहर है। मॉन्ट्रियल पुलिस मामले की जांच कर रही है। हत्या के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

नागरिकता के नाम पर मतुआ समुदाय को अनिश्चितता में धकेल रहा केंद्र: ममता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार नागरिकता देने के नाम पर मतुआ समुदाय के सदस्यों को ''अनिश्चितता और भ्रम'' की स्थिति में धकेल रही है। बनर्जी ने मतुआ समुदाय की कुलमाता वीणापाणि देवी, जिन्हें 'बड़ो मा' के नाम से जाना जाता है, की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि केंद्र उन लोगों की पहचान पर सवाल उठा रहा है जो लंबे समय से देश के नागरिक हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश के कारण हमारे मतुआ भाई-बहनों को अस्थिर और भ्रमित स्थिति में धकेला जा रहा है। नागरिकता देने के नाम पर राजनीति की जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पहचान पर ही सवाल उठाया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए उन्हें मतदाता सूची से जानबूझकर बाहर किया जा रहा है। जो लोग पीढ़ियों से इस देश के नागरिक हैं, जिनके वोट सरकारों को चुनते हैं, उन्हें फिर से 'नागरिकता' देने के नाम पर अब अनिश्चितता का सामना कराया जा रहा है।''

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने वाले हर कदम का विरोध करती रहेगी। उन्होंने कहा, ''इस अन्याय को स्वीकार नहीं किया जाएगा। मेरे मतुआ भाई-बहनों और बंगाल के लोगों के अधिकार छीनने की कोशिशों के खिलाफ हमारा संघर्ष जारी रहेगा। हम बंगाल के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने देंगे।''

बनर्जी ने कहा कि वीणापाणि देवी के साथ उनका ''व्यक्तिगत और आध्यात्मिक संबंध'' रहा है और वे एक मां की तरह उनसे स्नेह करती थीं। उन्होंने कहा, ''बड़ो मा वीणापाणि देवी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देती हूं और प्रणाम करती हूं। हरिचंद ठाकुर और गुरुचंद ठाकुर द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए, मतुआ महासंघ बंगाल के सामाजिक सुधार और नवजागरण का अविभाज्य हिस्सा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''बड़ो मा ने जीवन भर इन आदर्शों को पोषित किया। उनके नेतृत्व में मतुआ महासंघ सामाजिक समानता और बंधुत्व के स्तंभ के रूप में स्थापित हुआ।''

तमिलनाडु गठबंधन रहेगा बरकरार, 28 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

-सीएम स्टालिन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के बीच निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर लगी मुहर

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए डीएमके ने कमर कस ली है। सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व में डीएमके ने एक विशाल गठबंधन तैयार किया है, जिसमें कुल 21 पार्टियां शामिल हैं। कांग्रेस फिर इस गठबंधन का हिस्सा है और इस बार 28 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार कर रही है।

सीएम स्टालिन और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागाई के बीच गुरुवार को अहम बैठक हुई। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे पर अंतिम मुहर लगी। डीएमके और कांग्रेस के बीच हुए समझौते के तहत ये फैसला लिया गया है कि कांग्रेस तमिलनाडु में 28 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, आगामी राज्यसभा चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी कर दी है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता तिरुचि शिवा पर फिर भरोसा जताते हुए उन्हें राज्यसभा सांसद के रूप में बरकरार रखा है, जबकि कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन को पहली बार राज्यसभा भेजने का फैसला किया है। इस गठबंधन में डीएमके को दो, कांग्रेस को एक और डीएमडीके को एक राज्यसभा सीट मिली है।

डीएमके ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए लिखा है कि तमिलनाडु की राजनीति के इतिहास में ये पहली बार है जब एक ही गठबंधन, बिना टूटे और नई पार्टियों को शामिल करते हुए चार बार चुनावों का सामना कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति का अब तक का इतिहास रहा है कि विधानसभा चुनाव के लिए बना गठबंधन अगले चुनाव तक कभी टिक नहीं पाया। पार्टी ने दावा किया कि सीएम स्टालिन ने अपने अनूठे व्यक्तित्व और सौहार्दपूर्ण स्वभाव से ये नया इतिहास रचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीएमके ने विपक्षी नेताओं पर भी तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि विपक्षी नेता पिछले दो साल से गठबंधन टूटने की भविष्यवाणी कर रहे थे, लेकिन उनकी इच्छाएं अनसुनी रह गईं। डीएमके ने तंज कसते हुए कहा कि एडप्पादी पलानीस्वामी गठबंधन टूटने की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन आखिर में वह अकेले रह गए। पार्टी ने दावा किया कि सत्ताधारी दल के समर्थन की लहर को देखते हुए कई नए दल भी इस मोर्चे में शामिल हो रहे हैं।

खामेनेई की मौत पर कश्मीर में उबाल, महबूबा ने अमेरिकी और इजरायली नेताओं के पुतले फूंके

जम्मू (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत और तेहरान पर हुए भीषण हमलों की गूंज अब कश्मीर की वादियों में पुरजोर तरीके से सुनाई दे रही है। इस घटनाक्रम ने घाटी के राजनीतिक और सामाजिक माहौल में भारी तनाव पैदा कर दिया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को बुराई की ताकत करार दिया और उनके पोस्टरों को आग के हवाले कर दिया।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार के रुख पर तीखा हमला बोलते हुए गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने अब तक न तो इन हमलों की निंदा की है और न ही ईरान की जनता के प्रति कोई सहानुभूति दिखाई है। भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का हवाला देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि ईरान ने हमेशा कश्मीर मुद्दे पर भारत के रुख का अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन किया है, जबकि अन्य कई मुस्लिम देश उस समय पाकिस्तान के पाले में खड़े थे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जब भारत कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा था, तब ईरान ने ही संकट के समय कर्ज पर तेल देकर भारत की मदद की थी। उन्होंने कहा कि ऐसे वफादार दोस्त के मुश्किल वक्त में भारतीय नेतृत्व की खामोशी अत्यंत दुखद है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महबूबा मुफ्ती ने वर्तमान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रशासन द्वारा श्रीनगर के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी और पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को तुरंत वापस लेने की मांग की। महबूबा ने आरोप लगाया कि पिछले तीन दिनों में विरोध प्रदर्शन करने वाली कई युवा लड़कियों और आम नागरिकों को हिरासत में लेकर जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में हर नागरिक को विरोध करने का संवैधानिक अधिकार है और सरकार सबको चुप रहने पर मजबूर नहीं कर सकती। महबूबा मुफ्ती ने स्पष्ट किया कि कश्मीर के लोग और वैश्विक मुस्लिम समुदाय इस घड़ी में पूरी तरह ईरान के साथ खड़े हैं। उन्होंने मारे गए लोगों को शहीद बताते हुए उनकी बहादुरी को नमन किया। हालांकि, स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने कश्मीरी युवाओं से एक भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि कश्मीर की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अभी पटरी पर लौटना शुरू हुए हैं और किसी भी हिंसा से इन्हें नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। इस बीच, घाटी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और शिया बहुल इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात है।

देशभर में बम धमाकों की धमकी देने का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

अहमदाबाद साइबर पुलिस के बाद अब मुंबई पुलिस ने लिया हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के स्कूलों, स्टॉक एक्सचेंज और मेट्रो स्टेशनों समेत देश के विभिन्न स्थानों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले आरोपी को मुंबई पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पिछले कुछ दिनों में देश के करीब 50 स्थानों को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के न्यू बराकपुर निवासी सौरव विश्वास (28) के रूप में हुई है। मुंबई पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पिछले पांच दिनों के दौरान मुंबई, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों के महत्वपूर्ण संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों को बम धमाके की धमकी भेजी थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया था।

पुलिस के अनुसार 27 फरवरी को सुबह करीब 8:46 बजे इंटरनेट के माध्यम से मुंबई के कई स्कूलों और मेट्रो स्टेशनों को एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। ईमेल में अगले दो दिनों के भीतर बम विस्फोट करने की चेतावनी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं और कई स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई के दिंडोशी पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और ईमेल ट्रैकिंग की मदद से आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। जांच के दौरान पता चला कि धमकी भरा ईमेल पश्चिम बंगाल के न्यू बराकपुर इलाके से भेजा गया था। इसके बाद दिंडोशी पुलिस की एक विशेष टीम आरोपी की तलाश में पश्चिम बंगाल पहुंची। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी इससे पहले 16 फरवरी 2026 को अहमदाबाद में भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल भेज चुका था। अहमदाबाद साइबर पुलिस ने उस मामले में पहले ही केस दर्ज कर रखा था और 1 मार्च 2026 को सौरव विश्वास को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद मुंबई पुलिस ने आरोपी को अहमदाबाद से अपनी हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने यह धमकी भरे संदेश महज अफरा-तफरी फैलाने के उद्देश्य से भेजे थे या इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क या साजिश का हाथ है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

खाड़ी देशों में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने हेतु उठाए जा रहे कदम, मंगलवार को मुंबई पहुंचे 164 नागरिक

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में युद्ध जैसे हालात दिन-ब-दिन खतरनाक होते जा रहे हैं। इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहा युद्ध इस समय पूरी दुनिया में फैल रहा है। इस युद्ध जैसे माहौल में एयरस्पेस बंद होने की वजह से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पहल करते हुए दुबई और यूएई में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों को वापस लाने के लिए तुरंत कदम उठाए। इस मुश्किल हालात में फंसे महाराष्ट्र के नागरिकों की मदद के लिए मंगलवार रात दो विशेष विमानों का इंतज़ाम किया गया और 164 नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाया गया। मुंबई में सुरक्षित लौटे यात्रियों ने प्रशासन का शुक्रिया अदा करने के बाद जो अनुभव बताए, उनमें से कुछ बहुत डरावने और दिल दहला देने वाले थे। इनमें से एक युवक कहा कि वह मुंबई से अमेरिका जा रहा था। इस फ्लाइट में दुबई से उसकी कनेक्टिंग फ्लाइट थी। वह दूसरे यात्रियों के साथ उसमें बैठा भी था। हालांकि, प्लेन काफी देर तक रनवे के पास टेक-ऑफ का इंतज़ार करता रहा। कभी-कभी उन्हें तकनीकि खराबी का कारण बताया गया। हालांकि, कुछ देर बाद प्लेन को वापस टर्मिनल पर डायवर्ट कर दिया गया और सभी को उनके सामान के साथ उतार दिया गया। कुछ घंटों के इंतज़ार के बाद, उन्हें बताया गया कि युद्ध के हालात की वजह से सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। उसके बाद, एयरलाइन ने तुरंत एयरपोर्ट पर बसें भेजीं और कहा कि वे सभी पैसेंजर्स को एयरपोर्ट से होटल ले जा रहे हैं। उधर पूरे दुबई में टेंशन का माहौल था। होटल ढूंढने में भी कुछ घंटे लग गए। कई लोगों को बहुत परेशानी हुई, जिन्हें कमरा नहीं मिला, उन्हें होटल की लॉबी में सोफे पर सोना पड़ा। राहुल ने कहा कि कई भारतीय अभी भी वहां फंसे हुए हैं। इसलिए, इन पैसेंजर्स की दी गई जानकारी से यह साफ है कि इस युद्ध की वजह से इंटरनेशनल टूरिस्ट्स को बहुत परेशानी हुई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने खाड़ी देश में फंसे महाराष्ट्र के लोगों के लिए एयरलाइन स्टार एयर की दो स्पेशल फ्लाइट्स रिजर्व की थीं। रविवार दोपहर को दो फ्लाइट्स ने फुजैरा एयरपोर्ट से कुछ ही मिनटों के अंदर उड़ान भरी। इन दोनों फ्लाइट्स से कुल 164 पैसेंजर मंगलवार रात करीब 10 बजे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरे। इनमें पुणे के इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज के 84 स्टूडेंट्स और ठाणे, मुरबाड, अहिल्यानगर वगैरह के नागरिक शामिल थे। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इन लोगों से फोन पर बात की थी और उन्हें भरोसा दिलाया था। एकनाथ शिंदे ने वादा किया था, आप सब सुरक्षित हैं, चिंता न करें, महाराष्ट्र सरकार और मैं खुद आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। आपको सुरक्षित वापस अपने देश लाने की पूरी कोशिश की जाएगी। इसके बाद, उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहकर इन 164 यात्रियों को वापस उनके देश लाकर अपना वादा निभाया।

उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालय से भी फंसे हुए नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने फंसे हुए नागरिकों की मदद के लिए एक खास वॉट्सऐप नंबर जारी किया है। राज्य सरकार ने फंसे हुए यात्रियों से मदद के लिए उस नंबर पर संपर्क करने की अपील की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ऑफिस ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में लिखा है कि खाड़ी देशों में पैदा हुए युद्ध के हालात की वजह से वहां फंसे महाराष्ट्र के अलग-अलग नागरिकों से राज्य सरकार संपर्क में है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार अलग-अलग एजेंसियों के संपर्क में हैं और केंद्र सरकार से भी लगातार संपर्क में हैं।

आंबेडकर नगर थाने में इंस्पेक्टर ने वकीलो को बंधक बनाकर पीटा

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के आंबेडकर नगर थाने में तैनात पुलिसकर्मियों पर वकीलों को बंधक बनाकर पीटने का आरोप लगा है। वारदात के दौरान एसीपी पर भी थाने में होने का आरोप लगा है। साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पीड़ित वकील को छुड़ाया गया। विवाद बढ़ने पर फिर दिल्ली पुलिस और वकील आमने सामने आ गए। सूचना पर दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त खुद मौके पर पहुंचे और मामले की फैक्ट-फाइंडिंग जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस उपायुक्त ने मामले में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आंबेडकर नगर थाने में तैनात इंस्पेक्टर सहित चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। दक्षिण जिला पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक मामले की जांच के दौरान जांच अधिकारी एसआई सुनील सोमवार दोपहर दो बजे एक शख्स को उसके घर से उठाकर थाने ले आए। आरोपी शख्स के वकील उससे मिलने के लिए थाने पहुंचे। वकीलों का आरोप है कि दोपहर दो बजे से शाम करीब 7:30 बजे तक एसआई सुनील ने उन्हें थाने में इंतजार करवाया। कई बार फोन भी किया गया लेकिन उन्होंने उठाया नहीं। करीब शाम 7:30 बजे जब वह लॉकअप में बंद अपने मुवक्किल से बात कर रहे थे। इसी दौरान एसआई सुनील वहां आ गए और वकील देवराज, राहुल और सहयोगी नवनीत से बदसलूकी की। विरोध करने पर जबरन धक्का देकर थाने से बाहर किया जाने लगा। इस दौरान थाने में मौजूद एसीपी से उन्होंने एसआई सुनील की शिकायत की। पीड़ित का आरोप है कि एसीपी ने उन्हें बाहर इंतजार करने के लिए कहा। वह बाहर इंतजार कर रहे थे, इसी दौरान इंस्पेक्टर मुनीश कुमार वहां आ गए और राहुल और देवराज से झगड़ा शुरू कर दिया। वकीलों का आरोप है कि झगड़े के दौरान इंस्पेक्टर ने देवराज को आईओ के रूम में बंधक बना लिया और उसे जमकर पीटा। अन्य दोनों वकीलों को थाने से बाहर निकाल दिया। दोनों वकीलों ने साकेत कोर्ट की बार एसोसिएशन के सदस्यों को फोन किया। बार के अध्यक्ष और सचिव सदस्य वकीलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और पुलिस उपायुक्त से पूरे मामले पर बात की। पुलिस उपायुक्त देर रात थाने पहुंचे, जहां उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने तुरंत मामले पर संज्ञान लिया और प्रारंभिक स्तर पर परिस्थितियों की समीक्षा की गई। मामले में विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। उपायुक्त ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर मुनीश कुमार, सब-इंस्पेक्टर सुनील, हेड कांस्टेबल किशन चंद सहित एक अन्य को लाइन हाजिर कर दिया है।

दिल्ली के भजनपुरा में हड़कंप, अज्ञात लोगों ने घर के सामने गोलियां चलाईं

दिल्ली। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर शिकायतकर्ता ने बताया कि दो से तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसके घर के सामने हवा में गोली चलाई। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में भजनपुरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(6)/3(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27 के तहत पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीमें तैनात की हैं। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पुलिस ने जनता को आश्वस्त किया है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा। जांच के दौरान पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

दिल्ली के भजनपुरा में हड़कंप, अज्ञात लोगों ने घर के सामने गोलियां चलाईं

दिल्ली। दिल्ली के भजनपुरा इलाके में फायरिंग की घटना सामने आई। जहां घर के सामने हवा में फायरिंग की गई। अज्ञात व्यक्तियों ने घटना को अंजाम दिया है। इस घटना में भजनपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर शिकायतकर्ता ने बताया कि दो से तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उसके घर के सामने हवा में गोली चलाई। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में भजनपुरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(6)/3(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25/27 के तहत पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीमें तैनात की हैं। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहा है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम पर हमले का आरोपी रोहित सोलंकी गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस ने की कार्रवाई

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गोधरा गैंग के मुख्य आरोपी रोहित सोलंकी को गिरफ्तार किया है। उस पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कानूनी टीम पर हमला करने का गंभीर आरोप है। यह गिरफ्तारी राजधानी में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि रोहित गोधरा गैंग के मुख्य आरोपी और अहम सदस्य रोहित सोलंकी को पकड़ लिया गया है। जिसने बीते दिनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की लीगल टीम पर हमला किया था। रोहित सोलंकी को हमले करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से संबंधित एक वकील की कार पर राष्ट्रीय राजधानी के कश्मीरी गेट स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के पास हुई फायरिंग के मामले में दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। गैंगस्टर नवीन बॉक्सर के नाम से बताए जा रहे एक पोस्ट के जरिये बॉक्सर ने हमले की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली थी। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया था कि अधिवक्ता दीपक खत्री की शिकायत पर कश्मीरी गेट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 3(5) (आपराधिक षड्यंत्र) और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार का कहना है कि खत्री को पहले भी हिंसा की धमकियां मिली थीं। मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास करीब रात 10 बजकर 10 मिनट पर एक कार पर गोलीबारी हुई और उस समय कार में पांच लोग सवार थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक व्यक्ति को कंधे में गोली लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया के अनुसार, कार सवार लोगों ने हमलावरों की संख्या के बारे में अलग-अलग बयान दिए हैं। घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट आया जिसमें गैंगस्टर नवीन बॉक्सर ने गोलीबारी की कथित तौर पर जिम्मेदारी ली। उसी के नाम और तस्वीर वाले प्रोफाइल से साझा की गई पोस्ट में कहा गया है कि यह हमला उसने और उसके साथियों ने किया था तथा खत्री को धमकी भी दी गई थी। एक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और हमलावरों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पोस्ट में लिखा था कि तू लॉरेंस के लिए मुखबिर और बिचौलिए का काम करता है। तुम जबरन वसूली के सौदे तय करते हो और बैठकों के दौरान जानकारी लाते हो.. ऐसा करना बंद करो। अन्यथा, तुम्हारे कुत्तों का दंड मिलेगा और तुम्हारे पूरे परिवार को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। एक अधिकारी ने कहा कि हम पोस्ट और उसके स्रोत की जांच कर रहे हैं। जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रिसाव के बाद छोटे सिलिंडर में धमाका, मासूम सहित चार लोग झुलसे

नई दिल्ली। स्वरूप नगर इलाके में मंगलवार को दोपहर रिसाव के बाद सिलिंडर में धमाका होने से एक मासूम सहित चार लोग झुलस गए। घायलों में तीन महिला शामिल हैं। सभी घायलों को पास के बुराड़ी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच में पता चला कि छोटे गैस सिलिंडर में रिसाव की वजह से उसमें धमाका हुआ। पुलिस लापरवाही का मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि मंगलवार दोपहर 12 बजे स्वरूप नगर थाना पुलिस को एफ ब्लॉक के एक मकान में सिलिंडर धमाका होने और कई लोगों के घायल होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घटना इमारत की तीसरी मंजिल पर हुआ था। पीसीआर कर्मी एक मासूम सहित चार लोगों को पास के बुराड़ी अस्पताल में भर्ती करा चुके थे। जांच में पता चला कि जिस कमरे में विस्फोट हुआ वहां सविता आठ साल के मासूम कार्तिक और अपने पति के साथ रह रही है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद अस्पताल पहुंची। जहां सविता, कार्तिक और इमारत की दूसरी मंजिल पर रहने वाली दो महिला सुनीता और किरण का इलाज चल रहा था। जांच में पता चला कि सविता चालीस फीसदी, कार्तिक साढ़े चार फीसदी, सुनीता 65 फीसदी और किरण 27 फीसदी झुलस गए हैं। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। छानबीन में पता चला कि सविता दोपहर में खाना बनाने गई थी। छोटे गैस सिलिंडर में पहले से रिसाव हो रहा था। माचिस जलाते ही उसमें आग लग गई। आग बुझाने के लिए सविता ने शोर मचाया। शोर सुनकर दूसरी मंजिल पर रहने वाली सुनीता और किरण वहां पहुंची। उनके वहां पहुंचते ही अचानक सिलिंडर में जोरदार धमाका हो गया और चारों इनके चपेट में आ कर घायल हो गए। पुलिस ने लापरवाही का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

PUBLIC NOTICE

I, Ramesh Pawar, S/o Sh. Ishwar Singh, residing at H. No. 82/1, Village Moti Bagh, South Moti Bagh, Delhi - 110021, do hereby solemnly affirm and declare that Ramesh (as mentioned in my old Passport) and Ramesh Pawar (as mentioned in my Aadhar and PAN cards) are the names of one and the same person, which is myself. I am expanding my name from Ramesh to Ramesh Pawar to match my Aadhar and PAN records. Henceforth, I shall be known as Ramesh Pawar for all future purposes, including my Passport renewal.

NAME CHANGE

I ARPANA PRADHAN TAMANG wife of JC-583416W, Rank-SUB Name-LATE NORDEN TAMANG residing at VILL-PUSSIMBING LOWER, PO-PUSSINBONG TEA GARDEN, TEHSIL-GHOOM, DIST-DARJEELING, WEST BENGAL-734102, have changed my mother in law's name from MAN KUMARI to HARKAMAYA TAMANG for all future purposes and in my husband's service records my mother in law's date of birth wrongly mentioned as 03/04/1951 instead of her correct date of birth as 10/06/1942 vide Affidavit No-DL66893058218164Y dated 05/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ADNAN RAHMAN S/o SYED AMANUR RAHMAN R/o G - 1205A Golfcity, Plot No. 8, Sector-75 Noida, Noida Sector – 34, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201307 have changed the name of my minor son SYED UZAIR RAHMAN aged 13 years and he shall hereafter be known as UZAIR SYED RAHMAN.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री संजय कुमार द्वारा संपत्ति संख्या RZ-84 का ग्राउंड फ्लोर (बिना छत अधिकार), जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जो कि खसरा संख्या 15/14/1 से निकली भूमि पर स्थित है तथा गांव डाबरी कॉलोनी के क्षेत्र, जिसे रघु नगर, नई दिल्ली के नाम से जाना जाता है, को श्रीमती रेनू एवं श्री गुलशन से क्रय करने का प्रस्ताव है। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक मूल स्वामी श्री राजिंदर पीडी. गर्ग थे, जिन्होंने दिनांक 18.03.1988 को निष्पादित नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री महिंदर कुमार मेहरा को हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री महिंदर कुमार मेहरा ने दिनांक 04.10.1990 को निष्पादित नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती कृष्णा को हस्तांतरित की। इसके पश्चात श्रीमती कृष्णा ने दिनांक 15.12.2003 को निष्पादित नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री नरेंद्र कुमार एवं श्री अमित चंद को हस्तांतरित की। आगे चलकर श्री नरेंद्र कुमार एवं श्री अमित चंद ने दिनांक 06.01.2004 को निष्पादित नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्री भारत भूषण एवं श्री मनोहर मेहता को हस्तांतरित की। इसके पश्चात श्री भारत भूषण एवं श्री मनोहर मेहता ने दिनांक 06.10.2009 को निष्पादित GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से उक्त फ्लोर श्री जगदीश शर्मा को हस्तांतरित किया। तत्पश्चात श्री जगदीश शर्मा ने दिनांक 21.04.2025 को निष्पादित नोटराइज्ड GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से यह संपत्ति श्रीमती रेनू एवं श्री गुलशन को हस्तांतरित की। अतः श्रीमती रेनू एवं श्री गुलशन उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, देयता, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है।यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Raghubir Chand Mittal S/o Tek Chand, R/o H.No-4246-A, Gali No-3, Jai mata Market, Tri Nagar, North West Delhi, Delhi 110035 have changed my name to Raghubeer for all future purposes.

NAME CHANGE

I Neeraj S/o Raghubeer R/o H.No-4246-A, Gali No-3, Jai mata Market, Tri Nagar, North West Delhi, Delhi 110035 have changed my name to Neeraj Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Raj Kali Mittal W/O Raghubeer, R/o H.No-4246-A, Gali No-3, Jai mata Market, Tri Nagar, North West Delhi, Delhi, 110035 have changed my name to Rajkali for all future purposes.

NAME CHANGE

I, AMI SISODIYA D/O SHRI JASVEER SINGH, W/O CHANDRA PAL SINGH R/O E 64,KH. No.470-471, PRATAP VIHAR PART 3 1st FIOOR, KIRARI SULEMAN NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086 have changed my name to AMI JAISWAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I LOVLEEN SHARMA W/O NAVEEN SHARMA R/o B 14, Aishwaryam appt, plot no 17,sec 4, Dwarka, Delhi 110078. Have changed my name to LOVELEEN SHARMA for all future purposes.

NAME CHANGE

I Jai Parkash Sharma S/O Mohan Lal,House No B-5 2ND Floor Block-B Prashant Vihar Sector-14 Rohini,Delhi-110085, have changed my name to Jai Prakash for all future purposes.

NAME CHANGE

I Chandan bala Jain W/o Anuranjan Jain, 55B Ayodhya Enclave, Plot no. 30/2, Sector -13 Rohini, Delhi -110085. have changed my name to Chandan Jain for all future purposes. However, Chandan Bala, Chandan bala Jain & Chandan Jain W/o Anuranjan Jain is one and same person.

NAME CHANGE

I, MAHA DEVI Mother of NO-15680257A, Rank-HAV, Name-ISHWAR RADDERATTI residing at VPO-KHANATTI, TEHSIL-MUDALAGI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591312, have changed my name from MAHA DEVI to MAHADEVI RADDERATTI for all future purposes Vide Affidavit dated 05/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15680257A, Rank-HAV, Name-ISHWAR RADDERATTI residing at VPO-KHANATTI, TEHSIL-MUDALAGI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591312, have changed my minor son's name from SAI to SAI RADDARATTI for all future purposes vide affidavit dated 05/03/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15680257A, Rank-HAV, Name-ISHWAR RADDERATTI residing at VPO-KHANATTI, TEHSIL-MUDALAGI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591312, have changed my minor daughter's name from SOUMYA to SOUMYA RADDERATTI for all future purposes vide affidavit dated 05/03/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ASHIMA W/O MOHIT CHITKARA residing at K-90, SECOND FLOOR, KIRTI NAGAR, DELHI-110015. have changed my name to ASHIMA CHITKARA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BB JHA S/O DUKHMOCHAN JHA residing at H NO-388, GROUND FLOOR, I P COLONY, SEC-30-33, FARIDABAD, HARYANA-121003 have changed my name to BIRBHADRA JHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHARDA DEVI mother of JC-473518K Rank-SUB Name-MUKENDRA SINGH BHADORIA residing at WARD NO-09, SHYAM COLONY, TEHSIL & DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477001, have changed my name from SHARDA DEVI to SHARADADEVI for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

It is for general information that I, NAINI DEVI D/o SHAVALJI W/o SHIV LAL, R/o D-1/65, GALI NO-7 MAHAVIR ENCLAVE-1, PALAM, DELHI-110045, declare that name of my father has been wrongly written as SANWAL RAM JI,in my PAN Card No. ARGPN8193G, The actual name of my father is SHAVALJI respectively, which may beamended accordingly. It is certified that I have complied with other legalrequirements in this connection.

NAME CHANGE

I,Ravita, W/o Ankur Kumar R/o A-505, Gali no.-5, Meet Nagar, Gokal Pur, PO: Gokal Puri, Dist : North East Delhi, Delhi - 110094, have changed the name of my Minor Son Arav aged 11 years and he shall hereafter be known as Aarav Duhoon

NAME CHANGE

I, Krish, S/o Raman Yadav, R/o House No. 5563, Rajendra Park, Gurgaon, Haryana, hereby state that my old name Krish will now be known as Krish Yadav for all purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ARMAAN S/O MOHAMMAD KHURSHID R/O E-38 GALI NO-12-13 SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ARMAAN

NAME CHANGE

I MONA DEWAN D/O PRITAM SINGH DEWAN R/O 52 D DDA FLATS PHASE -1 MASJID MOTH G.K-3 DELHI-110048 HAVE CHANGED MY NAME TO MONA MEHTA

NAME CHANGE

I, SHAHIDA W/O MOHD HASAN residing at H.No.A-25,Gali No-1,Chaman Park Delhi-110094, have changed my name to SHAHIDA BEGUM

NAME CHANGE

I, SYED TANVEER ALAM S/O ABDUL KHALIQ R/O FLAT NO-164, GALI NO-6, T/F, ZAKIR NAGAR, NEW FRIENDS COLONY, SOUTH DELHI-110025 declare that I have changed my name from TANVEER ALAM to SYED TANVEER ALAM for all purpose in future.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री जतिन सेठी द्वारा प्रथम तल (बिना टैरेस अधिकार), जो कि निर्मित संपत्ति संख्या 966-A, गली संख्या 8 (संपत्ति संख्या 966/8 का भाग), क्षेत्रफल 82.5 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 165 वर्ग गज में से), खसरा संख्या 93 से निकाली गई भूमि पर स्थित, गोविंद पुरी, कालकाजी, नई दिल्ली - 110019 में स्थित है, को श्री गुरजिंदर पाल सिंह एवं श्री विनोद कुमार गर्ग से क्रय करने का प्रस्ताव है। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक मूल स्वामी श्री याद राम थे, जिन्होंने दिनांक 03.03.1960 को निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से यह संपत्ति श्री हीरा नंद को विक्रय की थी। तत्पश्चात श्री हीरा नंद ने दिनांक 21.03.2002 को एक पंजीकृत वसीयत (Registered Will) श्रीमती सुदर्शन पुष्प लता के पक्ष में निष्पादित की। इसके पश्चात श्रीमती सुदर्शन पुष्प लता ने दिनांक 15.06.2011 को एक पंजीकृत वसीयत श्री त्रिलोक दुडेजा एवं श्री ललित कुमार दुडेजा के पक्ष में निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्री हीरा नंद व श्रीमती सुदर्शन पुष्प लता दोनों का अब देहांत हो चुका है। तत्पश्चात श्री त्रिलोक दुडेजा एवं श्री ललित कुमार दुडेजा ने दिनांक 12.06.2023 को निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती रिम्पल नरूला को विक्रय कर दी। इसके बाद श्रीमती रिम्पल नरूला ने दिनांक 15.11.2023 को निष्पादित विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से उक्त तल को श्री गुरजिंदर पाल सिंह (1/3 अविभाजित हिस्सा) तथा श्री विनोद कुमार गर्ग (2/3 अविभाजित हिस्सा) को विक्रय कर दिया। अतः श्री गुरजिंदर पाल सिंह एवं श्री विनोद कुमार गर्ग उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, देयता, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है।यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, JC-777707K, Rank-SUB, Name-SREE KUMAR S residing at KOORUVILA VEEDU, PO-BHOOTHAKKULAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691302, have changed my father's name from SUNDARAN PILLAI to SUNDARAKUMARAN PILLAI for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-777707K, Rank-SUB, Name-SREE KUMAR S residing at KOORUVILA VEEDU, PO-BHOOTHAKKULAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691302, have changed my mother's name from SREE DEVI AMMA to SREEDEVI AMMA for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2026 before Executive Magistrate Delhi.

NAME CHANGE

I, POOJA CHAUHAN TOMAR d/o KASHMIR SINGH CHAUHAN and w/o ROBIN TOMAR r/o 217, A-1 BLOCK EXTENTION, SANT NAGAR, OPP. POLICE STATION, BURARI, DELHI-110084 have changed my name to POOJA CHAUHAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SANGITA DEVI wife of No.-15231842H, Rank-NK, Name-SRIKESH YADAV residing at VILL-PALIYA, PO-RUHI PUR, TEHSIL-SADAR, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233300, have changed my name from SANGITA DEVI to SANGEETA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 05/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as FARGANA D/O MUSTAK R/O 6/401, East End Apartments, Mayur Vihar Phase-1 Extension, Vasundhra Enclave, Delhi – 110096. have changed my name and shall hereafter be known as FARZANA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Vikrant Kansal S/O RAM AVTAR KANSAL,R/O 88, HANUMAN PURI, suraj Kund Road, Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have change the name of my minor daughter Kitu Kansal aged 11 years and she shall hereafter be known as Avisha Kansal.

NAME CHANGE

I, Mohit Kumar S/O: Satyveer Singh, R/O gali no-4, n vikas nagar, Loni Dehat, Ghalabed. Uttar Pradesh-201102, have changed the name of my minor son Shivanshu aged 11 years and he shall hereafter be known as VIVAN.

NAME CHANGE

I, SUNIL SINGH S/o BHARAT SINGH R/O FLAT NO-101 AR ELYSIUM SECTOR-9 JUDGE COLONY VAISHALI GHAZIABAD-201010 UTTAR PRADESH HAVE CHANGED MY NAME TO SUNIL BHANDARI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, SUMAN KHARAB PANWAR W/O ARVIND PANWAR R/o 28 ESPACE NIRVANA COUNTRY SOUTH CITY PART-II GURGAON-122018 HARYANA HAVE CHANGED MY NAME TO SUMAN PANWAR FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I, PRIANKA W/O AMAN VIRDY R/O HOUSE NO-192, TOWER-G2, INDIABULLS CENTRUM PARK, SECTOR-103, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO PRIYANKA VIRDY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NO-9116378Y, Rank-HAV, Name-ISHFAQ AHMAD KHAN residing at VILL-HAYHAMA BUNGAM, PO-KUPWARA, TEHSIL-KUPWARA, DISTT- KUPWARA, JAMMU & KASHMIR-193222, have changed my wife's name from SHAHNAZA BANOO to SHAHNAZA AKHTER for all future purposes, in my service record my wife's date of birth wrongly mentioned as 05/04/1997 instead of her correct date of birth as 15/04/1997 Vide Affidavit dated 05/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I Apma W/o Anil Sharma R/o H. No 150, Gali No.1, Bahadurgarh, Jhajjar, haryana have changed my name to Aparna Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Subhash Mann S/o Ram Dass Mann R/o A-303, Ghaziabad, Surya Nagar, Chander Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201011 have changed my name and shall hereafter be known as Subhash Chander Mann

NAME CHANGE

I Tarun S/o Uday Singh R/O village and post office basai Gurugram Haryana have to change may name tarun kumar for all purposes.

NAME CHANGE

I Apma W/o Anil Sharma R/o H. No 150, Gali No.1, Bahadurgarh, Jhajjar, haryana have changed my name to Aparna Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Darshana Devi, W/o Mukesh Monga, R/o H. No. 394, Housing Board Colony, Sec-7 Ext., Gurgaon – 122001, have changed my name from Darshana Devi to Darshana Monga. Henceforth, I shall be known as Darshana Monga for all purposes.

NAME CHANGE

I, Krish, S/o Raman Yadav, R/o House No. 5563, Rajendra Park, Gurgaon, Haryana, hereby state that my old name Krish will now be known as Krish Yadav for all purposes.

NAME CHANGE

I, Seema, W/o Balraj Hooda, R/o House No. 176/29, Jasbir Colony, Near Sheela Bye Pass, Rohtak – 124001, Haryana, have changed my name from Seema to Seema Hooda for all intents and purposes.

NAME CHANGE

I, SHARUBAI, is legally mother of Army No. 2808281K, Rank – Hav, Name – TIRUKE ARVIND BALU, presently residing at Vill – Shendur, Post – Shendur, Teh – Kagal, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416232, have changed my name from SHARUBAI to SHARUBAI BALU TIRUKE and my date of birth from 16/04/1962 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, BALU, is legally father of Army No. 2808281K, Rank – Hav, Name – TIRUKE ARVIND BALU, presently residing at Vill – Shendur, Post – Shendur, Teh – Kagal, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416232, have changed my name from BALU to BALU BANDU TIRUKE and my date of birth from 12/06/1960 to 01/01/1959 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VIDYA, is legally spouse of Army No. 2810561W, Rank – Sep, Name – DESHMUKH MAYUR MOHANRAO, presently residing at At/Post – Tasgaon, Teh- Satara,Dist – Satara, State – Maharashtra – 415004, have changed my name from VIDYA to DESHMUKH VIDYA MAYUR for all future purposes. Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KALPANA, is legally mother of Army No. 2810561W, Rank – Sep, Name – DESHMUKH MAYUR MOHANRAO, presently residing at At/Post – Tasgaon, Teh- Satara, Dist – Satara, State – Maharashtra – 415004, have changed my name from KALPANA to KALPANA MOHANRAO DESHMUKH and my date of birth from 23/04/1967 to 20/03/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANANDA, is legally father of Army No. 2809820F, Rank – Sep, Name – PATIL ABHIJEET ANANDA, presently residing at At/Post – Thikpurli, Teh – Radhanagari, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416208, have changed my name from ANANDA to ANANDA GOPAL PATIL and my date of birth from 01/06/1958 to 01/01/1958 for all future purposes.Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, ANANDI, is legally mother of Army No. 2809820F, Rank – Sep, Name – PATIL ABHIJEET ANANDA, presently residing at At/Post – Thikpurli, Teh – Radhanagari, Dist – Kolhapur, State – Maharashtra – 416208, have changed my name from ANANDI to ANANDI ANANDA PATIL and my date of birth from 05/07/1964 to 01/01/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 05/03/2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती शशि बाला संपत्ति संख्या 322, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, जो कि खसरा संख्या 49 से निकली हुई भूमि है, की स्वामिनी हैं। यह संपत्ति पुराना लाल डोरा (1908-09), ग्राम रानी खेड़ा, दिल्ली-110081 में स्थित है। उक्त संपूर्ण संपत्ति के प्रारंभिक स्वामी डॉ. सतीश कुमार थे, जैसा कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। उन्होंने दिनांक 07.02.2026 को निष्पादित उपहार विलेख (Gift Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती शशि बाला को उपहार स्वरूप हस्तांतरित कर दी, जो कि दस्तावेज संख्या 2026/14/I/902 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। अतः वर्तमान में श्रीमती शशि बाला उपर्युक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ग्रहणाधिकार, दावा या अन्य किसी भी प्रकार के दायित्व से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दिया जाए कि उक्त संपत्ति को बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, सुभाष नगर शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं Sanjeev Kumar S/O Shree Ram Chander Sharma R/O, 133पुलिस कॉलोनी निकट लक्ष्मण पब्लिक स्कूल, हौज खास, सब डिस्ट्रिक्ट हौज खास, डिस्ट्रिक्ट साउथ दिल्ली, नई दिल्ली -110016, घोषणा करता हूं कि भविष्य में सभी उद्देश्यों व पर्यायों हेतु मुझे Sanjeev Sharma के नाम से जाना जाए।

NAME CHANGE

It is for general information that I MOHD UNUS S/o SHOUQAT ALI R/o E 11/1114/1 , 18/4 , Near Chand Masjid , Nehru Vihar , Karawal Nagar , North East Delhi , Delhi 110094 declare that the name of mine has been wrongly written as UNUS in my all Educational Documents and name of my Father has been wrongly written as SHOKAT ALI in my 10th 12th Class Education Documents and as SAUKAT ALI in my Voter ID No . GZF0972836 . and as SHAUKAT ALI in my PAN No . ABGPU1333F and in my Driver License No . P0502007336098 . The actual name of mine and my Father are MOHD UNUS and SHOUQAT ALI Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I SURAJ SINGH S/O BHUPENDAR SINGH Presently residing at T-2475/2, Gali No. 4, Baljeet Nagar, Delhi - 110008 and Permanent R/o 43, Duni, Duni Pithoragarh, Uttarakhand - 262522, declare that name of mine and my father have been wrongly written as DIWAN RAM and BHAWAN RAM in my Aadhaar Card No. 8593 5459 4090. The actual name of mine and my father are SURAJ SINGH and BHUPENDAR SINGH respectively, which may be amended accordingly.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गोपाल जुनेजा, पुत्र मनोहर लाल जुनेजा निवासी पूजा पावी, लोनी गाजियाबाद, उ.प्र., दूसरा पता पटरी कोडिया पुल, दिल्ली, तीसरा पता मकान नं. बी-25, प्रथम तल, चंदर नगर, कृष्णा नगर, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2/2021, भा.द.सं. की धारा 356/379/411 के तहत, थाना दरियागंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **गोपाल जुनेजा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **गोपाल जुनेजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 2/2021, भा.द.सं. की धारा 356/379/411 के तहत, थाना दरियागंज, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गोपाल जुनेजा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.07.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ राज कुमार सिंह
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
(केंद्रीय जिला) कमरा नं. 241
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2671/CD/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **रूपा अरोड़ा पत्नीः** चंद्र पाल अरोड़ा **पताः** ए-163, संजय नगर, सेक्टर-23, गाजियाबाद उ.प्र. **इसके अलावाः** के-1220, न्यू कवि नगर, गाजियाबाद उ.प्र. ने **FIR No. 306/2017 U/s 420/468/471/34 IPC थानाः लाजपत नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रूपा अरोड़ा**, मिल नहीं रही हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रूपा अरोड़ा**, फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 306/2017 U/s 420/468/471/34 IPC थानाः लाजपत नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रूपा अरोड़ा**, से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री राहुल जैन
जेएमएफसी-01, कमरा नंबर 514
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली

DP/2682/SE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू उर्फ गिल्टी, पुत्रः संजय, निवासीः गांव पसौंडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 331/2023, U/s: 379 IPC, पुलिस थाना दरियागंज, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सोनू उर्फ गिल्टी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सोनू उर्फ गिल्टी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना दरियागंज, दिल्ली** के अभियुक्त **सोनू उर्फ गिल्टी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 14.07.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
जेएमएफसी-05, केंद्रीय जिला, कमरा नंबर 241,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/2664/CD/2026

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Arun S/o Shri Azad Ram R/o Flat No-307, 3rd Floor, Gaushala Road Kishan Ganj, Tower No-3 The Amaryllis Phase-1, Karol Bagh, Central Delhi, Delhi-110005 declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Arun Otwal and Daizy Otwal in my minor daughter Daizy aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my minor daughter are Arun and Daizy.

NAME CHANGE

I, Meenakeshi Mittal W/O Manoj Kumar Mittal R/O B-1/48-49, Hanuman mandir road, Nawada, Kiran Garden, uttam Nagar, DK mohan garden Delhi 110059, Changed my name to Meenakshi Mittal.

NAME CHANGE

I, Manoj Mittal C/O Meenakshi Mittal R/O B-1/48-49, Hanuman mandir road, Nawada, Kiran Garden, uttam Nagar, DK mohan garden Delhi 110059, Changed my name to Manoj Kumar Mittal.

NAME CHANGE

I, Archana Ray W/O Gautam Kumar R/O H.no-2596, Kh.no-91/2, 2nd floor street no 6 jagatpur road village wazirabad EXTN city burari delhi 110084, Changed my name to Archana Roy.

NAME CHANGE

I, Tribhuwan Nath Ray S/O Girja Prashad Roy R/O 2371/19 gali pahiye wali teliwara sadar bazar delhi 110006, Changed my name to Tribhuwan Nath Roy.

NAME CHANGE

I, Baby Ray W/O Tribhuwan Nath Roy R/O 2777 gali no 8, 25 foota wazirabad badarpur majra burari delhi 110084, Changed my name to Baby Roy.

NAME CHANGE

I, VIKAS KUMAR S/O KARTAR SINGH R/O HOUSE NO-55,STREET-5,NEAR SHEETLA MATA MANDIR,WEST RAJIVNAGAR,GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY NAME TO VIKAS YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, VIPIN KUMAR S/O MAMAN SINGH R/O 499/28,GALI NO-8,NEAR GEETA ASHRAM, JYOTI PARK, GURGAON, HARYANA-122001,HAVE CHAGED MY NAME TO VIPIN PANCHAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Mohit Kumar S/O: Satyveer Singh, R/O gali no-4, Near Vikas nagar, Loni Dehat, Ghalabed. Uttar Pradesh-201102, have changed the name of my minor son Shivanshu aged 11 years and he shall hereafter be known as VIVAN.

Public Notice

It is for general information that I,MOHD SHEHROZ KHAN S/O MOHAMMAD USMAN residing at L-65, BLOCK -4 ,SUNDER NAGRI,MCD FLATS,NAND NAGRI,NORTH EAST DELHI,DELHI-110093 declare that name of mine and my father has been wrongly written as MOHAMMAD SHEHROZ KHAN and MOHD USMAN KHAN in my all Educational Documents.The actual name of mine and my father are MOHD SHEHROZ KHAN and MOHAMMAD USMAN respectively,which may be amended accordingly.

Public Notice

It is for general information that I Arti Devi W/O Rajkumar, R/O 260/14, mayur vihar satha, Bulandshahr, Bulandshahr, Uttar Pradesh-203001, declare that name of mine has been wrongly written as Arti in my minor daughter namely Soniya Rani aged 17 years in her 10th class educational documents.The actual name of mine is Arti Devi,respectively which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत:घरेलू विवाद में पति ने पत्नी को चाकू मारकर किया घायल

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर में धुलेंडी के दिन एक परिवार के भीतर हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक रूप ले बैठा। पति-पत्नी के बीच शुरू हुई कहासुनी इतनी बढ़ गई कि गुस्से में पति ने रसोई से सब्जी काटने वाला चाकू उठाकर पत्नी के पेट पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को आसपास के लोगों की मदद से नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक होने पर खानपुर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। फिलहाल मुरथल थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार मुरथल क्षेत्र के सरस्वती विहार में रहने वाला एक व्यक्ति धुलेंडी के दिन अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान किसी घरेलू बात को लेकर उसकी पत्नी के साथ कहासुनी शुरू हो गई। शुरुआत में मामूली तकरार के रूप में शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और दोनों के बीच तीखी बहस होने लगी। देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। झगड़े के दौरान आरोपी ने गुस्से में रसोई में रखा सब्जी काटने वाला चाकू उठा लिया और पत्नी के पेट में वार कर दिया। वार से महिला गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने तुरंत घायल महिला को सोनीपत के नागरिक अस्पताल पहुंचाया।

ट्रक व कार की टक्कर में कार सवार युवक की मौत

पानीपत। पानीपत के गांव नौल्था में आईटीआई के सामने बीती रात को एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार सवार युवक की मौत हो गई। राहगीरों ने कार की खिड़की तोड़कर युवक को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान नौल्था निवासी 21 वर्षीय कपिल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कपिल गोहाना की तरफ से अपनी कार में आ रहा था। तभी सामने से आ रहे एक ट्रक ने उसकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। वहीं राहगीरों ने तुरंत कार की खिड़की तोड़कर कपिल को बाहर निकाला और उसे पास के एनसी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में मृतक की जेब में मिले पहचान पत्र से युवक की पहचान कपिल के रूप में हुई, जिसमें नौल्था और सोनीपत जिले के शामड़ी गांव के दो पते मिले। अस्पताल प्रशासन ने नौल्था के एक स्थानीय समूह में पहचान के लिए संदेश डाला, जिससे पता चला कि कपिल पिछले लगभग 15 सालों से अपनी मां और बड़े भाई के साथ नौल्था में अपने मामा के घर रह रहा था। वह गांव के पास एक निजी फैक्ट्री में नौकरी करता था।

होली खेलकर नहर में नहाने गया युवक पानी के साथ बहा

पानीपत। पानीपत में होली खेलने के बाद दिल्ली पैरलल नहर में नहाने गए एक युवक का पैर फिसलने से वह गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद पुलिस गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश में जुट गई है। अभी तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मृतक के मामा के लड़के सागर के अनुसार 18 वर्षीय कर्ण उसकी बुआ का लड़का है, जो यूपी का रहने वाला है और तीन महीने से उसउके पास रह रहा था। होली खेलने के बाद दोपहर में कर्ण और उसका चचेरा भाई धनीराम नहाने के लिए नहर पर गए थे, नहर के किनारे नहाते वक्त अचानक कर्ण का पैर फिसल गया। पानी का बहाव तेज होने के कारण वह खुद को संभाल नहीं पाया और देखते ही देखते पानी के बहाव में आंखों से ओझल हो गया। धनीराम ने तुरंत शोर मचाया, जिसे सुनकर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने सूचना मिलते ही गोताखोरों को मौके पर बुलाया। नहर में काफी दूर तक सर्च अभियान चलाया गया लेकिन गुरुवार की दोपहर तक भी कर्ण का कोई पता नही चल सका है। पुलिस ने आसपास के थानों को भी सूचित कर दिया है।

रेवाड़ी में सड़क हादसे में दो महिलाओं की मौत

रेवाड़ी। रेवाड़ी में बेरली-डहीना रोड पर रात एक तेज रफ्तार वाहन ने तीन महिलाओं को कुचल दिया। इस हादसे में 83 वर्षीय संतरा और 73 वर्षीय भतेरी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक महिला गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद उन्हें परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुरी गांव की तीन महिला दूध लेने जा रही थी। तेज रफ्तार वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं एक महिला गंभीर घायल हो गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। इसके विरोध में ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया और चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सूचना मिलने पर

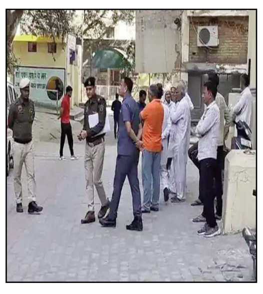

कोसली डीएसपी विद्यानंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब चार घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद, डीएसपी के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम खोला। जांच अधिकारी एएसआई बाबूलाल ने बताया कि रामपुरी कंवाली रोड पर हुए इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हुई है और एक घायल है। पुलिस फरार वाहन चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

मनोहर लाल के करीबी संजय भाटिया ने हरियाणा से राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन, सीएम सैनी भी रहे मौजूद

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के गुरदासपुर जिले के दीनानगर में सैनी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है, यह तप, त्याग और बलिदान की भूमि है। उन्होंने कहा कि विभाजन की वेदना झेलने के बावजूद यहां के लोगों ने कभी निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा का आगामी चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, यह चुनाव पंजाब की राजनीतिक दिशा को बदलने, समाज को सम्मान दिलाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर आकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उपस्थित जनसमूह को नमन करते हुए उन्होंने आह्वान किया कि सभी को मिलकर पंजाब को फिर से विकास के पथ पर अग्रणी राज्य बनाना है। उन्होंने कहा, हम सबने मिलकर पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सैनी समाज को सम्मान देने का काम किया है। मुझ जैसे एक छोटे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर समाज को ताकत दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार को हरियाणा विधानसभा में वे अपना दूसरा बजट पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि 217 संकल्पों में से 60 पूरे किए जा चुके हैं और 120 पर तेजी से काम चल रहा है। प्रदेश सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में किडनी मरीजों को सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है। बुजुर्गों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक पेंशन घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपए दिए जा रहे हैं। किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जा रही हैं और 48 घंटे में भुगतान सुनिश्चित किया गया है। भावांतर भरपाई योजना से भी किसानों को लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को मकान बनाकर दिए जा रहे हैं और जिन परिवारों के पास जमीन नहीं है, उन्हें प्लॉट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लंबे समय से पंचायती भूमि पर निवास कर रहे परिवारों को मालिकाना हक भी प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की सत्ता कुछ हाथों में सिमटने से विकास प्रभावित हुआ है। अब राजनीति की दिशा बदलने का समय है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में ओबीसी वर्ग एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएगा और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में योगदान देगा ताकि पंजाब को फिर से रंगला और खुशहाल प्रदेश बनाया जा सके।

पलवल में मंत्री रणबीर गंगवा ने एसडीओ, जेई को किया सस्पेंड, एक्सईन को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी

पलवल। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने पलवल के गोबिंद नगर स्थित बूस्टिंग स्टेशन में सामने आए लापरवाही के मामले में एसडीओ और जेई को सस्पेंड कर दिया है, साथ ही सम्बधित एक्सईन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया है। गोबिंद नगर स्थित बूस्टिंग स्टेशन के अंडरग्राउंड वाटर टैंक में डूबने से 26 फरवरी को 12 वर्षीय बच्चे की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु हो गयी थी। मामले में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री के निर्देशों के बाद मामले में विभाग ने एसडीओ प्रीति और जेई रामबीर सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी ढांचे की जिम्मेदारी विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बूस्टिंग

स्टेशनों, वाटर टैंकों और संबंधित परिसरों का तत्काल निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सरकार ने केवल आंकड़ों का बजट पेश किया, असलियत कोसों दूर : राजेन्द्र सोरखी

एजेंसी

हांसी। आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा पेश किए गए हरियाणा के बजट को हर वर्ग के लिए निराशाजनक व कोरी भाषणबाजी बताया है। हर बार की तरह इस बार भी भाजपा सरकार ने पुराने बजट पर लीपा पोती करके केवल आंकड़ों को घुमा फिरा कर पेश किया है।

पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने प्रदेश को 5.56 लाख करोड रुपए के कर्ज में डुबो दिया है और नया कर्ज लेकर सिर्फ पुराने कर्ज की किस्त चुकाने के लिए ही बजट को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को हांसी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर हांसी में मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा करके गए थे, जिसका इस बजट में कोई जिक्र तक नहीं है। उन्होंने कहा कि हांसी को जिला बनाने की घोषणा तो की गई है किंतु मनोहर लाल खट्टर की घोषणा को कोई तवज्जो नहीं दी गई। इस घोषणा पर कोई कार्रवाई न होने से हांसी की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। साथ उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों की तर्ज पर हांसी में भी नवोदय विद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए ताकि हलके के छात्रों का भी इस विद्यालय से लाभ मिल सके। लाडो लक्ष्मी योजना के लिए बजट में केवल 6500 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं जबकि पूरे साल महिलाओं को 2100 रूपये प्रति माह देने के लिए लगभग 20 हजार 790 करोड़ रुपए की आवश्यकता होती है।

बजट में सभी वर्गों के कल्याण के लिए व्यापक प्रावधान: डॉ. चौहान

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डा. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट प्रस्ताव विकसित और अग्रणी हरियाणा के निर्माण की गति को तीव्रता प्रदान करेंगे। बजट प्रस्तावों में खेत खलिहान से लेकर ड्रोन की उड़ान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक विविध क्षेत्रों और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं। डॉ. वीरेंद्र चौहान सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

डॉ. वीरेंद्र चौहान ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह बजट समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला तथा भविष्य की दिशा तय करने वाला है। उन्होंने इसे वित्तीय अनुशासन पर आधारित एवं आम जनता को समर्पित बजट बताया। उन्होंने बताया कि बजट

तैयार करने से पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेशभर के विभिन्न वर्गों से सुझाव आमंत्रित किए गए थे, जिनके आधार पर यह जनहितैषी बजट तैयार किया गया। इसलिए इस बजट को जनता की सलाह से जनता के कल्याण के लिए जनता की चुनी हुई सरकार द्वारा तैयार किया गया जनहितैषी बजट कहा जा सकता है। आज हरियाणा में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, बिजली तथा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं।

डॉ. चौहान ने कृषि क्षेत्र में नए बिजली वितरण निगम की घोषणा तथा कृषि से जुड़ी कई अन्य योजनाओं को किसानों के हित में प्रभावशाली कदम बताया। वहीं आयुष्मान भारत योजना और लाडो लक्ष्मी योजना के विस्तार को जन-जन के विकास में महत्वपूर्ण बताया। महिलाओं के रोजगार सृजन हेतु पिंक कैब योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये की ब्याज मुक्त सहायता, डेयरी स्थापना के लिए न्यूनतम दरों पर भूखंड उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के निर्णयों की भी उन्होंने सराहना की। प्रो. वीरेंद्र चौहान ने इस बजट को हरियाणा के उज्ज्वल भविष्य का विजन बताते हुए कहा कि यह बजट आत्मनिर्भर हरियाणा की नींव को मजबूत करेगा।

इस अवसर पर नगर परिषद सिरसा के चेयरमैन वीर शांति स्वरूप, अंबर मेहता, सागर केहरवाला, देवराज मोइल, सुमन सैनी, विष्णु शर्मा आदि उपस्थित रहे।

यमुनानगर में लिव इन पार्टनर को दी खौफनाक मौत: बेटे के साथ मिलकर घोंटा युवक का गला, आरोपी प्रेमिका गिरफ्तार

एजेंसी

यमुनानगर। यमुनानगर के अमर विहार कॉलोनी में हुए युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्यारोपी प्रेमिका व उसके बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि युवक अपनी प्रेमिका के साथ अक्सर शराब के नशे में मारपीट करता था, जिससे वह परेशान थी।

जब प्रेमिका का बेटा वहां रहने आया तब भी युवक इसी तरह की हरकत करता रहा, जिसके चलते दोनों ने मिलकर उसकी परने से गला दबाकर हत्या कर दी और फरार हो गए। हालांकि, दोनों मां बेटे को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से गिरफ्तार कर लिया है।मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जिला गोंडा के गांव मुकुलपुर निवासी 27 वर्षीय गुंजन कुमार यहां अमर विहार कॉलोनी में अपनी प्रेमिका खुशबू उर्फ रीना (49 वर्षीय) के साथ किराये के मकान में रह रहा था। दोनों लगभग दो वर्ष से साथ रह रहे थे। 26 फरवरी को युवक का शव मकान की छत पर पड़ा मिला। उसकी परने से गला दबाकर हत्या की गई थी। सुषमा यहां से फरार थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो सामने आया कि इस मकान में मृतक व सुषमा के साथ-साथ एक

अन्य युवक आकाश भी रहता था। उसके बारे में उस समय किसी को ज्यादा मालूम नहीं था। बूड़िया गेट चौकी प्रभारी जसपाल ने बताया कि हत्यारोपित सुषमा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके साथ रहने वाला युवक आकाश उसका बेटा है। सुषमा ने अपने पहले पति को छोड़ दिया था, जिसके बाद वह गुंजन के संपर्क में आई। दोनों यहां आकर लिव-इन में रहने लगे और फैक्ट्री में मजदूरी करते थे। लगभग डेढ़ महीने पहले आकाश यहां अपनी मां के पास रहने के लिए आया था। गुंजन शराब के नशे में सुषमा के साथ मारपीट करता था। वह आकाश को यहां रखने का विरोध करता था। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा भी होता था। इसलिए ही मां बेटे ने मिलकर उसकी हत्या की। मृतक गुंजन ने 25 फरवरी की रात को भी शराब के नशे में सुषमा के साथ मारपीट की। दोनों के बीच काफी बहस हुई। उसने सुषमा व आकाश को मकान से निकाल दिया। वह दोनों रात को ही बाहर चले गए, लेकिन देर रात दोनों यह सोचकर वापस आ गए कि गुंजन अब सो गया होगा। वह हंगामा नहीं करेगा। लेकिन जब वह दोनों पहुंचे तो गुंजन जाग गया और फिर से शराब के नशे में उन्हें गालियां देने लगा। विवाद बढ़ गया और आकाश ने उसके गले पर पहले चाकू से वार किया। फिर दोनों ने मिलकर परने से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और वहां से फरार हो गए। मृतक गुंजन लगभग दस वर्ष पहले अपने गांव से यहां पर आया था। वह फैक्ट्री में मजदूरी करता था।

हरियाणा बजट कर्ज और झूठे वादों का दस्तावेज : विरेंद्र नरवाल

एजेंसी

हिसार। आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय प्रभारी विरेंद्र नरवाल ने हरियाणा के बजट पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा पेश किया गया बजट 2026-27 असल में विकास का नहीं, बल्कि कर्ज और झूठे वादों का दस्तावेज है। विरेन्द्र नरवाल ने कहा कि सरकार दावा कुछ और करती है, जबकि हकीकत कुछ और बयां कर रही है। राज्य पर 3.5 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज बताया जा रहा है, लेकिन वास्तविक बोझ करीब 5 लाख करोड़ के आसपास है। इससे भी ज्यादा शर्मनाक यह है कि सरकार की लगभग 34 प्रतिशत आमदनी उधार से आएगी और बजट का करीब 30 प्रतिशत, यानी लगभग 67,000 करोड़ रुपए केवल पुराने कर्ज की किस्तें चुकाने में उड़ जाएगा। यह विकास नहीं, कर्ज का मेला है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय प्रभारी विरेंद्र नरवाल ने कहा कि 2024 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने हरियाणा की हर महिला को बिना किसी शर्त 2100 रुपए मासिक देने का वादा किया था। आज वही सरकार बजट में लाडो लक्ष्मी

योजना के लिए केवल 6500 करोड़ रुपए रखकर अपने वादे से साफ पलट गई है। यदि करीब 1 करोड़ महिलाओं को 2100 रुपए प्रति माह देना हो तो सालाना लगभग 22 हजार करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी लेकिन बजट के आंकड़े खुद बता रहे हैं कि सरकार के पास महिलाओं के लिए न नीयत है और न ही पर्याप्त निधि। अभी तक केवल लगभग 9 लाख महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है। यह महिलाओं के सम्मान का नहीं, उनके भरोसे के साथ खिलवाड़ का बजट है।

सरकार ने 18 योजनाओं का बजट घटाया : रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा सरकार के साल 2026-27 के बजट के आंकड़ों पर सवाल उठाए हैं। चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, गर्भवती महिलाओं, लाडो लक्ष्मी योजना की लाभार्थी बहनों, किसानों और युवाओं के कल्याण की योजनाओं के बजट को बहुत अधिक काट दिया गया है। कपास उत्पादक किसानों के साथ धोखा किया गया है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि राज्य पर 3 लाख 94 हजार 551 करोड़ का कर्ज है। इसमें सार्वजनिक कंपनियों व बिजली सेक्टर का डेढ़ लाख करोड़ का कर्ज शामिल नहीं है। 12 साल से भाजपा सरकार हर रोज 74 करोड़ तथा हर घंटे तीन करोड़ आठ लाख का कर्ज ले रही है। एक मिनट में पांच लाख 14 हजार का कर्ज लिया जा रहा है। राज्य के प्रत्येक व्यक्ति के सिर पर एक लाख 40 हजार 911 रुपये का कर्ज है। रणदीप सुरजेवाला ने 98 से 100 प्रतिशत बजट खर्च होने के सीएम के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के फिजिकल हेल्थ इंडेक्स में हरियाणा 14वें स्थान पर

है, जबकि बिहार 13वें स्थान पर है। बुजुर्गों की पेंशन की मद में इस बार 2730 करोड़ का बजट काटा गया है, जबकि विधवा पेंशन की मद में 685 करोड़ की राशि काटी गई है। दिव्यांगजनों की पेंशन की मद में 136 करोड़, दुर्घटना सहायता योजना की मद में 86 प्रतिशत बजट, सीएम मातृत्व योजना में 33 प्रतिशत बजट काट दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में 18 सामाजिक योजनाओं का बजट काटा गया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना का लाभ राज्य की 95 लाख महिलाओं को देने का वादा भाजपा ने किया था, लेकिन सिर्फ 9 प्रतिशत को लाभ दिया। महिलाओं को हर माह अपने जीवित होने का प्रमाण देने को कहा जा रहा है। पिछले साल 5000 करोड़ के बजट के मुकाबले सिर्फ 728 करोड़ दी, जबकि इस बार 6500 करोड़ का बजट रखकर आंखों में धूल झोंकी जा रही है। गरीबों के 12 लाख एक हजार बीपीएल राशनकार्ड काट दिए गए हैं।

विकसित हरियाणा की मजबूत नींव रखता ऐतिहासिक बजट: बडौली

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को विकसित हरियाणा की दिशा में मजबूत आधार बताया। सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा वित्त मंत्री के रूप में प्रस्तुत दो लाख 23 हजार 658 करोड़ रुपये का बजट प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं और सुझावों पर आधारित सशक्त दस्तावेज है। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में 10.28 प्रतिशत अधिक है, जो आर्थिक सुदृढ़ता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 से जनता के सुझावों के आधार पर बजट तैयार करने की परंपरा शुरू की गई। इस वर्ष 13 बैठकों के माध्यम से 2,199 सुझाव प्राप्त हुए, जबकि एआई चैटबॉट के जरिये 12 हजार 400 सुझाव मिले। इनमें से लगभग पांच हजार सुझावों को बजट में शामिल किया गया, जो जनसहभागिता का उदाहरण है। बड़ौली ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद तीन गुना बढ़कर 4.37 लाख करोड़ रुपये से 13.67 लाख करोड़ रुपये हो गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजस्व घाटा तथा प्रभावी राजस्व घाटे में कमी आना कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत केंद्रीय करों में हरियाणा के हिस्से में 24.52 प्रतिशत वृद्धि को उन्होंने बड़ी उपलब्धि बताया। विश्व बैंक द्वारा हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट, वाटर सिक्योर हरियाणा तथा प्रस्तावित हरियाणा एआई मिशन को स्वीकृति मिलना प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है। एआई मिशन के तहत एक लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। बजट सत्र में लिए गए 12 प्रमुख निर्णयों में हरियाणा एग्री डिस्कॉम की स्थापना, 3 लाख किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन, अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 15,200 रुपये प्रतिमाह, हरियाणा ग्रीन क्लाइमेट रेजिलिएंस फंड़ तथा हांसी को मॉडल जिला बनाना शामिल है।

हरियाणा पुलिस ने शुरू किया 'ऑपरेशन आक्रमण-21'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने प्रदेशभर में चलाए गए 'ऑपरेशन आक्रमण-21' के तहत सख्त कार्रवाई की है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि दो मार्च से शुरू हुए ऑपरेशन के अंतर्गत प्रदेशभर में 7471 पुलिसकर्मियों की 1460 टीमों द्वारा एक साथ रेड की गई। इस दौरान भारतीय न्याय संहिता, एनडीपीएस, एक्साइज और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत 461 मुकदमें दर्ज करके 1048 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई राज्य को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में हरियाणा पुलिस की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि होली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया है, ताकि आमजन सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में पर्व मना सकें। आबकारी अधिनियम के तहत 299 एफआईआर दर्ज कर 293 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 1539 बोतलें अंग्रेजी शराब, 1970 बोतलें देसी शराब, 1051 बोतलें बीएलएल, 6048 बोतलें बीआईएल, 292 बीयर

की बोतलें और 8276 लीटर लाहन बरामद की। एनडीपीएस अधिनियम के तहत 46 एफआईआर दर्ज कर 41 आरोपियों को काबू किया गया। पुलिस ने 25.189 किलो गांजा, 500 ग्राम अफीम, 191 ग्राम हेरोइन, 5.050 किलो अफीम भूसा, 34.64 ग्राम स्मैक, 306 ग्राम चरस, 332.18 ग्राम सुल्फा, 390 नशीली गोलियां और 135 कैप्सूल बरामद किए। यह कार्रवाई राज्य को नशामुक्त बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करती है। आर्मस एक्ट के तहत 19 एफआईआर दर्ज कर 16 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के कब्जे से 20 देसी कट्टे और 11 कारतूस बरामद किए गए। यह अभियान अपराधियों की कमर तोड़ने और संभावित वारदातों को रोकने में प्रभावी साबित होगी। पुलिस ने 61 उद्घोषित अपराधी (पीओ), 101 बेल जंपर, 5 मोस्ट वांटेड, एक इनामी अपराधी, एक साइबर अपराधी और एक जघन्य अपराधी सहित कुल 67 अपराधियों को गिरफ्तार किया।

पंजाब चुनाव के लिए हरियाणा के हितों की बलि : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब के आगामी चुनावों को देखते हुए हरियाणा के हितों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि चुनावी रणनीति के कारण हरियाणा के अधिकारों और आवश्यकताओं को बलि चढ़ाया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री हरियाणा की समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय अधिक समय पंजाब में व्यतीत कर रहे हैं, जबकि राज्य के महत्वपूर्ण मुद्दे उपेक्षित पड़े हैं। उन्होंने विशेष रूप से सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले अनेक वर्षों से हरियाणा के बजट में एसवाईएल नहर के लिए अलग से राशि का प्रावधान किया जाता रहा है, जो राज्य के किसानों और जल अधिकारों से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। परंतु इस वर्ष के बजट में एसवाईएल के लिए कोई पृथक प्रावधान नहीं किया गया है, जो हरियाणा के हितों के साथ अन्याय है। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन के बाद हरियाणा में विधानसभा सदस्यों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिसके मद्देनजर नई विधानसभा भवन की आवश्यकता स्वाभाविक है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने न तो बजट में नई विधानसभा के निर्माण के लिए कोई राशि निर्धारित की है और न ही इस विषय का कोई उल्लेख किया है। यह दर्शाता है कि सरकार दूरदर्शिता और गंभीरता से काम नहीं कर रही। सांसद कुमारी सैलजा ने प्रश्न उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी चुनावी लाभ के लिए हरियाणा के अधिकारों और भविष्य की आवश्यकताओं की अनदेखी कर रही है।

NAME CHANGE

I, Dheeraj Thakran S/o Ram Kumar Thakran R/o Patti Pachiya, Village - Jharsa, Gurgaon, Gurgaon, Haryana - 122001 have changed the name of my Minor Daughter Preya aged 10 years and she shall hereafter be known as Preyashi

जियो को दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य

टेलीकॉम सेक्टर में एआई केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के एक ग्रुप अे धिकारी ने बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में बताया कि कंपनी आने वाले समय में दुनिया का पहला बड़ा टोकन सर्विस प्रोवाइडर बनने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम सेक्टर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) केवल एक अपग्रेड नहीं, बल्कि बड़ा बदलाव है। जो कंपनियां एआई को तेजी से अपनाएंगी, वही भविष्य में सफल होंगी। ग्रुप अे धिकारी के अनुसार, टेलीकॉम इंडस्ट्री में पहले कमाई कॉल मिनट्स से होती थी, फिर डेटा से। अब भविष्य में यह मॉडल टोकन आधारित हो सकता है। जियो इस नए मॉडल को अपनाने और टोकन इकोनॉमी का हिस्सा बनने में अग्रणी बनना चाहता है। उनका कहना है कि कंपनी केवल टोकन पाइप बनने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि टोकन बनाने और पूरे टोकनोमिक्स सिस्टम में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। उन्होंने कहा कि जियो ने पहले भी भारत में कम कीमत पर सेवाएं देने में सफलता हासिल की है। कंपनी के पास 52.5 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं और डेटा की कीमत लगभग 9 सेंट प्रति जीबी है, जो दुनिया में सबसे कम है। भविष्य में जियो टोकन आधारित सेवाओं को भी कम कीमत पर उपलब्ध कराना चाहता है। एआई के आने के बाद टेलीकॉम नेटवर्क और डिजिटल डिवाइस पूरी तरह बदल जाएंगे। जियो सिर्फ इंटरनेट कनेक्टिविटी देने वाली कंपनी नहीं बनना चाहता, बल्कि एआई इकोसिस्टम का अहम हिस्सा बनना चाहता है। इसके लिए कंपनी एक इंटेलिजेंस आर्किटेक्चर तैयार कर रही है, जिसमें भरोसेमंद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और स्मार्ट डिवाइस मुख्य भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा` कि 2026 तक दुनिया में एआई पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा निवेश होने की उम्मीद है, जिसमें बड़े टेक प्लेटफॉर्म्स लगभग 810 बिलियन डॉलर खर्च करेंगे। एआई के आने से नई अर्थव्यवस्था और नए कारोबार के अवसर पैदा होंगे। स्केलबल टोकन एआई में जानकारी की छोटी इकाई है।

कतर से एलएनजी सप्लाई में संकट, सीएनजी हो सकती है महंगी

- कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों से उत्पादन अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच कतर की एलएनजी सुविधाओं पर ईरानी ड्रोन हमलों के कारण उत्पादन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। रस लाफान और मेसईद स्थित एनएनजी संयंत्रों में हमलों के बाद कतरएनर्जी ने बताया कि एलएनजी और उससे जुड़े उत्पादों का उत्पादन फिलहाल बंद है। भारत हर साल लगभग 27 मिलियन टन एनएनजी आयात करता है, जिसमें से करीब 40 प्रतिशत गैस कतर से आती है। पेट्रोनेट एलएनजी के कतर से 8.5 मिलियन टन की लंबी अवधि की खरीद समझौता भी प्रभावित हुआ है। सुरक्षा कारणों से जहाज कतर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं और पेट्रोनेट एलएनजी ने कतरएनर्जी को फोर्स मेजर नोटिस जारी किया है। सप्लाई संकट के कारण शहर गैस कंपनियों और सीएनजी वितरण में लगभग 40 प्रतिशत तक कटौती हुई है। शहर गैस कंपनियों के संगठन एसीई ने सरकारी कंपनी गैल को पत्र लिखकर चिंता जताई है। अगर सस्ती कतर गैस की जगह महंगी स्पॉट मार्केट गैस खरीदनी पड़ी तो सीएनजी और शहर गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्पॉट मार्केट में एलएनजी की कीमत बढ़कर लगभग 25 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट हो गई है, जो लंबे अनुबंध की कीमत से दोगुनी है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से

गुजरने वाला यह मार्ग दुनिया के करीब एक-तिहाई समुद्री तेल और 20 प्रतिशत एलएनजी निर्यात के लिए अहम है। भारत के लिए भी यह मार्ग महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के लगभग 50 प्रतिशत कच्चे तेल और 54 प्रतिशत एलएनजी इसी रास्ते से आते हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव से भारत में रसोई गैस संकट की आशंका

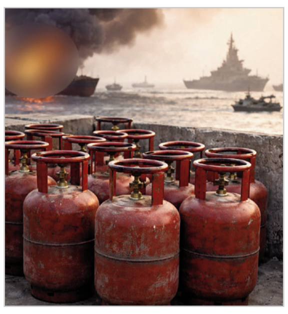

- भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और तनाव के कारण भारत में रसोई गैस (एलपीजी)की आपूर्ति पर खतरा पैदा हो गया है। खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण गैस से भरे कई जहाज स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के पास फंस गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मार्च में आने वाले एलपीजी जहाज जल्द भारत के लिए रवाना नहीं होते हैं, तो देश में रसोई गैस की गंभीर कमी हो सकती है। इसका सीधा असर करोड़ों परिवारों पर पड़ सकता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी खरीदार है और अपनी 90 प्रतिशत से अधिक जरूरतें पश्चिम एशिया से पूरी करता है। हाल के वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी लंबी अवधि का समझौता किया है, लेकिन वहां से आने वाली मात्रा अभी कम है और भाड़ा अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर अभी अमेरिका से एलपीजी खरीदी भी जाए, तो वह अप्रैल से पहले भारत नहीं पहुंच पाएगी। बाजार विश्लेष्कों के अनुसार भारत के पास एलपीजी के लिए अन्य सप्लायर खोजने के विकल्प सीमित हैं। कुछ अतिरिक्त गैस अमेरिका, रूस या अर्जेंटीना से मिल सकती है, लेकिन मात्रा कम होगी और यह वैश्विक कीमतों और जहाजों की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। सरकारी अधिकारियों के अनुसार भारत के पास फिलहाल एलपीजी का लगभग 30 दिनों का भंडार मौजूद है। यदि खाड़ी क्षेत्र में तनाव लंबे समय तक बना रहा, तो सप्लाई पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने सरकार के साथ आपात योजना पर चर्चा की है। देश की सबसे बड़ी एलएनजी आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से आने वाली गैस पर फोर्स मेजर घोषित किया है, जिससे ग्राहकों को मिलने वाली गैस में करीब 50 प्रतिशत कटौती हुई है।

तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक लगभग आठ हफ्तों का है, इसलिए तेल की तत्काल कमी की संभावना कम है। हालांकि, अगर समुद्री मार्ग लंबी अवधि तक बंद रहे, तो तेल सप्लाई भी प्रभावित हो सकती है।

वाहन बिक्री में उछाल, फरवरी 2026 में 26 फीसदी बढ़ी

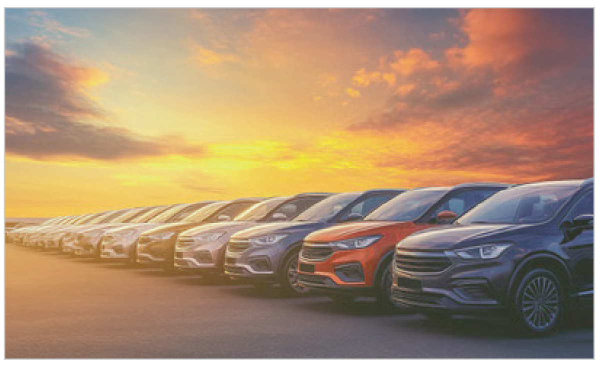

कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी

नई दिल्ली ।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने गुरुवार को बताया कि फरवरी 2026 में भारत में वाहनों की घरेलू खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। कुल बिक्री 24,09,362 इकाई रही, जो फरवरी 2025 में 19,17,934 इकाई थी। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधार, बेहतर मांग और बाजार का भरोसा सभी श्रेणियों के बेहतर प्रदर्शन के प्रमुख कारण रहे। शहरी और ग्रामीण बाजारों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। दोपहिया वाहनों की बिक्री 17,00,505 इकाई रही, जो पिछले साल 13,60,155 इकाई थी, यानी 25 फीसदी वृद्धि। तिपहिया वाहनों की बिक्री में 24 फीसदी, यात्री वाहनों में 26 फीसदी और वाणिज्यिक वाहनों में 29 फीसदी की वृद्धि हुई। यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल के 3,13,015 इकाई से बढ़कर 3,94,768 इकाई तक पहुंच गई। अे धिकारी ने बताया कि छह में पांच श्रेणियों ने अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। शहरी बाजारों में बिक्री 21 फीसदी बढ़ी, जबकि ग्रामीण बाजारों में 34 फीसदी का उछाल देखा गया। ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि खासतौर पर छोटी कारों और दोपहिया वाहनों की मजबूत मांग को दर्शाती है। फाडा ने बताया कि ग्रामीण नकदी में सुधार (अच्छी फसल के बाद), आकर्षक विपणन योजनाएं और जीएसटी संशोधनों के बाद बेहतर मूल्य निर्धारण ने बिक्री में बढ़ोतरी में मदद की। अे धिकारी ने कहा कि यह आंकड़ा पूरे वाहन उद्योग के लिए उत्साहजनक संकेत है और यह दर्शाता है कि बाजार में मांग लगातार मजबूत बनी हुई है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच कच्चा तेल 83 डॉलर प्रति बैरल के पार

- देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। दरअसल इरान द्वारा रणनीतिक समुद्री मार्ग स्ट्रेट आफ होमुर्ज को बंद किए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस मार्ग से दुनिया के बड़े हिस्से में तेल की सप्लाई होती है, इसलिए इसके बंद होने का असर तुरंत बाजार पर दिखाई दिया। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में इंटरकान्टीनेंटन एक्सचेंज पर बेंचमार्क क्रूड का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.43 प्रतिशत बढ़कर 83.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं न्यूयार्क मर्केल्टाइल एक्सचेंज (एनवाईमेक्स) पर वेस्ट इंटरमी डियट क्रूड आयल का अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2.63 प्रतिशत बढ़कर 76.63 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक कंटेनर जहाज पर

प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे जहाज को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद तेल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है, जिसके चलते बाजार में कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ सकता है। अनुमान है कि यदि कच्चे तेल की कीमत पूरे वर्ष के लिए प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ती है, तो भारत का आयात बिल करीब 16,000 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। हालांकि सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत फिलहाल अपेक्षाकृत सुरक्षित स्थिति में है। देश के पास लगभग 25 दिनों का कच्चे तेल का भंडार और करीब 25 दिनों के पेट्रोलियम उत्पादों का स्टॉक मौजूद है, जिसमें समुद्र मार्ग से आ रहा तेल भी शामिल है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इनमें से लगभग 50 प्रतिशत तेल मिडिल ईस्ट के देशों से आता है। हालांकि हाल के वर्षों में भारत ने रसिया, यूनाइटेड स्टेट अऔर अफ्रीकी देशों से आयात बढ़ाकर ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की है।

टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें करेगी लॉन्च

नईदिल्ली । साल 2026 में टाटा मोटर्स तीन नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट, टाटा अविन्या और टाटा सिएरा ईवी शामिल हैं। ये तीनों मॉडल अलग-अलग सेगमेंट को टारगेट करते हैं किफायती हैचबैक, प्रीमियम कॉन्सेप्ट-बेस्ड एसयूवी और मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी। इन लॉन्च से देश का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार और मजबूत होगा, खासतौर पर तब जब ई-केंद्रित और तकनीकी रूप से एडवांस्ड वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। टाटा टियागो ईवी फेसलिफ्ट देश की लोकप्रिय किफायती इलेक्ट्रिक हैचबैक का अपडेटेड वर्जन होगा। स्पाई तस्वीरों के अनुसार, इसमें नए डिजाइन वाली लाइट्स, अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, रिवाइज्ड बंपर और नई टेललाइट्स देखने को मिलेंगी। संभव है कि इसमें बड़ा बैटरी पैक मिले, जिससे रेंज 250-300 किमी तक पहुंच सकती है। सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और बेहतर इंफोटेनमेंट जैसे फीचर्स इसे और आकर्षक बनाएंगे। यह शहर में रोजमर्रा की ड्राइविंग के लिए एक बेहतर विकल्प बनेगी। वहीं, टाटा अविन्या कंपनी की प्रीमियम ईवी लाइनअप का हिस्सा होगी, जो जेन-3 प्लेटफॉर्म पर आधारित है। इसके 2026 के मध्य तक बाजार में आने की उम्मीद है।

चीन ने घटाया आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य, घरेलू मांग बढ़ाने योजना लागू

- वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया यह फैसला

बीजिंग । चीन ने इस साल अपनी आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य घटाकर 4.5 से 5 फीसदी कर दिया है। यह पहला मौका है जब पिछले तीन वर्षों तक लगातार 5 फीसदी का लक्ष्य रखने के बाद सरकार ने इसे संशोधित किया। यह कदम वैश्विक और घरेलू आर्थिक दबावों के बीच लिया गया है। अमेरिका द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने चीन की निर्यात-आधारित वृद्धि पर दबाव डाला है। पिछले साल निर्यात मजबूत रहने के बावजूद घरेलू खपत धीमी रही, जिससे आर्थिक संतुलन चुनौतीपूर्ण हो गया। चीन की संपत्ति बाजार में मंदी और धीमी घरेलू मांग ने सरकार को वृद्धि लक्ष्य घटाने पर मजबूर किया। देश का जीडीपी पिछले साल 5 फीसदी की दर से बढ़कर 20.01 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचा। प्रीमियर ली कियांग ने नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि इस साल सरकार का लक्ष्य 4.5-5 फीसदी जीडीपी वृद्धि लगभग 5.5 फीसदी शहरी बेरोजगारी, 1.2 करोड़ से अधिक नए शहरी रोजगार और 2 फीसदी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वृद्धि हासिल करना है। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण निवासियों की आय बढ़ाने के लिए नई योजना लागू की जाएगी। इसके तहत 250 अरब युआन (36.17 अरब डॉलर) के विशेष ट्रेजरी बॉन्ड और 100 अरब युआन का विशेष राजकोषीय-वित्तीय समन्वय कोष घरेलू मांग विस्तार के लिए बनाया जाएगा।

न्यूयॉर्क न्यायालय ने ट्रंप टैरिफ रद्द किए, कंपनियों को रिफंड का आदेश

वाशिंगटन । न्यूयॉर्क के संघीय न्यायाधीश रिचर्ड ईटन ने कहा कि जो कंपनियां पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द किए गए आयात शुल्क का भुगतान कर चुकी हैं, वे अब रिफंड की हकदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि राष्ट्रपति*डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आईईईपीए (अंतरराष्ट्रीय आपातकाल आर्थिक शक्ति कानून) के तहत लगाए गए शुल्क असंवैधानिक थे। न्यायाधीश ईटन ने कहा कि वह केवल आईईईपीए शुल्क के रिफंड से जुड़े मामलों की सुनवाई करेंगे। इस फैसले से कंपनियों को रिफंड प्रक्रिया में स्पष्टता मिली है, जो सुप्रीम कोर्ट के 20 फरवरी के फैसले में नहीं दी गई थी। यह फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए कानूनी और वित्तीय चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। कंपनियों के लिए यह राहत है, क्योंकि अब वे पहले भुगतान किए गए भारी शुल्क वापस प्राप्त कर सकेंगे।

एनएचएआई प्रायोजित आरआईआईटी का 6,000 करोड़ का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इंफ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) ने अपने पहले आईपीओ के लिए 99-100 रुपए प्रति यूनिट का मूल्य दायरा तय किया है। कुल आईपीओ का आकार 6,000 करोड़ रुपये तक है। सार्वजनिक निवेशक के लिए आवेदन 11 मार्च से खुलेंगे और 13 मार्च को बंद होंगे। एंकर निवेशकों के लिए बोली 10 मार्च को लगेगी। इस इन्विट का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग संपत्तियों की मौद्रिकरण क्षमता का लाभ उठाना है। यह मुख्य रूप से खुदरा और घरेलू निवेशकों को लक्षित करता है और दीर्घकालिक उच्च गुणवत्ता वाला निवेश विकल्प प्रदान करता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पहल राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। निवेशकों को एक स्थिर और दीर्घकालिक रिटर्न का अवसर मिलेगा, जबकि एनएचएआई अपनी संपत्तियों को प्रभावी ढंग से मौद्रीकृत कर पाएगा।

तांबे की कीमतें घटकर 1,224 रुपए प्रति किलो पहुंची

नई दिल्ली । गुरुवार को घरेलू हाजिर बाजार में मांग सुस्त रहने के कारण तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में अप्रैल डिलीवरी के लिए तांबा 6.25 रुपये या 0.51 प्रतिशत घटकर **1,224 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। तांबे के वायदा कारोबार में कुल 208 लॉट का लेन-देन हुआ। कारोबारियों ने कहा कि वायदा बाजार में कीमतों पर दबाव देखा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि उपभोक्ता उद्योगों की ओर से घरेलू मांग कमजोर होने के कारण तांबे की कीमतों में कमी आई। बाजार में सुस्त मांग और निवेशकों की सतर्कता ने वायदा कारोबार को प्रभावित किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर जेएम फाइनेंशियल ने बाय रेटिंग बरकरार रखी

नई दिल्ली ।

जेएम फाइनेंशियल ने रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक का टारगेट प्राइस 1,730 रुपए तय किया है, जो वर्तमान कीमत 1,345 रुपए से करीब 29 फीसदी ऊपर है। इसका मतलब है कि निवेशकों को शेयर में अपसाइड रिटर्न का मौका मिल सकता है। शेयर इस हफ्ते लगभग 4 फीसदी गिरा है और पिछले एक महीने में करीब 8 फीसदी की कमजोरी देखी गई। बुधवार को शेयर 1,345 रुपए पर बंद हुए। गुरुवार सुबह बीएसई पर शेयर 1,383.30 रुपए पर 2.81 फीसदी बढ़त के साथ खुले, जो कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत है। ब्रोकरेज के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली शेयर में गिरावट के मुख्य कारण रहे। द्ववदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 में 21.1 फीसदी थी, जो मार्च 2021 में 28.3 फीसदी थी। इसी वजह से शेयर की कीमत ब्रोकरेज के बेयर केस वैल्यूएशन 1,275 रुपए के करीब आ गई। कच्चे तेल और एलएनजी की कीमत में वृद्धि से रिलायंस के ऑयल-टू-केमिकल्स (ओ2सी) कारोबार पर नकारात्मक असर नहीं होगा। इसके अलावा डीजल मार्जिन और पेट्रोकेमिकल कारोबार के मार्जिन में सुधार की संभावना है। मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन के कारण कंपनी को निकट अवधि में फायदा होने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

संसेक्स 899, निफ्टी 285 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 285.40 अंक उछलकर 24,765.90 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी डिफेंस शेयरों के कारण आई है। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.55 फीसदी बढ़ है जबकि निफ्टी मेटल 2.29 फीसदी), निफ्टी पीएसई 2.22 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 2.21 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.10 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 2.05 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 1.92 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी आईटी इंडेक्स ही 0.59 फीसदी टूटकर बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 867.40 फीसदी की तेजी के साथ 57,792.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 257.30 अंक बढ़कर 16,538.80 पर था। आज कारोबार के दौरान संसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एनटीपीसी, बीईएल, इंडिगो, एमएंडएम, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, ट्रेंट, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल सबसे अधिक लाभ वाले शेयर थे। वहीं टेक महिंद्रा, एचसीएल , एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, टीसीएस, आईटीसी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार शेयर बाजार

में तेजी निचले स्तरों पर निवेशकों की खरीदारी से आई है। निवेशकों ने मेटल, सरकारी शेयरों और इन्फ्रा से जुड़े शेयरों में काफी खरीदारी की है। इसके अलावा, वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण भी घरेलू बाजार उछला है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बीच बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। बाजार को हैवीवेट शेयरों में आई खरीदारी से समर्थन मिला। सुबह संसेक्स 79,530 अंक पर खुला। इससे पहले बुधवार को संसेक्स 79,116 अंक पर बंद हुआ था। । इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ खुला। निफ्टी-50 24,615 अंक के स्तर पर खुला और सुबह की शुरुआत के बाद यह 76.75 अंक की बढ़त के साथ 24,572 अंक पर कारोबार कर रहा था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई बाजारों की मजबूती और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार की शुरुआत को सकारात्मक बनाया। हालांकि, निवेशकों की नजर अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी बनी हुई है। खासकर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा की है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल भी बाजार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में जनवरी में बड़ी गिरावट

- सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती

नई दिल्ली । जनवरी 2026 में दुनिया के केंद्रीय बैंकों की सोना खरीद में अचानक गिरावट देखने को मिली। पिछले 12 महीनों में औसतन हर महीने लगभग 27 टन सोना खरीदा जा रहा था, लेकिन जनवरी में यह आंकड़ा घटकर केवल 5 टन रह गया। विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और कुछ मौसमी कारणों के चलते केंद्रीय बैंकों ने इस बार सावधानी बरती। इस दौरान उज्बेकिस्तान सबसे बड़ा खरीदार बना। देश के केंद्रीय बैंक ने 9 टन सोना खरीदा, जिससे कुल भंडार बढ़कर 399 टन हो गया। अब देश के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 86 फीसदी तक पहुंच गई है, जबकि 2020 में यह सिर्फ 57 फीसदी थी। बाजार के विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम उज्बेकिस्तान की मुद्रा सुरक्षा और भंडार स्थिरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मलेशिया के केंद्रीय बैंक ने भी 3 टन सोना खरीदा। इसके साथ ही देश का कुल सोना भंडार 42 टन हो गया, जो उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार का लगभग 5 फीसदी है। यह मलेशिया की 2018 के बाद पहली सोना खरीद है, जो संकेत देती है कि देश अपने भंडार में विविधता और सुरक्षा बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने जनवरी में 1 टन सोना खरीदा। यह लगातार 15वें महीने की खरीद है। इसके चलते चीन के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी लगभग 10 फीसदी के करीब पहुंच गई है। चीन की यह निरंतर खरीदारी वैश्विक बाजार में स्थिरता और लंबे समय तक निवेश की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। वहीं रूस इस दौरान सबसे बड़ा विक्रेता रहा। रूस के केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार से 9 टन सोना बेच दिया। इसके अलावा बुल्गारिया ने यूरो अपनाने के बाद 2 टन सोना यूरोपीय सेंट्रल बैंक को ट्रांसफर किया। केडिया एडवाइजरी के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपया दबाव में रह सकता है और यूएसडी/आईएनआर का स्तर 94.20 तक पहुंच सकता है। मजबूत डॉलर, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका-भारत के ब्याज दरों का अंतर रुपये पर दबाव डाल सकता है।

निफ्टी में दबाव जारी, निवेशकों में बढ़ी सावधानी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं से दबाव में खुला। निफ्टी पूरे कारोबारी सत्र में सीमित दायरे में ही रहा। दिन भर हल्की रिकवरी की कोशिशों के बावजूद निफ्टी 24,480.50 के स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद के मुकाबले लगभग 1.55 फीसदी की गिरावट है। बाजार के अधिकांश प्रमुख सेक्टर कमजोर रहे। मेटल, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में तेज बिकवाली देखने को मिली। इसके विपरीत, आईटी सेक्टर ने कुछ मजबूती दिखाई। मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 2 फीसदी से अधिक टूटे जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई। बाजार का दबाव कई कारकों से बना। वैश्विक बाजारों से नकारात्मक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितता निवेशकों के भरोसे को प्रभावित कर रही हैं। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और रुपये में उतार-चढ़ाव ने बाजार की धारणा को कमजोर किया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के अनुसार निफ्टी का 24,600 सपोर्ट टूटना चिंता का संकेत है। उनका कहना है कि अब अगला बड़ा सपोर्ट 24,050 के आसपास है। यदि बाजार में सुधार होता है, तो 24,600-24,800 का दायरा मजबूत रेजिस्टेंस बन सकता है। इंडिया वीआईएक्स में 50 फीसदी से अधिक उछाल ने बाजार में बढ़ती घबराहट को भी दर्शाया।

राज्यसभा चुनाव 2026: बदलते समीकरण, नंबर गेम और बिहार की पांचवीं सीट पर सियासी शतरंज

कांतिलाल मांडोत

राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

साल 2026 का राज्यसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए केवल नियमित संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन के पुनर्निर्धारण का वर्ष साबित हो सकता है। राज्यसभा की कुल 245 सीटों में से लगभग 72 से 75 सीटें वर्षभर में विभिन्न चरणों में रिक्त हो रही हैं। मार्च में 37 सीटों पर चुनाव प्रस्तावित हैं, जबकि शेष सीटों पर अप्रैल, जून, जुलाई और नवंबर में चुनाव होंगे। इन चुनावों का सीधा असर केंद्र की विधायी रणनीति और विपक्ष की प्रभावशीलता पर पड़ेगा, क्योंकि उच्च सदन में बहुमत का समीकरण कई महत्वपूर्ण विधेयकों की दिशा तय करता है।

फरवरी 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सदन में भाजपा के पास 103 सीटें, कांग्रेस के पास 27, तृणमूल कांग्रेस के 12, आम आदमी पार्टी के 10, द्रमुक के 10, बीजद के 7, वाईएसआरसीपी के 5 और अन्नाद्रमुक के 7 सदस्य हैं। सात सदस्य नामित श्रेणी में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की कुल ताकत लगभग 121 के आसपास मानी जा रही है, जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक करीब 80 सीटों के साथ मौजूद है। मौजूदा विधानसभा संरचनाओं को देखते हुए अनुमान है कि एनडीए को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ मिल सकता है, जिससे उसकी संख्या 140 के पार जा सकती है। इसके विपरीत, विपक्षी गठबंधन को लगभग पांच सीटों का नुकसान संभव है।

मार्च में जिन 37 सीटों पर चुनाव होंगे, वे महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना से संबंधित हैं। इन राज्यों की विधानसभा संरचना ही परिणामों का आधार बनेगी।

राज्यसभा के चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के वोट से होते हैं। प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और विधायकों की कुल संख्या के आधार पर 'कोटा' तय किया जाता है। सूत्र है–कुल विधायक संख्या को (सीटें + 1) से भाग देकर उसमें एक जोड़ दिया जाता है। यही न्यूनतम मत संख्या है, जो किसी उम्मीदवार को प्रथम वरीयता के आधार पर जीत के लिए चाहिए।

बिहार का उदाहरण इस गणित को स्पष्ट करता है। वहां विधानसभा में 243 सदस्य हैं और इस चरण में पांच सीटों पर चुनाव होना है। सूत्र के अनुसार 243 को 6 से भाग देने पर 40.5 आता है, उसमें एक जोड़ने पर कोटा 41.5 बनता है, जिसे व्यावहारिक रूप से 42 माना जाता है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं। इस आधार पर वह चार सीटें सहजता से जीत सकता है, क्योंकि 202 को 42 से भाग देने पर चार पूर्ण कोटे बनते हैं। इसके बाद उसके पास 38 वोट शेष रहते हैं। पांचवीं सीट के लिए उसे कम से कम तीन अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए। यही वह बिंदु है, जहां सियासी रणनीति और क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं अहम हो जाती हैं।

बिहार में एनडीए के घटक दलों में भाजपा के 89 और जदयू के 85 विधायक हैं। इसके अतिरिक्त लोजपा (रामविलास), हम और अन्य सहयोगियों को मिलाकर संख्या 202 तक पहुंचती है। दूसरी ओर महागठबंधन में राजद के 25, कांग्रेस के 6 और वामदलों के तीन विधायक हैं। इनके अलावा पांच विधायक एआईएमआईएम और एक विधायक बसपा का है, जो किसी खेमे में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हैं। महागठबंधन की कुल संख्या 35 है, जो एक सीट के लिए भी पर्याप्त नहीं। यदि विपक्ष एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन जुटा ले, तब भी उसे कोटा पूरा करने के लिए अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता रहेगी। इसीलिए बिहार में पांचवीं सीट का मुकाबला केवल गणित नहीं, बल्कि राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल का प्रश्न बन गया है।

एनडीए की रणनीति स्पष्ट है कि वह चार सुनिश्चित सीटों के बाद पांचवीं पर भी दांव लगाए। इसके लिए बसपा के विधायक, महागठबंधन से जुड़े कुछ असंतुष्ट चेहरों या निर्दलीय समर्थन पर नजर है। वहीं विपक्ष भी यह समझता है कि यदि वह एकजुट होकर एक ही उम्मीदवार उतारे और अतिरिक्त समर्थन सुनिश्चित करे तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। किंतु यदि विपक्षी खेमे से एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में आते हैं, तो प्रथम वरीयता के वोटों के बंटवारे से एनडीए को लाभ मिल सकता है।

राष्ट्रीय स्तर पर भी यही गणित कई राज्यों में दोहराया जा रहा है। महाराष्ट्र में हालिया विधानसभा परिणामों ने एनडीए को बढ़त दी है, जिससे वहां अतिरिक्त सीट मिलने की संभावना है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश में भी क्षेत्रीय दलों की बदली ताकत का असर दिख सकता है। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में विधानसभा में भाजपा की स्थिति मजबूत होने से विपक्ष की सीटें घट सकती हैं। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में सीमित नुकसान की आशंका भी जताई जा रही है, परंतु कुल मिलाकर संतुलन एनडीए के पक्ष में झुकता दिखाई देता है।

इन चुनावों का एक मानवीय और प्रतीकात्मक पहलू भी है। कई वरिष्ठ नेताओं का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। कुछ के लिए पुनर्निर्वाचन कठिन प्रतीत हो रहा है, क्योंकि उनकी पार्टियों की विधानसभा शक्ति घटी है। राज्यसभा अक्सर उन नेताओं के लिए मंच रही है जो प्रत्यक्ष चुनाव नहीं लड़ते, किंतु राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहते हैं। यदि विधानसभा गणित अनुकूल न रहा, तो कई अनुभवी चेहरों की वापसी असंभव हो सकती है। यह बदलाव केवल संख्या का नहीं, बल्कि संसदीय विमर्श की दिशा का भी संकेत होगा।

सत्य आकलन यह दशार्ता है कि राज्यसभा का चुनाव पूर्णतः अंकगणितीय प्रक्रिया है, किंतु राजनीति इसे जीवंत बना देती है। जहां संख्या स्पष्ट है, वहां परिणाम लगभग तय होते हैं; जहां अंतर कम है, वहां रणनीति निर्णायक हो जाती है। 2026 का परिदृश्य बताता है कि एनडीए अपनी बढ़त को और मजबूत करने की स्थिति में है, जबकि विपक्ष को समन्वित रणनीति और आंतरिक एकता पर अधिक ध्यान देना होगा। विशेषकर बिहार जैसे राज्यों में पांचवीं सीट का संघर्ष यह सिद्ध करेगा कि भारतीय संसदीय राजनीति में एक-एक विधायक का महत्व कितना अधिक है।

अंततः, राज्यसभा के ये चुनाव केंद्र सरकार की विधायी क्षमता, विपक्ष की प्रतिरोध शक्ति और क्षेत्रीय दलों की सौदेबाजी क्षमता–तीनों को प्रभावित करेंगे। यदि अनुमान सही साबित होते हैं और एनडीए 145 के आसपास पहुंचता है, तो उच्च सदन में उसकी स्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ होगी। इसके विपरीत, विपक्ष को अपनी राजनीतिक रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ेगा। इस प्रकार 2026 का राज्यसभा चुनाव केवल सीटों का फेरबदल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के अगले अध्याय की प्रस्तावना है।

संपादकीय

परमाणु रिसाव हुआ तो...

ईरान युद्ध में परमाणु रिसाव के खतरे बढ़ते जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) का मानना है कि अमरीका और इजरायल जिस तरह बमबारी कर रहे हैं, मिसाइल-ड्रोन से हमले किए जा रहे हैं, उनसे परमाणु केंद्रों पर चिंताजनक स्थितियां बनती जा रही हैं। हालांकि अभी आईएईए ने किसी भी तरह के परमाणु विकिरण की पुष्टि नहीं की है और न ही ऐसे संकेत हैं, लेकिन परमाणु रिसाव की संभावनाओं से इंकार भी नहीं किया है। आईएईए ने आपात बैठक भी की है, क्योंकि ईरान के राजनयिक रेजा नजाफी ने दावा किया था कि अमरीकी-इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमला किया है, जबकि उन केंद्रों में शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा पर काम किया जा रहा है। अब बमबारी के बाद परमाणु रिसाव का खतरा पैदा हो गया है। आईएईए ने ईरान सरकार के संबद्ध अधिकारियों से बात की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि परमाणु विकिरण फैल सकता है। यदि परमाणु रिएक्टर ह्यमेल्टडाउनह्न हुआ, तो 10 करीबी देशों में भी परमाणु खतरा पैदा हो जाएगा। फारस की खाड़ी में भी विकिरण पहुंचेगा और बड़े स्तर पर पानी जहरीला और जानलेवा हो सकता है। जलीय जीव तो मरेंगे ही, उनके अलावा मनुष्य में कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों का ज्यादा विस्तार होगा। यदि ईरान के परमाणु केंद्रों से रिसाव शुरू हुआ, तो सभी खाड़ी देश उसके दायरे में होंगे। कई अरब देशों के परमाणु रिएक्टर खतरनाक स्थितियों में हैं। ईरान ही नहीं, इराक, सीरिया, बहरीन, कुवैत आदि देशों में भी परमाणु साइट्स हैं। क्या वे परमाणु कार्यक्रम उन देशों के अपने और घोषित, वैध कार्यक्रम हैं अथवा अमरीका के परमाणु उपनिवेश हैं? यह दायित्व आईएईए का है। अमरीका ने इन देशों के परमाणु केंद्रों पर आपत्ति दर्ज नहीं की और न ही किसी हमले की धमकियां दीं! क्या ये ह्यसंहारी संयंत्रह्न नहीं हैं? अलबत्ता आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा है कि हमारे पास ऐसे किसी हमले की जानकारी नहीं है। फिर आपात बैठक में क्या विमर्श किया गया? फिर अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने चिंताजनक स्थितियां किस आधार पर आंकी थीं?

अमरीका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने फिर दोहराया है कि ईरान परमाणु बम बनाने में जुटा है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का बयान भी सामने आया है कि हम परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएंगे। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के बयान आए थे कि वे यूक्रेन को परमाणु हथियार मुहैया कराने पर विचार कर रहे हैं। ये बड़े देश विनाश की ओर अग्रसर क्यों हो रहे हैं? इस संदर्भ में गौरतलब है कि ओमान की मध्यस्थता से जिनेवा में अमरीका और ईरान के बीच बातचीत के जो दौर हुए थे, उनमें ईरान यूरेनियम संवर्द्धन को 3-5 फीसदी तक कम करने को तैयार हो गया था। उस स्थिति में ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। आईएईए का एक अनुमान है कि यदि ईरान के इस्फहान, नतांज, बुशहर परमाणु संयंत्रों से विकिरण की नौबत आ गई, तो कमोबेश 20 देशों के करीब 51 करोड़ लोग उस खतरे के दायरे में होंगे। बहरहाल जिनेवा वार्ता एक ढकोसला थी और अमरीका-इजरायल ईरान पर हमला करने की योजना बहुत पहले बना चुके थे और उनकी खुफिया एजेंसियां उस पर काम कर रही थीं। अमरीका-इजरायल और ईरान, सभी खाड़ी देशों समेत, जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर अमरीकी एटम बम बरसाने और उनके बाद की त्रासद स्थितियों को भूले नहीं होंगे।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीड़ितों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

झूठ पर गढ़े गए युद्ध के निराधार और भ्रामक दावे

डॉ हिदायत अहमद खान

बातचीत के दौरान एक झूठ का सहारा लेकर इजराइल और अमेरिका ने जिस तरह से ईरान पर हमला किया, उसी वक्त तनाव के बीच का संघर्ष मानों बेलगाम युद्ध में तब्दील हो गया। अब पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध केवल मिसाइलों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, इसके समानांतर एक और खतरनाक युद्ध लड़ा जा रहा है, वह है सूचना और दुष्प्रचार की जंग। जब युद्ध के मैदान में धुआँ उठता है, तब अक्सर सच्चाई धुंध में छिप जाती है और अफवाहें, आधे-अधूरे तथ्य तथा झूठी खबरें जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैलने लगती हैं। भीड़ या समूह को भड़काने में इसका बेजा इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल हाल ही में एक अमेरिकी समाचार चैनल द्वारा यह दावा किया गया कि ईरान पर हमले के लिए अमेरिकी नौसेना भारतीय बंदरगाहों का उपयोग कर रही है। भारत के विदेश मंत्रालय ने तुरंत इस खबर का खंडन करते हुए इसे पूरी तरह झूठा और निराधार बताया। यह घटना बताती है कि युद्ध के समय भ्रामक सूचनाएँ किस प्रकार देशों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा कर सकती हैं। दरअसल, अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष पहले ही बेहद संवेदनशील मोड़ पर पहुंच चुका है। हजारों लोगों की जान जा चुकी है और युद्धविराम की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे माहौल में अगर किसी तीसरे देश को बिना किसी प्रमाण के युद्ध से जोड़ दिया जाए, तो उसके गंभीर कूटनीतिक और रणनीतिक परिणाम हो सकते हैं। भारत के संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लंबे समय से पश्चिम एशिया में संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति अपनाता रहा है। भारत के ईरान, इजरायल और अमेरिका तीनों ही देशों से महत्वपूर्ण संबंध हैं। ऐसे में इस प्रकार के निराधार दावे भारत की तटस्थ और संतुलित नीति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास भी हो सकते हैं। खासतौर पर तब जबकि ईरान पर हमले से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे को लेकर तरह-तरह के भ्रामक दावे किए गए, बाद में इस पर भी स्पष्टीकरण आया और सभी दावे अफवाहें साबित हो गए। बहरहाल युद्ध के दौरान दुष्प्रचार का इस्तेमाल करना कोई नई बात नहीं है। इतिहास गवाह है कि युद्ध के समय प्रचार और मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ सैन्य हथियारों जितनी ही महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं। आज डिजिटल युग में यह प्रवृत्ति और अधिक खतरनाक हो गई है, क्योंकि सोशल मीडिया और 24 घंटे चलने वाले कुछ समाचार चैनलों के कारण गलत जानकारी पलक झपकते ही दुनिया भर में फैल जाती है। कई बार तो ये खबरें बिना तथ्य के जांचे-परखे प्रसारित कर दी जाती हैं, जिससे भ्रम और अविश्वास का माहौल बन जाता है।

वर्तमान संघर्ष के संदर्भ में भी यही स्थिति दिखाई दे रही है। अमेरिकी नेतृत्व ने दावा किया है कि उसके सैन्य अभियान ने ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया है और ईरान द्वारा किए जा रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों में भारी कमी आई है। वहीं दूसरी ओर ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है और क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सच्चाई का सही आकलन करना कठिन हो गया है, क्योंकि हर पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक कथा प्रस्तुत कर रहा है। इस युद्ध के व्यापक भू-राजनीतिक प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। पश्चिम एशिया की अस्थिरता का असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल और गैस के व्यापार तथा समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। चीन और रूस जैसे देश भी इस स्थिति को लेकर सतर्क दिखाई दे रहे हैं। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का निर्णय इसी व्यापक रणनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इसका अर्थ तो यही हुआ कि यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अमेरिका के भीतर भी इस युद्ध को लेकर बहस तेज हो गई है। एक तरफ कुछ आलोचकों का मानना है कि बिना कांग्रेस की अनुमति के सैन्य कार्रवाई करना संवैधानिक सीमाओं को चुनौती देने जैसा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ ने इसे सही कदम बताया है। यह विवाद दशार्ता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में युद्ध केवल सैन्य या कूटनीतिक मुद्दा नहीं होता, बल्कि राजनीतिक और कानूनी विमर्श का भी विषय बन जाता है।

इन सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती यह है कि सूचना की विश्वसनीयता कैसे सुनिश्चित की जाए। जब समाचार और दुष्प्रचार के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब जनता के लिए सही और गलत में फर्क करना कठिन हो जाता है। इसलिए सरकारों, मीडिया संस्थानों और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों की पुष्टि के बिना किसी भी सूचना को स्वीकार न करें। भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा झूठे दावों का तुरंत खंडन करना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। यह दशार्ता है कि आज के दौर में केवल सैन्य या कूटनीतिक तैयारी ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सूचना युद्ध से निपटने के लिए भी सतर्क और सक्रिय रहना आवश्यक है। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध का सबसे बड़ा शिकार केवल सैनिक या नागरिक नहीं होते, बल्कि सच भी होता है। जब झूठ और दुष्प्रचार को हथियार बना लिया जाता है, तब वैश्विक शांति और स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडराने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय न केवल युद्ध को रोकने के प्रयास करे, बल्कि सूचना के क्षेत्र में भी जिम्मेदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा दे। तभी दुनिया को झूठ पर गढ़े गए युद्धों और उनके खतरनाक परिणामों से बचाया जा सकेगा।

बंद होते हवाई अड्डे: हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

निर्मल रानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दशार्ता है।इसी मकसद से उड़ान योजना की शुरूआत की गयी थी। UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर-2 और टियर-3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160-162 तक हो गयी। इनमें से उड़ान योजना के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10-12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु अंतर्राष्ट्रीय शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट,आजमगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर,छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया,कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ़्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ़्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन-ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878-900 करोड़ रुपए खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल UDAN एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया AAI के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक़्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र सफ़ेद हाथी बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करें जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बबार्दी नहीं है? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

बहरहाल देश में लगातार बंद होते जा रहे नव सांचालित हवाई अड्डे इस निष्कर्ष पर तो पहुँचने के लिये काफी हैं कि हवाई चप्पल वालों को हवाई यात्रा करने का जो लोकलुभावन ढिंढोरा पीटा जा रहा था वह फिलहाल हवा हवाई साबित होता जा रहा है।

पहलगाम हमले का जिक्र : पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद बेनकाब

जेनेवा (एजेंसी)। यूएनओसीटी के वार्षिक संबोधन के दौरान भारत ने अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का मुद्दा उठाया। इस हमले को द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने अंजाम दिया था, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक चेहरा है। इस कायराना हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। भारत ने इस उदाहरण के जरिए दुनिया को बताया कि कैसे आतंकवादी संगठन अपने सहयोगियों के साथ मिलकर निर्दोषों को निशाना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कहा कि हमें आईएसआईएस और अल कायदा और उनके सहयोगियों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करनी होगी। भारत ने बहुपक्षीय सहयोग के लिए एक केंद्रीय साधन के रूप में वैश्विक आतंकवाद विरोधी रणनीति के महत्व पर जोर दिया। भारत जीसीटीएस की 9वीं समीक्षा के लिए परामर्श में सक्रियता से हिस्सा लेगा और इस प्रक्रिया में वार्ता के दौरान सह-सहायकों फिनलैंड और मोरक्को को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। भारत ने कहा कि न्यूयॉर्क और दुनिया भर में भारत की सभी पहल हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं, जिसमें 'दिल्ली घोषणा' भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने कहा कि आतंक फैलाने के उद्देश्य से संचालित गतिविधियों में नयी और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला करने के मुद्दे पर 'दिल्ली घोषणा' एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। आतंकवादी उद्देश्यों में नयी एवं उभरती प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का मुद्दा कई सदस्य देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अक्टूबर 2022 में भारत की अध्यक्षता में गठित सुरक्षा परिषद की आतंकवाद-विरोधी समिति (सीटीसी) ने 'आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग का मुकाबला' विषय पर नई दिल्ली और मुंबई में एक विशेष बैठक का आयोजन किया था।

जंग का दिखने लगा असर : तेल संकट के कारण म्यांमार में ऑड-ईवन राशनिंग सिस्टम लागू

यांगून (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण युद्ध और हॉर्मुज जलसंधि के पूरी तरह बंद होने का असर अब दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों पर भी दिखने लगा है। म्यांमार की सैन्य सरकार (जुंटा) ने देश में ईंधन की भारी किल्लत को देखते हुए निजी वाहनों के लिए एक कड़े राशनिंग सिस्टम की घोषणा की है। नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी काउंसिल (एनडीएससी) के मुताबिक, वैश्विक राजनीतिक अस्थाईत्व और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के कारण आगामी 7 मार्च 2026 से पूरे देश में नया ईवन-ऑड लाइसेंसिंग नियम लागू कर दिया जाएगा। इस नियम के तहत सम (ईवन) नंबर वाली गाड़ियां केवल सम तारीखों पर और विषम (ऑड) नंबर वाली गाड़ियां केवल विषम तारीखों पर ही सड़क पर उतर सकेंगी। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की बात यह है कि इलेक्ट्रिक वाहनों और ई-मोटरसाइकिलों को इस प्रतिबंध से पूरी तरह छूट दी गई है। मिडिल ईस्ट में ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई ने वैश्विक शिपिंग लागत को आसमान पर पहुंचा दिया है, जिससे एशियाई बंदरगाहों की ओर आने वाले तेल टैंकरों की आवाजाही ठप हो गई है। म्यांमार अपनी ईंधन जरूरतों के लिए मुख्य रूप से सिंगापुर और मलेशिया के रिफाइंड तेल पर निर्भर है, जो मध्य पूर्व से आने वाले कच्चे तेल के क्षेत्रीय प्रसंस्करण केंद्र हैं। सप्लाई चेन टूटने से म्यांमार के कमर्शियल हब यांगून समेत कई इलाकों में पहले से ही बिजली कटौती और महंगाई का बोझ झेल रहे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि लाइसेंस प्लेट के आधार पर गाड़ियों का संचालन शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर देगा, क्योंकि यहां लोग परिवहन के लिए निजी कारों पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ईंधन का यह संकट सीमावर्ती इलाकों में और भी गंभीर हो गया है। म्यावाडी जैसे शहरों में फ्यूल सप्लाई खत्म होने के कारण स्थानीय स्टेशन बंद करने पड़े हैं, जिससे लोग ईंधन भरवाने के लिए पड़ोसी देश थाईलैंड के माई सोट स्थित गैस स्टेशनों पर लंबी कतारें लगाने को मजबूर हैं। सैन्य सरकार ने इस स्थिति में कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त चेतावनी जारी की है कि जो भी व्यक्ति या व्यवसायी अधिक कीमत पर बेचने के उद्देश्य से ईंधन जमा करेगा, उस पर मुकदमा चलाया जाएगा। गौरतलब है कि म्यांमार 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद से ही आंतरिक गृहयुद्ध और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा है। अब वैश्विक ऊर्जा संकट ने देश की चरमराती अर्थव्यवस्था और आम जनता की दैनिक चुनौतियों को एक नए और खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है।

सऊदी-पाक रक्षा समझौते के बीच गहराया क्षेत्रीय युद्ध का संकट, जाल में फंस गया है पाकिस्तान?

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच भड़क रही युद्ध की चिंगारी अब धीरे-धीरे समूचे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले रही है। रणनीतिक विशेषज्ञों के बीच अब यह आशंका प्रबल हो गई है कि इस भीषण संघर्ष की आग जल्द ही पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंच सकती है। इस संभावित खतरे की जड़ में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुआ वह ऐतिहासिक सुरक्षा समझौता है, जो अब पाकिस्तान के लिए गले की फांस बनता नजर आ रहा है। सितंबर 2025 में दोनों देशों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते (एसएमडीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत किसी भी एक देश पर होने वाले हमले को दोनों देशों पर हमला माना जाना तय हुआ था। इस समझौते की प्रकृति ऐसी है कि यदि कोई बाहरी शक्ति सऊदी अरब की संप्रभुता को चुनौती देती है, तो पाकिस्तान सैन्य रूप से उसकी रक्षा करने के लिए बाध्य है। वर्तमान परिदृश्य में ईरान द्वारा सऊदी अरब के विभिन्न शहरों, रिफाइनरियों और तेल प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले किए जा रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, पाकिस्तान को अब तक सक्रिय सैन्य भूमिका में होना चाहिए था, लेकिन हकीकत इसके उलट दिख रही है।

कनाडा के पीएम कार्नी बोले- कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को लेकर एक बड़ा बयान दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ओटावा में गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे युद्ध में कनाडा की सैन्य भागीदारी की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता है।यदि परिस्थितयां जंग वाली हुई तो कुछ भी हो जाए हम जंग लड़ने से पीछे नहीं हट सकते। उनकी यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इससे पहले उन्होंने एक बयान में कहा था कि संघर्ष को जन्म देने वाले कुछ अमेरिकी-इजरायली हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे से बाहर प्रतीत होते हैं। हालांकि, अब उनके रुख में आया यह बदलाव क्षेत्र में बदलती सैन्य परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहा है।

ईरान के प्रति अपनी सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए मार्क कार्नी ने कहा कि मध्य पूर्व में अस्थिरता और आतंकवाद का मुख्य स्रोत ईरान ही है। उन्होंने ईरान के मानवाधिकार रिकॉर्ड की कड़ी आलोचना करते हुए जोर दिया कि उसे किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार विकसित करने या प्राप्त करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कार्नी के अनुसार, कनाडा और उसके अंतरराष्ट्रीय साझेदार लगातार ईरान से अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह समाप्त करने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन की चर्चाओं और पिछले वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा फिर से लागू किए गए कड़े प्रतिबंधों का हवाला देते हुए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी मार्क कार्नी ने इसी तरह का एकजुट रुख दिखाया। दोनों नेताओं ने मध्य पूर्व में बढ़ती शत्रुता को कम करने की अपील तो की, लेकिन साथ ही ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया। कनाडा के इस कड़े रुख से संकेत मिल रहे हैं कि यदि ईरान और इजरायल के बीच तनाव और अधिक बढ़ता है, तो कनाडाई सेना पश्चिमी गठबंधन के साथ मिलकर प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई का हिस्सा बन सकती है। यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में पश्चिमी देशों की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है।

कल्पना से भी परे था खामेनेई को मारने का प्लान, कैमरे हैक किए फिर एआई से ली मदद

तेलअवीव। इजराइल ने खामेनेई और सीनियर ईरानी अधिकारियों को ट्रैक करने के लिए तेहरान के ट्रैफिक कैमरे हैक कर लिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और दूसरे बड़े अधिकारियों के बॉडीगार्ड पर नजर रखने के लिए तेहरान के बड़े ट्रैफिक कैमरा नेटवर्क में घुसपैठ की थी। ये कैमरे मोसाद ने हैक कर लिए थे और खामेनेई की हर मूवमेंट पर नजर रखी जा रही थी।ईरान में लगे कैमरों को देश के सर्विलांस सिस्टम का हिस्सा माना जाता है। ईरान के इन कैमरों का इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों और सरकार के विरोधियों की पहचान करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए किया जाता है। हालांकि, इजरायल की मोसाद इन कैमरों को ईरानी सरकार के खिलाफ मोड़ने में कामयाब रही। रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल को सालों पहले कैमरों का एक्सेस मिला और उसने पाया कि एक खास कैमरा इस तरह से एंगल पर लगा था कि उससे पता चलता था कि खामेनेई की सिक्योरिटी टीम के सदस्य अपनी कारें कहां पार्क करते हैं। कैमरों के जरिए इजरायली इंटेलिजेंस मोसाद ने गार्ड्स के पते, काम के शेड्यूल और उन्हें किसकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया गया था.. इन सब पर फाइलें तैयार कीं। इसके अलावा इजरायल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान की पाश्चर स्ट्रीट पर सेलुलर सर्विस भी रोक दी थी, जहां सुप्रीम लीडर खामेनेई की हत्या हुई थी। ऐसा इसलिए किया गया ताकि जो लोग बॉडीगार्ड तक पहुंचने और संभावित चेतावनी देने की कोशिश करते, उन्हें बिजी सिग्नल मिलता। एक इज़राइली इंटेलिजेंस अधिकारी ने बताया, 'हम तेहरान को वैसे ही जानते थे जैसे हम यरुशलम को जानते हैं। अधिकारी ने आगे कहा, 'और जब आप किसी जगह को उतनी ही अच्छी तरह जानते हैं जितनी आप उस गली को जानते हैं जहां आप पले-बढ़े हैं, तो आप एक भी चीज को नोटिस करते हैं जो जगह से हटकर है।यह भी पता चला है कि इजरायल ने ईरान के नेतृत्व और उनकी गतिविधियों पर जमा हो रहे डेटा के ढेरों को छांटने के लिए एआई टूल्स और एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया। डेटा ने उन्हें खामेनेई को शनिवार की मीटिंग तक ट्रैक करने में मदद की, जहां सुप्रीम लीडर की मीटिंग खत्म हुई थी। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया कि यूनाइटेड स्टेट्स की सीआईए के पास एक ह्यूमन सोर्स भी था जिसने ज़रूरी इंटेलिजेंस दी।

यूएस कर्नल का दावा- भारतीय बेस से हो रहे ईरान पर हमले, एमईए ने दावों को किया खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच चल रहा भीषण संघर्ष अब अपने छठे दिन में प्रवेश कर चुका है। इस युद्ध की तपिश अब कूटनीतिक गलियारों से होते हुए बयानों और दावों के युद्ध तक पहुँच गई है। हाल ही में अमेरिका के एक पूर्व कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला दावा किया कि मध्य पूर्व में स्थित अमेरिका के सभी सैन्य ठिकाने ईरानी हमलों में तबाह हो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब ईरान पर नए सिरे से हमले करने के लिए अमेरिका को भारतीय बंदरगाहों और सैन्य अड्डों की मदद लेनी पड़ रही है। हालांकि, भारत सरकार ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि ये खबरें पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत हैं। मंत्रालय ने ऐसी भ्रामक टिप्पणियों के खिलाफ चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि भारत की नीति अपनी धरती पर किसी भी विदेशी सैन्य अड्डे की अनुमति न देने की रही है। भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की है। इस बीच, युद्ध के मोर्चे पर स्थिति और अधिक हिंसक हो गई है। मंगलवार रात हिंद महासागर में एक बड़ी घटना घटी, जहाँ एक अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस को टॉरपीडो से उड़ा दिया। इस भीषण हमले में 87 ईरानी नाविकों की मौत हो गई। इसके जवाब में ईरान ने बृहस्पतिवार तड़के इजरायल पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागीं और क्षेत्र के आर्थिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने की धमकी दी। इजरायली सेना ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं।

संकट के बीच भारत की मदद को आगे आया रूस, 95 लाख बैरल कच्चे तेल की खेप देने को तैयार

मास्को (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते सैन्य संघर्ष और तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से कच्चे तेल की आवाजाही का रास्ता बंद होने से भारत सहित दुनिया भर के देशों के लिए आपूर्ति शृंखला बाधित हो गई है। ऐसे में भारत के पुराने मित्र रूस ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए कच्चे तेल की खेप को भारत की ओर मोड़ने की तत्परता दिखाई है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, वर्तमान में भारतीय जलक्षेत्र के पास अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर लगभग 95 लाख बैरल रूसी कच्चा तेल मौजूद है, जिसे कुछ ही हफ्तों के भीतर भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचाया जा सकता है।

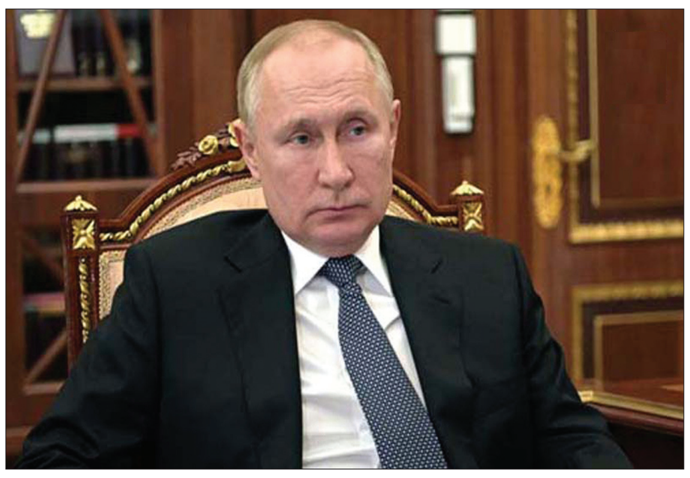

यह विकासक्रम भारत के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 50 प्रतिशत तेल मध्य पूर्व के देशों से आयात करता था। होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता के कारण यह मार्ग अब असुरक्षित हो गया है, जिससे शिपमेंट बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हालांकि जहाजों पर लदे इस रूसी तेल का मूल गंतव्य स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि गैर-रूसी बेड़े के जहाजों द्वारा ले जाए जा रहे इस माल को भारत की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए जल्दी से डायवर्ट किया जा सकता है।भारत की वर्तमान स्थिति की बात करें तो देश के पास अभी सीमित तेल भंडार मौजूद है। रिपोर्टों के अनुसार, भारत के पास कच्चे तेल का भंडार लगभग 25 दिनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त है। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल और पेट्रोलियम गैस जैसे रिफाइंड उत्पादों का स्टॉक भी लगातार कम हो रहा है। भारतीय रिफाइनरियां प्रतिदिन लगभग 5.6 मिलियन बैरल तेल को रिफाइन करती हैं, जिसका अर्थ है कि शिपिंग मार्गों में जरा सी भी लंबी रुकावट देश में ईंधन की भारी किल्लत पैदा कर सकती है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि नई दिल्ली ने वैकल्पिक आपूर्ति विकल्पों की तलाश तेज कर दी है, क्योंकि अंदेशा है कि मध्य पूर्व का यह संघर्ष अगले 10-15 दिनों तक और खिंच सकता है। इस अनिश्चितता के बीच रूस ने संकेत दिया है कि वह इस आपूर्ति अंतराल को पाटने के लिए पूरी तरह तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस संभावित रूप से भारत की कुल कच्चे तेल की जरूरतों का 40 प्रतिशत तक हिस्सा अकेले पूरा कर सकता है। यदि यह व्यवस्था सुचारू रूप से लागू होती है, तो वैश्विक संकट के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने में सफल रहेगा।

पाक आतंकवादी ने कोर्ट में किया खुलासा कहा- ट्रंप को मारने ईरान मुझे हायर किया था

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई नेताओं को मौत के घाट उतारे के लिए निकला एक पाकिस्तानी आतंकी पकड़ा गया है। इसने कोर्ट में खुलासा किया कि ईरान के जासूसों ने मुझे ट्रंप की हत्या करने के लिए कहा था। आरोपी आतंकवादी का नाम आसिफ मर्चेंट है। उसकी उम्र 47 साल है। उसने अदालत में बताया कि उसके परिवार को धमकी दी गई थी और उन्हें बचाने के लिए उसे इस साजिश में शामिल होना पड़ा। उसके पास कोई विकल्प नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी आसिफ मर्चेंट ने ब्रुकलिन की संघीय अदालत में जज के सामने कहा, 'मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था। मेरे परिवार को धमकी दी गई थी।' उसने कहा, 'उसने मुझे साफ-साफ नहीं बताया कि कौन है, लेकिन उसने तीन नाम लिए- डोनाल्ड ट्रंप, जो बाइडेन और निक्की हेली।' उस समय डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के प्रमुख उम्मीदवार थे। निक्की हेली साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर हैं। वह एक महीने पहले ही चुनावी दौड़ से बाहर हो गई थीं। उस पर दो अंडरकवर एफबीआई एजेंट्स, जो हिटमैन के रूप में काम कर रहे थे, को हमले के लिए 5,000 डॉलर देने का आरोप है। आरोपी मर्चेंट पहले एक बैंकर था और बाद में उसकी केला व्यापार की कंपनी फेल हो गई थी। उसने अदालत में बताया कि अप्रैल 2024 में उसके ईरानी जासूस हैंडलर ने उसे अमेरिका जाने और शायद किसी की हत्या करने का आदेश दिया था।आसिफ मर्चेंट को अगस्त 2024 में गिरफ्तार किया गया था और जिसने आतंकवाद और हत्या के लिए सुपारी देने के आरोपों से इनकार किया था। उसने दावा किया कि उसके जासूस हैंडलर ने उसे हत्या के साथ-साथ अज्ञात दस्तावेज चुराने का भी आदेश दिया था। उसके हैंडलर का नाम मेहरदाद यूसुफ बताया गया है, जो कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का सदस्य था।

आरोपी मर्चेंट ने कहा कि उसने साजिश में इसलिए साथ दिया क्योंकि यूसुफ ने उसके ईरान में रह रहे रिश्तेदारों पर दबाव बनाया था। उसने आगे दावा किया कि यूसुफ बिना बताए उसके ईरान स्थित घर के बाहर आया और मुलाकात के दौरान हथियार भी दिखाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मर्चेंट ने जज से कहा, 'मेरे परिवार को खतरा था और मुझे यह करना पड़ा।' एफबीआई की गुप्त सुरक्षा कैमरों ने जून 2024 में क्वींस के एक सस्ते होटल में आरोपी मर्चेंट को एक बैठक के दौरान एक रिपब्लिकन नेता की हत्या की योजना बनाते हुए रिकॉर्ड किया था।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की अंतिम विदाई की तारीख का ऐलान पर सस्पेंस

-तारीख टालने के पीछे सबसे बड़ा कारण लाखों लोगों की सुरक्षा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की अंतिम विदाई को लेकर सस्पेंस गहरा गया है। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक उनकी अंतिम रस्में गुरुवार को होनी थीं लेकिन सुरक्षा कारणों और इजराइली हमले की आशंका के मद्देनजर इसे टाल दिया गया है। प्रशासन जल्द ही अंतिम संस्कार की नई तारीखों का ऐलान करेगा। बता दें अली खामेनेई की मौत अमेरिका द्वारा उनके दफ्तर पर किए गए भीषण बमबारी में हुई थी। इस हमले में ईरान के कई अन्य शीर्ष नेता भी मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहले अमेरिका और इजराइल ने इसकी पुष्टि की जिसके बाद ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी आधिकारिक तौर पर उनके निधन और शहादत का ऐलान किया। खामेनेई के अंतिम संस्कार को टालने के पीछे सबसे बड़ा कारण लाखों लोगों की सुरक्षा है। 1989 में खुमैनी के जनाजे में करीब 1 करोड़ लोग जुटे थे। आशंका है कि खामेनेई की विदाई में भी लाखों लोग सड़कों पर उतरेंगे। ईरान को अंदेशा है कि इस विशाल शोक सभा के दौरान इजराइल हमला कर सकता है, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि हो सकती है। इसी वॉर रिस्क के चलते इस्लामिक डेवलपमेंट को-ऑर्डिनेशन काउंसिल ने कार्यक्रम आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। खामेनेई को ईरान के सबसे पवित्र शहरों में से एक मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। मशहद शब्द का अर्थ ही शहीद की जगह है। उन्हें इमाम रजा की पवित्र दरगाह के पास दफनाया जाएगा। ईरानी मीडिया और जनता उनकी मौत को शहादत मान रही है, इसलिए उन्हें पूरे राजकीय और धार्मिक सम्मान के साथ एक शहीद के रूप में दफनाया जाएगा। इस्लामिक प्रचार परिषद के मुताबिक अंतिम रस्में तेहरान की खुमैनी मस्जिद में आयोजित की जाएंगी। ये रस्में कुल 3 दिनों तक चलेंगी जिसके बाद पार्थिव शरीर को मशहद ले जाया जाएगा। फिलहाल तेहरान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरी दुनिया की नजरें नई तारीखों के ऐलान पर टिकी हैं।

कन्याकुमारी से 400 किमी दूर अमेरिकी हमले में ईरानी जहाज डूबा, 80 शव मिले

-द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुश्मन के जहाज को डुबोने की यह पहली घटना है

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अमेरिकी पनडुब्बी हमले के बाद डूबे एक ईरानी नौसैन्य जहाज से करीब 80 ईरानी नाविकों के शव बरामद हुए हैं। श्रीलंका ने पहले बताया था कि उसकी नौसेना ने बुधवार तड़के करीब 180 नाविकों को लेकर जा रहे आईरिस देना नामक ईरानी जहाज से 32 ईरानी नाविकों को बचाया। श्रीलंकाई नौसेना ने हालांकि इसकी वजह नहीं बताई कि जहाज ने आपातकालीन संदेश क्यों भेजा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया है। उन्होंने कहा कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से टॉरपीडो से दुश्मन के जहाज को डुबोने की पहली घटना है। ईरानी जहाज हाल ही में भारत द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय नौसैन्य अभ्यास में शामिल हुआ था। भारतीय नौसेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। हेगसेथ ने कहा कि एक अमेरिकी पनडुब्बी ने एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया, जिसे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सुरक्षित समझा जा रहा था, लेकिन उसे टॉरपीडो से डुबो दिया गया, जिस स्थान पर यह हमला हुआ है, वह भारत के कन्याकुमारी से महज 400 किमी दूर है।

श्रीलंकाई उप विदेश मंत्री अरुण चंद्रा ने कहा कि शव अब गॉल के करापिटिया अस्पताल में हैं। श्रीलंकाई नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया था कि कई शव उस स्थान के पास पाए गए थे, जहां से आपातकालीन संदेश भेजा गया था, हालांकि सटीक संख्या तत्काल पता नहीं चल पाई है। उन्होंने कहा कि इस समय कोई संख्या बताना मुश्किल है, लेकिन शव मिले हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारी टीम घटनास्थल पर पहुंचीं, तो हमने बड़ी मात्रा में तेल फैला हुआ देखा, जिससे यह संकेत मिला कि जहाज डूब चुका है। संपत ने पुष्टि की कि जहाज ईरानी था और बचाए गए चालक दल के सदस्य ईरानी नौसेना की वर्दी में थे।

हेराथ ने कहा कि बचाए गए नाविकों को नौसेना के दक्षिणी कमान मुख्यालय में ले जाया गया और बाद में गाले के करापिटिया अस्पताल में भर्ती किया गया। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिणी कमान के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का उल्लेख करते हुए हेराथ ने कहा कि श्रीलंका इस स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करता है और शांतिपूर्ण समाधान की अपील करता है।

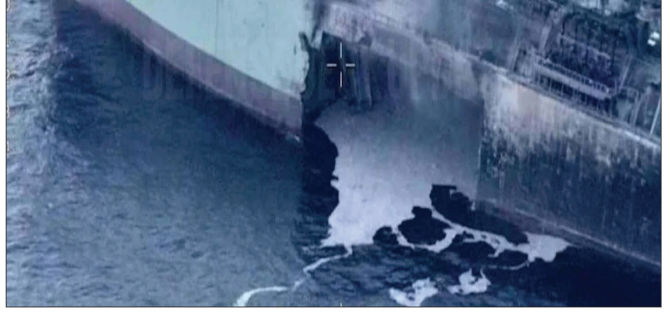

ग्लैमरस लुक के लिए

ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान रखना पड़ता है। समय से सोने, जागने, स्नान, ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यक्तित्व सामान्य से खास बन जाता है...

खूबसूरत दिखने की चाह हर स्त्री में होती हैं। आज की हर स्त्री अपने को खूबसूरत, अधिक से अधिक आकर्षक और ग्लैमरस दिखाना चाहती है। फैशन की होड़ में शामिल हर स्त्री अन्य सभी स्त्रियों को पीछे छोड़कर स्वयं आगे निकल जाना चाहती है। वह कुछ इस तरह सजना-संवरना चाहती है ताकि वही महफिल की शान बन सके। उसे जो देखे, वह देखता ही रह जाए। उसकी सुन्दरता की दाद दिये बिना वह न रह सके। यह भी सच है कि ग्लैमरस लड़कियां या किशोरियां ही आकर्षक भी लगती हैं।

ग्लैमर क्या है? इसके विषय में मतैक्य नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से इसे परिभाषित करते हैं। इसको लेकर सबकी अपनी अपनी और अलग-अलग सोच हैं। कभी साधारण नैन नक्शवाली सांवली सलोनी लड़कियां भी ग्लैमरस लगती हैं तो अति सुंदर और विशिष्ट अंगों वाली लड़कियां ग्लैमरस नहीं लगती। फैशनेबल, अंग दिखाऊ और उत्तेजक वस्त्रों को पहनकर कोई भी लड़की ग्लैमरस नहीं दिख सकती। अक्सर सामान्य लिबास में सजी अति साधारण लड़की भी अपने अन्य पूरक गुणों के आधार पर खास दिखाई देने लगती है और वह सबका मन मोह लेती है। ग्लैमरस दिखने या दिखाने के लिए देख, काल और अवसर के अनुसार परिधान धारण करना तथा उसी के अनुरूप मेकअप करना आवश्यक होता है। श्रृंगार में ज्वेलरी का अपना विशेष महत्व है इसलिए परिधान के अनुसार ही इसका चुनाव करना चाहिए। सादगी से किये गये श्रृंगार में रंगों का बड़ा ही महत्व होता है। साथ ही सलीके से पहना गया हो तो रौनक और बढ़ जाती है। एक लड़की के बालों का रबड़ बैंड टूटकर गिर गया। जब उसे मालूम हुआ तो उसने अपने रूमाल को स्टाइल से बालों में बांध लिया। वह चर्चा का विषय बन गई और काफी दिनों तक लड़कियां में बालों में रूमाल बांधने का स्टाइल चालू रहा। नमिता एक महत्वाकांक्षी लड़की है और एक कंपनी में काम करती है। उसे अपने रेशम से मुलायम और लहराते बालों पर बहुत नाज है और वह उन्हें सलीके से बांधे रखती है। उसे कंपनी के काम से दिन में कई जगह जाना पड़ता है। एक दिन वह किसी कंपनी में गई थी। वहां अचानक उसके बाल पता नहीं कैसे खुल गए। उसे सूझ नहीं रहा था कि अपने खुले बालों को कैसे संभाले। एकाएक उसके मन में एक युक्ति कौंधी और उसने फौरन अपनी ओढ़नी के एक छोर से बालों को बांध लिया और फिर स्टाइल से ओढ़नी ओढ़ ली। फिर क्या, मजबूरी में उसके द्वारा अपनाया गया यह स्टाइल औरों के लिए फैशन बन गया।

स्टाइल केवल परिधान या मेकअप में ही नहीं बल्कि बोलने के अंदाज, भाव भंगिमा, हंसने बोलने का तरीका, विनम्र स्वभाव, मीठी वाणी, परोपकार की भावना व सही समय पर की गई सही प्रतिक्रिया में भी होती है और ये आपको अति विशिष्ट बना देते हैं। ग्लैमरस दिखने के लिए अपनी दिनचर्या और खान-पान पर ध्यान करने, सदैव खुश रहने के प्रयास, अपने मिलने जुलने वाले को खुशी प्रदान करने आदि से आपका व्यक्तित्व सामान्य से खास बन जाता है।

ग्लैमर एक अदा है जिसे विभिन्न गुणों और अंदाज से मूर्त रूप दिया जा सकता है। ग्लैमरस दिखने के लिए सस्ते या महंगे परिधान या ज्वेलरी के चकाचौंध की जरूरत नहीं होती। अगर आपका अपना स्टाइल है तो आपको ग्लैमरस बनने से कोई नहीं रोक सकता। आपकी सादगी और मोहक अंदाज आपको ग्लैमरस बना सकते हैं।

ऐगलैस केक

सामग्री : दही 1 कप, मैदा डेढ़ कप, चीनी 1 कप, मीठा सोडा आधा छोटा चम्मच, बेकिंग पाऊडर 1 छोटा चम्मच, रिफाइंड ऑयल आधा कप, वनिला एसैंस 8-10 बूंदें।

विधि : दही में चीनी डालें। मैदे में बेकिंग पाऊडर डाल कर उसे कम से कम तीन बार छानें। अब दही चीनी के मिश्रण में मीठा सोडा डाल कर थोड़ा फैंटे। बुलबुले उठने पर इसमें रिफाइंड ऑयल डालें फिर इसमें 1-1 चम्मच मैदा डाल कर मिश्रण को हिलाते जाएं। अंत में वनिला एसैंस डाल कर पुन: मिला लें। केक टिन में रिफाइंड ऑयल लगा कर उस पर थोड़ा मैदा डालें। फिर सारा मिश्रण इसमें डाल दें। अब अवन को 250 डिग्री सैंटीग्रेड पर 10 मिनट तक गर्म करें फिर केक टिन इसमें रखें और 150 डिग्री सैंटीग्रेड तापमान 30 मिनट के लिए बेक करें।

घर में ही बनायें फेसपैक

आज बाजार में विभिन्न प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन उपलब्ध हैं जिन्हें अपनाकर महिलाएं जल्द से जल्द अपना सौंदर्य निखारना चाहती हैं मगर से सौंदर्य प्रसाधन कुछ समय तक ही चेहरे को ताजगी प्रदान करते हैं। कुछ समय बीतने के बाद इनका प्रभाव खत्म हो जाता है व चेहरे को इन सौंदर्य प्रसाधनों की जल्द आवश्यकता महसूस होने लगती है, फिर धीरे-धीरे यह एक आदत-सी बन जाती है। धनी महिलाओं के लिए तो यह सब उपयुक्त होता है मगर मध्यमवर्गीय परिवार की महिलाओं के लिए इनका खर्च वहन करना मुश्किल हो जाता है।

त्वचा पर स्थायी निखार लाने हेतु घर पर ही फेसपैक बनाएं तो कम खर्च में ही आप लाभान्वित हो सकेंगी।

- चिरौंजी को कच्चे दूध में पीस लें। इस पेस्ट को त्वचा पर नियमित लगाने से त्वचा मुलायम हो जाएगी।
- चेहरे को साफ करने के लिए पके केले को फेंट कर चेहरे पर मलें। इससे मृत कोशिकाएं बाहर आ जाएंगी व चेहरा साफ हो जाएगा।
- खीरे का रस, गुलाबजल और ग्लिसरीन को मिलाकर लेप बनाएं। इसे चेहरे पर लगा कर सूखने दें। सूखने के पश्चात पुन: फिर लगाएं व ताजे पानी से चेहरा धो लें। चेहरे पर कांति आएगी।
- बेसन व दही को मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर नियमित रूप से लगाएं। सूखने पर साफ पानी से साफ करें।
- चन्दन की लकड़ी को पत्थर पर घिस लें। इसनें गुलाबजल मिलाकर चेहरे पर आधे घंटे तक लगाएं। फिर ताजे पानी से धो लें। चेहरे पर अद्भुत निखार आएगा।
- टमाटर व नींबू के रस को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर नियमित रूप से प्रयोग करें। यह लेप भी आधे घंटे तक लगा रहने दें। इसके पश्चात् पानी से साफ करें।
- रोजाना सोने से पहले जैतून के तेल में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर मलें। चेहरे का रंग साफ होगा।
- एक चम्मच नींबू के रस में, दो चम्मच शहद मिलाकर गुनगुना करें। इसे एक घंटे तक चेहरे पर लगाने से पश्चात् चेहरा धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय समान्य रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। यात्रा योग हैं। शुभांक-5-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-2-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। कार्य सफल होगें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। शुद्ध गोचर का लाभ। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के किये कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्त्री का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-5-8

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2009

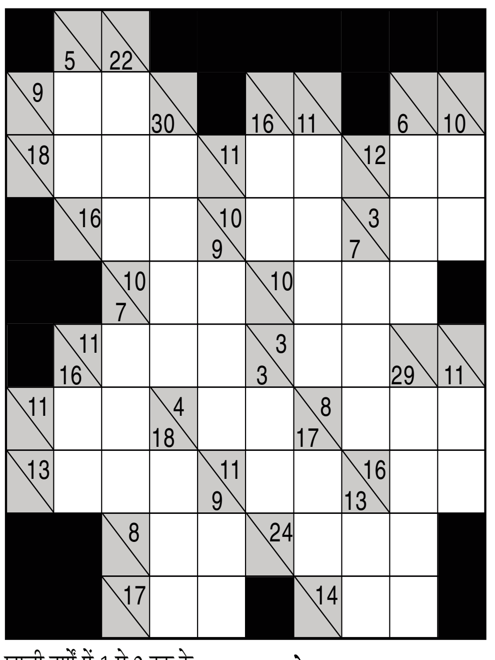

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

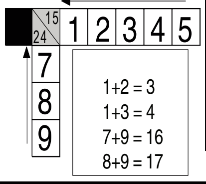

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2008 का हल

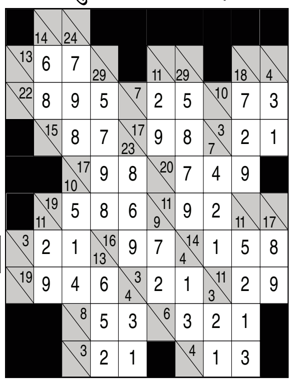

लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

□ □ □

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

□ □ □

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2009

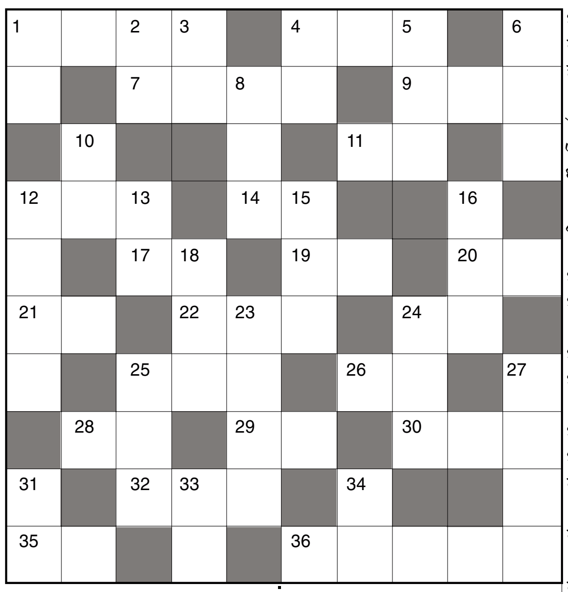

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2008

सूडोकु -2009

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2008 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली -2009

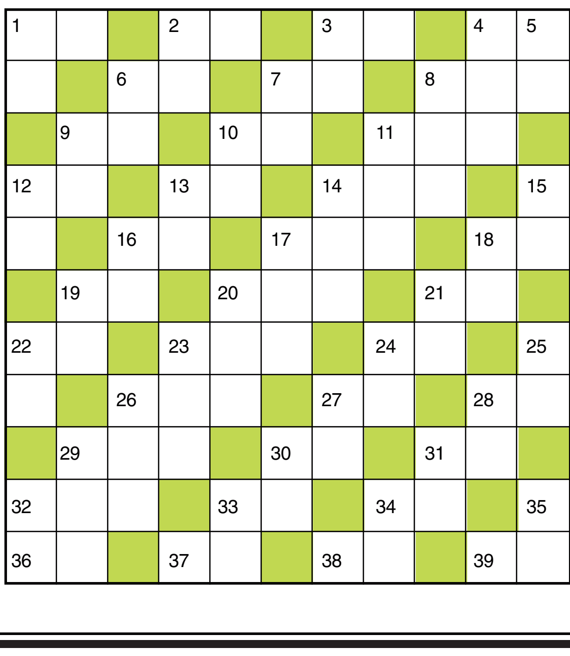

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -2008 का हल

स्पाइसजेट यूएई में फंसे भारतीयों को लाने के लिए 8 विशेष उड़ानें करेगी संचालित

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए निजी विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने अपनी कोशिशें तेज कर दी हैं। एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि वह आज संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 8 विशेष उड़ानों का संचालन करेगी। स्पाइसजेट इन 8 विशेष उड़ानों के जरिए यूएई के फूजैरा से भारत के विभिन्न प्रमुख शहरों के लिए अपनी सेवा प्रदान करने जा रही है, जिनमें दिल्ली के लिए 4 विशेष उड़ानें और मुंबई के लिए 4 उड़ानें संचालित करेगी। इसके अलावा स्पाइसजेट कोच्चि के लिए 1 उड़ान संचालित करेगी। इससे एक दिन पहले एयरलाइन ने 3 मार्च को 4 विशेष उड़ानें संचालित कीं थी। स्पाइसजेट ने कहा कि 4 मार्च से वह अपनी निर्धारित फुजैरा-दिल्ली और फुजैरा-मुंबई उड़ानें बहाल कर देगी। इस बीच एयर इंडिया एयरलाइन ने यूएई, सऊदी अरब, इजरायल और कतर से आने-जाने वाली अपनी ज्यादातर उड़ानें 4 मार्च की रात 23:59 बजे तक के लिए निलंबित कर दी हैं।

राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश, भारतीय सेना ने की गोलीबारी

राजौरी। राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पार करने की कोशिश कर रहे संदिग्ध आतंकवादियों पर भारतीय सेना ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह करीब 4.15 बजे संदिग्ध व्यक्तियों को तुरकंडी अग्रिम क्षेत्र से इस तरफ घुसपैठ करने की कोशिश करते देखा गया। एलओसी की सुरक्षा कर रहे सेना के जवानों ने घुसपैठ के प्रयास को विफल करने के लिए गोलीबारी की। अतिरिक्त बल क्षेत्र में भेजे गए हैं और व्यापक तलाशी अभियान जारी है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के आधार पर 04 मार्च की सुबह नियंत्रण रेखा के पास भीमबेर गली के सामान्य क्षेत्र में भारतीय सेना ने एक बड़ी सफलता हासिल की। निर्णायक बल के साथ जवाब देते हुए और बेहतरीन सामरिक निष्पादन का प्रदर्शन करके भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई की। कोऑर्डिनेटेड ग्राउंड एक्शन के ज़रिए दुश्मन के मंसूबों को असरदार तरीके से नाकाम कर दिया गया।इलाके पर लगातार कब्ज़ा पक्का करने के लिए अपने सैनिकों को फिर से तैयार किया गया है, जिसे इंटीग्रेटेड ग्राउंड और एरियल सर्विलांस से सपोर्ट मिला है। पूरे सेक्टर में मज़बूत ऑपरेशनल माहौल और हाई अलर्ट लागू है। इसी तरह 19-20 फरवरी को सेना के जवानों ने राजौरी के सुंदरबानी सेक्टर में आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था, जिसके बाद कुछ हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए थे।

तेज रफ्तार वाहन चलाने के मामले में एमएस धोनी पर जुर्माना

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनके खेल का प्रदर्शन नहीं, बल्कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन है। रांची की ट्रैफिक पुलिस ने स्पीड ड्राईविंग करने की वजह से उनका चलान काटा है। उन्हें 1000 रुपये का चलान काटा गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह मामला राजधानी रांची के कांके का बताया जा रहा है। वह अपनी लग्जरी कार से कांके इलाके से गुजर रहे थे, तभी ट्रैफिक पुलिस के कैमरे में उनकी गाड़ी ओवरस्पीडिंग करते हुए रिकॉर्ड हो गई। निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने के कारण ट्रैफिक विभाग ने नियमों के तहत उनका चालान जारी किया। जानकारी के मुताबिक, उन पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एच.डी. कुमारस्वामी ने सिद्धारमैया पर हमला किया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ तीखा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने फोन टैपिंग और प्रशासनिक कार्यशैली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने विस्तृत बयान में उन्होंने राज्य की राजनीति से जुड़े कई पुराने घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री से सीधे सवाल पूछे। अपने बयान में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा का जिक्र करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि 'जब भी सीधा राजनीतिक संघर्ष होता है, तब देवेगौड़ा को बीच में लाना उचित नहीं है।' उन्होंने उस दौर को याद करने की सलाह दी जब देवेगौड़ा ने सत्ता गंवाई थी और मुख्यमंत्री से आत्ममंथन करने को कहा। कुमारस्वामी ने कांग्रेस के पूर्व नेताओं सीताराम केसरी और सोनिया गांधी के बारे में अतीत में दिए गए बयानों को भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि यदि आत्मा की आवाज है तो सच स्वीकार करना चाहिए। फोन टैपिंग के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मीडिया में आई खबरों के आधार पर ही उन्होंने प्रतिक्रिया दी है, आरोप गढ़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम सवाल पूछना है और मुख्यमंत्री को विषयांतर किए बिना जवाब देना चाहिए।राज्य में कांग्रेस को 140 सीटें मिलने का उल्लेख करते हुए कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि सरकार प्रशासन से अधिक राजनीतिक जवाबी हमलों में व्यस्त है। अपने दो कार्यकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरी सरकार भी पूर्ण बहुमत की नहीं थी, फिर मुझे फोन टैपिंग की क्या जरूरत थी? ' उन्होंने लोकतंत्र की परिभाषा बताते हुए कहा कि 'लोकतंत्र का मतलब गुटबाजी या सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे पर आरोप लगाना नहीं है।' आपातकाल का संदर्भ देते हुए उन्होंने कांग्रेस पर आंतरिक लोकतंत्र की कमी का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम इस विवाद में न घसीटने की सलाह देते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि 'अपने ऊपर लगे दाग के लिए दूसरों को जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं है। '

ईरान समर्थक प्रदर्शनों के बाद कश्मीर में स्थिति सुधरी, लेकिन प्रतिबंध बरकरार

एजेंसी

श्रीनगर । अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के विरोध में जम्मू कश्मीर में प्रदर्शनों के बाद सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी से काम कर रहे हैं। तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा है, हालांकि कश्मीर में गुरुवार को भी प्रतिबंध जारी रहे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे घाटी क्षेत्र में दिनभर प्रतिबंध लागू रहेंगे और किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन या लोगों के जमावड़े की अनुमति नहीं होगी। श्रीनगर जिले और घाटी के अन्य जिलों में सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस और सीआरपीएफ की टुकड़ियों को तैनात किया गया था। प्रतिबंधों को लागू करने के लिए सड़क चौराहों पर बैरिकेड और नाकाबंदी की गई थी।

श्रीनगर और अन्य जिलों में शिया मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों में इन प्रतिबंधों को और अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों की तरफ से एहतियाती उपायों को जारी रखने के बावजूद घाटी में स्थिति में स्पष्ट रूप से सुधार हो रहा था क्योंकि श्रीनगर शहर के ऊपरी इलाकों और घाटी के अन्य सभी जिला मुख्यालयों में लोग एक-दो के समूह में जीवन की आवश्यक वस्तुएं खरीदने के लिए निकल रहे थे। श्रीनगर के ऊपरी इलाकों में स्थित लाल चौक को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में दुकानें सामान्य रूप से चलती रहीं। दुकानें वहां बंद रहीं, जहां प्रतिबंधों को लागू करने के लिए बैरिकेड, टिन की चादरें और कंटीले तार लगाए गए थे। जैसे-जैसे तनाव कम होने लगा, सुरक्षा बलों ने भी उन लोगों के प्रति नरम रुख दिखाया जो सामान्य जीवन की गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बाहर निकल रहे थे, जहां भी ऐसी गतिविधियां संभव थीं। श्रीनगर शहर में, पुराने शहरी इलाकों को छोड़कर कार्यालय जाने वाले लोग घाटी के अन्य हिस्सों की तरह ही सुबह अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए निकले। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय आज भी बंद रहे और 7 मार्च के बाद फिर से खुलेंगे। कश्मीर विश्वविद्यालय, क्लस्टर विश्वविद्यालय और केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 7 मार्च तक निर्धारित सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। इंटरनेट सेवाएं 2जी स्पीड पर उपलब्ध रहेंगी, जबकि प्रीपेड मोबाइल फोन पर सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित रहेंगी। अधिकारियों ने इंटरनेट पर आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है।

एनआईए ने नेपाली नागरिक को जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने साल 2014 के जाली भारतीय मुद्रा प्रकरण में फरार चल रहे एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह मामला दुबई स्थित एक पाकिस्तानी नागरिक से जुड़ा है। एजेंसी के अनुसार, नेपाल के बारा जिले का निवासी नूर मोहम्मद गैर जमानती वारंट के तहत वांछित था। उसे बिहार के समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटोरी थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। एनआईए ने उसके विरुद्ध नवंबर 2017 में नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस अदालत के विशेष न्यायालय में आरोप पत्र दायर किया था।

एनआईए ने यह मामला जून 2014 में भारतीय दंड संहिता तथा गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दर्ज किया था। अप्रैल 2014 में 4,988 उच्च गुणवत्ता के 1,000 रुपये मूल्यवर्ग के जाली नोट बरामद किए गए थे। इनकी कुल अंकित राशि 49.88 लाख रुपये थी। यह खेप 17 और 18 अप्रैल 2014 को दुबई से लाई गई थी। बरामदगी नई दिल्ली के हवाई अड्डे पर हुई थी। जांच में सामने आया कि नूर मोहम्मद ने सह आरोपी एकरामुल अंसारी तथा अन्य के साथ आपराधिक षड्यंत्र रचा था। इस षड्यंत्र में पाकिस्तानी नागरिक सैयद मुहम्मद शफी उर्फ शफी चाचा भी शामिल था। भारत में उच्च गुणवत्ता के जाली भारतीय मुद्रा नोटों की खरीद, परिवहन, आपूर्ति और प्रचलन की योजना बनाई गई थी। एनआईए के अनुसार, देश की मौद्रिक स्थिरता को प्रभावित करने के उद्देश्य से रचे गए इस षड्यंत्र के तहत नूर मोहम्मद ने सह आरोपियों के बीच बैठकों की व्यवस्था कराई थी। उसने जब्त खेप की आपूर्ति पर भी निकट से निगरानी रखी थी।

असम राज्यसभा चुनाव: तीन सीटों के लिए भाजपा व गठबंधन के उम्मीदवारों ने दाखिल किए नामांकन

एजेंसी

गुवाहाटी। असम की खाली होने वाली तीन राज्यसभा सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्वाधीन गठबंधन के तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा की ओर से कैबिनेट मंत्री योगेन महन और दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र के विधायक तेरेस ग्वाला ने नामांकन पत्र जमा किया। वहीं तीसरी सीट के लिए भाजपा गठबंधन के सहयोगी दल यूपीपीएल (यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल) के अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो ने नामांकन दाखिल किया।

नामांकन दाखिल करने के दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य तथा गठबंधन सहयोगी दलों असम गण परिषद (अगप), यूपीपीएल और भाजपा के कई नेता उपस्थित रहे। किसी अन्य दल की ओर से उम्मीदवार सामने नहीं आने के कारण माना जा रहा है कि भाजपा गठबंधन के ये तीनों उम्मीदवार बिना प्रतिद्वंद्विता राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो सकते हैं। दरअसल, 9 अप्रैल को असम के तीन राज्यसभा सांसदों भुवनेश्वर कलिता, अजीत कुमार भुइयां और रामेश्वर तेली का

कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इनमें से दो सीटें वर्तमान में भाजपा के पास हैं, जबकि एक सीट विपक्ष के पास है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 5 मार्च है। बिहार सहित 10 राज्यों की कुल 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव निर्धारित है। इनमें महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, बिहार और पश्चिम बंगाल की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और हरियाणा की 2-2 तथा हिमाचल प्रदेश की 1 सीट शामिल है। हालांकि, 9 मार्च को नामांकन वापसी की अंतिम तिथि के बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि असम में मतदान की आवश्यकता पड़ेगी या नहीं। यदि किसी सीट पर मुकाबला नहीं होता है, तो उम्मीदवारों को बिना मतदान के ही निर्वाचित घोषित किया जा सकता है।

मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली राजेश पुनेम ढेर

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य के दंतेवाड़ा जिले के थाना गीदम क्षेत्र अंतर्गत गुमलनार, गिरसापारा और नेलगोड़ा के बीच जंगली और पहाड़ी क्षेत्र में मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी नक्सली मुठभेड़ में मारा गया। मौके से एक एसएलआर, एक इंसास रायफल एवं एक पिस्टल सहित बड़ी मात्रा कारतूस और नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। दरअसल, जंगल में नक्सली गतिविधियों की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) राहुल कुमार उयके के नेतृत्व में डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स के जवानों का एक दल रवाना किया गया था।

3 मार्च को रात लगभग 9 बजे सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हो गई। मुठभेड़ के बादजवानों ने अगले दिन जंगल में सर्च अभियान चलाया। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक पुरुष सशस्त्र नक्सली का शव

मिला। वहीं मौके से एक एसएलआर, एक इंसास रायफल एवं एक पिस्टल सहित बड़ी मात्रा खालीकारतूस और नक्सल सामग्री बरामद हुई है। दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने गुरूवार को मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ स्थल से बरामद पुरूष नक्सली के शव की पहचान राजेश पुनेम एसीएम, भैरमगढ़ एरिया कमेटी के सदस्य निवासी ग्राम बुरजी, थाना गंगालूर, जिला बीजापुर के रूप में की गई है। राजेश पुनेम पर पांच लाख रुपये का इनामी था।

भाजपा बिहार में जदयू को खत्म करने में जुटी : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के निर्णय के बाद प्रदेश की सियासत गर्म है। इस बीच, विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर आरोप लगाया कि भाजपा बिहार में महाराष्ट्र मॉडल लागू कर रही है। नीतीश को सत्ता से बाहर कर भाजपा अपने मुख्यमंत्री को सत्ता सौंपने की तैयारी में है। राजद नेता व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा ऐसे मुख्यमंत्री का चुनाव करती है जो रबर स्टैम्प हो। हम लोग पहले से ही कहते रहे हैं कि भाजपा नीतीश कुमार को हाईजैक कर चुकी है। आज सब कुछ सबके सामने है। बिहार की जो जनभावना है, वह इस निर्णय के खिलाफ है। सबको पता था कि भाजपा ऐसा करेगी। भाजपा जिस भी सहयोगी के साथ रही है, ऐसा करती रही है। भाजपा आरएसएस की राह पर चल रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय चुनाव आयोग को भाजपा का सेल बनाकर लोकतंत्र को खत्म कर रही है। बिहार की जनता

सब देख रही है। नीतीश कुमार के साथ जो हो रहा है, उसे लेकर हमारी पूरी सहानुभूति है। सभी लोगों को पता है कि ये कौन लोग हैं और क्या कर रहे हैं। यह जनता के साथ सीधे तौर पर धोखा है। नीतीश कुमार को भाजपा ने इतना टॉर्चर किया कि उन्होंने खुद राज्यसभा जाने का निर्णय ले लिया। भाजपा नहीं चाहती है कि जदयू राजनीतिक पार्टी के तौर पर नहीं रहे। उधर, राजद के अध्यक्ष लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अपनों' के साथ बार-बार बेवफाई करने वाले नीतीश कुमार खुद के गर्त में धकेले जाने और अपनी बदहाली के लिए खुद जिम्मेदार हैं। उनके साथ आज जो हो रहा है, वह उसके ही हकदार हैं।'

उन्होंने लिखा, आज अवसरवादिता के शिखर पुरुष नीतीश कुमार को जैसा निर्णय लेने के लिए भाजपा के द्वारा मजबूर किया गया, ये तो 28 जनवरी 2024 को ही तय हो गया था, जब नीतीश कुमार जी ने गुलाटी मारने की अपने जगजाहिर कौशल की पुनरावृत्ति करते हुए महागठबंधन का साथ छोड़ा था। कुर्सी से चिपके रहने की अपनी स्वभावगत मजबूरी की वजह से ही आज नीतीश कुमार उस भाजपा के हाथों की कठपुतली बन चुके हैं, जो अपने सहयोगियों की राजनीतिक कब्र खोदने के लिए जानी जाती है।

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर भारत ने नियंत्रण कक्ष स्थापित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने वहां रहने वाले प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट को देखते हुए विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक कंट्रोल रूम बनाया है। इसका मकसद वहां रहने वाले प्रभावित लोगों की मदद करना है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में लगभग 1 करोड़ भारतीय रहते हैं और उनकी सुरक्षा एवं कल्याण नई दिल्ली के लिए 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में एक स्पेशल कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम से लोग सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं, जिसका टोल फ्री नंबर इस प्रकार 1800118797, +91 11 2301 2113, +91 11 2301 4104 और +91 11 2301 7905 है।

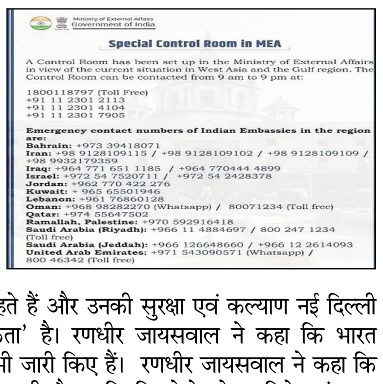
Ministry of External Affairs
Government of India

Special Control Room in MEA

A Control Room has been set up in the Ministry of External Affairs in view of the current situation in West Asia and the Gulf region. The Control Room can be contacted from 9 am to 9 pm at:

1800118797 (Toll Free)
+91 11 2301 2113
+91 11 2301 4104
+91 11 2301 7905

Emergency contact numbers of Indian Embassies in the region are:
Bahrain: +973 39418071
Iran: +98 9128109115 / +98 9128109102 / +98 9128109109 / +98 9932179359
Iraq: +964 771 651 1185 / +964 770444 4899
Israel: +972 54 7520711 / +972 54 2428378
Jordan: +962 770 422 276
Kuwait: + 965 65501946
Lebanon: +961 76860128
Oman: +968 98282270 (Whatsapp) / 80071234 (Toll free)
Qatar: +974 55647502
Ramallah, Palestine: +970 592916418
Saudi Arabia (Riyadh): +966 11 4884697 / 800 247 1234 (Toll free)
Saudi Arabia (Jeddah): +966 126648660 / +966 12 2614093
United Arab Emirates: +971 543090571 (Whatsapp) / 800 46342 (Toll free)

प्रधानमंत्री ने बीजू पटनायक की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि आज जयंती पर बीजू पटनायक को

श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ओडिशा की प्रगति को आगे बढ़ाने में उनके उत्साह को स्मरण करता हूं। उल्लेखनीय है कि बीजू पटनायक का (5 मार्च 1916-17 अप्रैल 1997) एक भारतीय राजनीतिज्ञ, विमान चालक और व्यवसायी थे। उन्होंने 1961 से 1963 और 1990 से 1995 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। वे 1979 से 1980 और 1977 से 1979 तक केंद्रीय इस्पात एवं खान मंत्री और कोयला मंत्री भी रहे। वर्ष 1977 से 1985 तक केंद्रपाड़ा से लोकसभा के सदस्य रहे।

कर्नाटक में बेंगलुरु समेत कई जिलों में लोकायुक्त का छापा

एजेंसी

बेंगलुरु। भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों के तहत कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह राज्य के विभिन्न जिलों में एक साथ छापेमारी की। राजधानी बेंगलुरु सहित मंड्या, धारवाड़, हासन, मैसूरु, विजयपुरा और यादगिरि जिलों में कई अधिकारियों के घरों और दफ्तरों में तलाशी अभियान शुरू किया ।

बेंगलुरु शहर में चार स्थानों पर कार्रवाई की गई। केआरआईडीएल के मुख्य अभियंता वसंत वी. नायक, बीडीए क्षेत्र के आरएफओ डालेश तथा रायत सेवा सहकारी संघ के सीईओ शशिधर के आवास और कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच की गई। यादगिरि के विद्युत विभाग के उप विद्युत निरीक्षक वीरेश हिरेमठ, मंड्या लोक निर्माण विभाग के उपखंड एईई एस. सतीश, धारवाड़ के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तालुका पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एम.के. सुरकोड के घरों पर भी छापे डाले गए।

हासन नगर पालिका के एईई एम.सी. सत्यनारायण, मैसूरु के जल भवन स्थित कर्नाटक शहरी जल आपूर्ति और जल निकासी बोर्ड के एईई

और ईई आसिफ इकबाल तथा विजयपुरा की कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता प्रकाश पी.जी. के आवासों पर भी तलाशी जारी है। लोकायुक्त अधिकारियों द्वारा बैंक खातों का विवरण, चल-अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए यह कार्रवाई की गई है। इसी दौरान हासन नगर पालिका के एईई एम.सी. सत्यनारायण द्वारा दरवाजा नहीं खोलने की घटना भी सामने आई। बाद में स्थानीय पुलिस की सहायता से दरवाजा खुलवाकर तलाशी अभियान आगे बढ़ाया गया।

राज्यसभा चुनाव के लिए डीएमके के चार और एआईएडीएम के दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र किया दाखिल

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु से छह राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के चार और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईडीएमके) के दो उम्मीदवारों ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। दरअसल, तमिलनाडु सहित पूरे देश में खाली हो रही 37 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की तारीख घोषित कर दी गई है। राज्यसभा में तमिलनाडु के लिए कुल 18 सीटें हैं। इनमें से रोटेशन प्रणाली के तहत हर ढाई साल में 6 सीटों के लिए चुनाव होता है। इस बार तमिलनाडु से तिरुचि शिवा, एनआर इलंगो, अंथियूर सेल्वराज, एनवीएन कनिमोझी सोमू, एम थंबीदुरई और जीके वासन का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इन खाली होने वाली सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू हो चुकी है। आज नामांकन का अंतिम दिन है। राज्यसभा चुनाव में एक सदस्य के चुनाव के लिए 34 विधायकों के वोट की आवश्यकता होती है। मौजूदा स्थिति में डीएमके को चार और एआईएडीएमके को दो

सीटें मिलने की संभावना है। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए डीएमके और एआईएडीएम दोनों अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं। इस दौरान कुछ सहयोगी दलों ने राज्यसभा सीट की भी मांग की थी, जिसके कारण उम्मीदवारों की घोषणा में कुछ कठिनाई आई। आज नामांकन का अंतिम दिन होने के कारण दोनों दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी और सीटों का बंटवारा भी तय कर लिया। डीएमके को मिली चार सीटों में से एक सीट पार्टी के उपमहासचिव तिरुचि शिवा को दी गई है। वहीं डीएमके के प्रवक्ता कॉनस्टैन्टाइन रविंद्रन को भी इस बार उम्मीदवार बनाया गया है। बाकी दो सीटों में से एक देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम और एक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को दी गई है। डीएमके के तिरुचि शिवा और कॉनस्टैन्टाइन रविंद्रन ने आज नामांकन दाखिल किया है। इसके अलावा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के क्रिस्टोफर तिलक और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम के एलके सुधीश ने भी मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया। एआईएडीएमके ने दो सीटों में से एक पर पार्टी के प्रचार सचिव एम. थंबीदुरई को मौका दिया गया है, जबकि दूसरी सीट पट्टाली मक्कल काची के नेता अनबुमणि रामदास को दी गई है। दोनों ने आज सचिवालय में चुनाव अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को होगी और 9 मार्च तक नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है। यदि चुनाव की आवश्यकता पड़ी तो 16 मार्च को मतदान होगा। हालांकि मैदान में केवल 6 उम्मीदवार होने के कारण सभी के निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने की संभावना है।

जयशंकर ने यांगून में सरसोबेकमैन साहित्यिक केंद्र का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार के यांगून में सरसोबेकमैन साहित्यिक केंद्र भवन का उद्घाटन किया। यह भारत सरकार की सहायता से निर्मित परियोजना है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र भारत-म्यांमार के घनिष्ठ संबंधों का प्रतीक है और म्यांमार की साहित्यिक विरासत के संरक्षण तथा सृजनात्मक लेखन को बढ़ावा देगा। जयशंकर ने कहा कि भारत और म्यांमार के संबंध सदियों पुराने हैं। दोनों देशों को अध्यात्म, भाषा, साहित्य और भौगोलिक निकटता जोड़ती है। बौद्ध धर्म और पाली भाषा के माध्यम से साझा बौद्धिक विरासत का आदान-प्रदान हुआ। रामायण, भगवद्गीता और तिरुक्कुरल जैसे भारतीय ग्रंथों के बर्मी अनुवाद म्यांमार में लोकप्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शास्त्रीय और लोकसाहित्य के संरक्षण, अनुवाद, अभिलेखीकरण और शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करेगा। इससे नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने का अवसर मिलेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि म्यांमार भारत की नेबरहुड फर्स्ट, एक्ट ईस्ट और महासागर सहित इंडो-पैसिफिक प्राथमिकताओं के संगम पर स्थित है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक, व्यापारिक, सुरक्षा और सांस्कृतिक सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने संपर्क परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना और भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग को प्रमुख पहल बताया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के समयबद्ध पूर्ण होने से क्षेत्रीय विकास और जन-जन संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। जयशंकर ने कहा कि भारत ने आपदाओं के समय म्यांमार की सहायता की है। मार्च 2025 में मांडले में आए भूकंप के बाद 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के तहत भारत ने लगभग 1000 टन राहत सामग्री भेजी, 80 सदस्यीय खोज-बचाव दल तैनात किया और फील्ड अस्पताल स्थापित किया, जिसमें 2500 से अधिक मरीजों का उपचार किया गया।उन्होंने कहा कि भारत म्यांमार की शांति प्रक्रिया का समर्थन करता है और संघवाद एवं संवैधानिक व्यवस्था के अपने अनुभव साझा करता रहा है। भारत समावेशी, म्यांमार-नेतृत्व वाली शांति प्रक्रिया का पक्षधर है। उल्लेखनीय है कि सरसोबेकमैन म्यांमार की एक प्रमुख साहित्यिक संस्था है, जिसका उद्देश्य देश की साहित्यिक विरासत का संरक्षण और विकास करना है।

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि जम्मू और कश्मीर टीम ने चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बड़ी बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी 2025-26 का खिताब जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। खिताबी मुकाबले की पहली पारी में 584 रन बनाने के बाद, जम्मू और कश्मीर ने कर्नाटक को 293 रन पर आउट करके 291 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर ने ओपनर कमरान इकबाल के नाबाद 160 रन और साहिल लोतरा के की शतकीय साझेदारी की सहायता से अपनी दूसरी पारी 4 विकेट प 342 रन बनाकर घोषित कर दी। ये मैच ड्रॉ रहा और पहली पारी की बढ़त के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विजयी घोषित किया गया था। जम्मू-कश्मीर सरकार ने भी इस सफलता पर टीम की प्रशंसा करते हुए उसे इनाम दिया था।

सचिन के बेटे अर्जुन की शादी में पारंपरिक परिधाओं में नजर आये धोनी और साक्षी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी धोनी गुरुवार को यहां महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और सानिया चंडोक की शादी में शामिल हुए। धोनी और साक्षी इस समारोह में स्टाइलिश अंदाज में नजर आये। शादी में धोनी के अलावा कई और दिग्गज खिलाड़ी भी शादी में शामिल हुए।

धोनी ने शादी समारोह में पारंपरिक परिधानों में सबका ध्यान खींचा। वह हल्के बेज-ब्लश सिल्क कुर्ते में अपने ही अंदाज में दिखे। जिसमें बीच और कफ पर बारीक रेशम और ज़रदोज़ी की कढ़ाई की गई थी। हल्के हरे, लाल और सुनहरे रंग के हल्के फूलों से उनका ये कुर्ता और भी क्लासिक भारतीय अंदाज दिखा रहा था। उन्होंने क्रिस्प सफेद चूड़ीदार ट्राउज़र के साथ लुक को साफ और सिंपल रखा, जिससे कुर्ते की कारीगरी उभर कर सामने आई। वहीं साक्षी ने आइवरी अनारकली-स्टाइल सूट पहना था, जिसके बॉर्डर पर कलमकारी से प्रेरित फूलों की बेलें और मोर के डिज़ाइन थे, जो शाही चार्म दिखा रहा था। उनके हल्के सोने के बॉर्डर वाले शीयर दुपट्टे, लेयर्ड गोल्ड ज्वेलरी और भारी सजावट वाले गोल्ड पोटली बैग ने स्टाइल के साथ ही पारंपरिक अंदाज दिखाया। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और उनकी पत्नी सफा बेग भी पारंपरिक कपड़ों में दिखे। इरफान हल्के क्रीम रंग के थ्री-पीस सूट में बहुत खूबसूरत लग रहे हैं, जिसमें फिटेड ब्लेज़र, मैचिंग वेस्टकोट और स्लिम ट्राउज़र हैं। इसे बिना बटन वाली सफेद शर्ट और पॉलिश किए हुए भूरे जूतों के साथ कैजुअली स्टाइल किया गया है, जो एक मॉडर्न और आरामदायक लुक देता है।

वहीं सफा ने एक शानदार ब्लश पिंक गाउन, एक बड़ी ट्यूल स्कर्ट और बारीक सजी हुई स्लीव्स में कॉम्प्लिमेंट किया। उनका शीयर मैचिंग हिजाब, लेडी डायर बैग और डायमंड चोकर लुक को पूरा कर रहे हैं, जिससे एक सॉफ्ट, रोमांटिक लुक बन रहा है जो इरफान के स्ट्रक्चर्ड आउटफिट के साथ मिलकर अलग ही अंदाज दिखा रहा था। साथ में, वे एक पेस्टल और न्यूट्रल पैलेट में अच्छे लग रहे हैं, जो कपल गोल्स की निशानी है। अर्जुन तेंदुलकर की शादी के जश्न में कई और क्रिकेटर भी परिवार सहित शामिल हुए। इसमें पूर्व तेज गेंदबाज ज़हीर खान के साथ उनकी पत्नी सागरिका घाटगे, हरभजन सिंह के साथ गीता बसरा, युवराज सिंह के साथ हेज़ल कीच के अलावा पूर्व कोच रवि शास्त्री और मुख्य चयनकर्ता अजीत भी अपने-अपने परिवसर के साथ शामिल हुए।

वरुण के बचाव में उतरे मेंटर, उसके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन इस बार टी20 विश्वकप में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। वरुण चक्रवर्ती सुपर 8 के मैच में बल्लेबालों पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लगा पाये जिससे उनके ओवरों में पहले से अधिक अधिक रन बने हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में वह प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि इसके बाद भी वह भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं वरुण के मेंटर प्रतीपन ने उनका बचाव करते हुए कहा है कि इस गेंदबाज के फार्मा को लेकर चिन्ता की कोई जरुरत नहीं है।

प्रतीपन ने कहा, आंकड़ों पर नजर डालें तो वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की है। अगर पिच से किसी और को ज्यादा टर्न मिल रही होती और वरुण को नहीं, तो हम कुछ बदलाव की बात करते पर अभी ऐसा कुछ नहीं है। इसलिए वह परेशान नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वरुण को अभी तकनीक में किसी भी प्रकार के बदलाव की जरुरत नहीं है। उनका फिलहाल किसी तकनीकी बदलाव की जरूरत महसूस नहीं की गई है। केवल एक दो मैच के आधार पर बदलाव सही नहीं है। उनके अनुसार अगर विकेट से ज्यादा टर्न नहीं मिल रही, तो गेंदबाज क्रीज और ट्रैजेक्टरी का इस्तेमाल कर कोण बनाकर बदलाव ला सकता सकता है। इसके अलावा ओवर द विकेट और राउंड द विकेट गेंदबाजी कर भी गेंदबाजी और सटीक बनायी जा सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ वरुण का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। पिछले साल पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 9.85 की औसत से 14 विकेट लिए थे, जिसमें एक बार पांच विकेट भी थे। तब उन्होंने जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बेहतरीन बल्लेबाजों को आउट किया था। इस बार भी उम्मीद है कि वह सेमीफाइनल और फाइनल में अपने प्रदर्शन से अंतर पैदा करेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप: फिन एलन के नाम हुआ एक एडिशन में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड, इन दिग्गजों को पछाड़ा

कोलकाता (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डेन में बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में विस्फोटक शतक लगाया। इस शतकीय पारी के दम पर एलन ने न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

फिन एलन ने 33 गेंदों पर 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाए। इस पारी के दौरान आठवां छक्का लगाते ही एलन एक विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। एलन इस विश्व कप में अब तक 20 छक्के लगा चुके हैं। एलन ने इसी विश्व कप में 19 छक्के लगाने वाले शिमरोन हेटमायर और 18 छक्के लगाने वाले साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ा।

इससे पहले एक विश्व कप में सर्वाधिक छक्का लगाने की उपलब्धि निकोलन पूरन (17 छक्के 2024 विश्व कप में) के नाम थी। अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने टी20 विश्व कप 2024 में 16 और क्रिस गेल ने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। फिन एलन का यह शतक टी20 विश्व कप इतिहास का सबसे तेज शतक है। एलन ने क्रिस गेल के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2016 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों पर शतक लगाया था। एलन टी20 विश्व कप के नॉकआउट मैचों में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान द्वारा 2009 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल में बनाए नाबाद 96 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ा।

टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले एलन तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। ब्रैंडन मेक्कुलम 2012 में पल्लेकेले में बांग्लादेश के खिलाफ 123 और ग्लेन फिलिप्स 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 104 रन की पारी खेल चुके हैं।

मैच पर नजर डालें तो दक्षिण अफ्रीका ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के 169 रन बनाए थे। 170 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने 12.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाकर मैच 9 विकेट से जीत लिया। एलन के 33 गेंदों पर 100 रन के अलावा टिम साइफर्ट ने भी 33 गेंदों पर 58 रन बनाए। फिन एलन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सेमीफाइनल की हार टीम पर एक करारा प्रहार : कोच कॉनराड

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के कोच शुकरी कॉनराड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकबले में मिली करारी हार पर नाराजगी जतायी है। कोच के अनुसार ये हार उनकी टीम पर एक करारे प्रहार की तरह है। इस हार से एक बार फिर टीम के बड़े मुकाबलों मे दबाव में आने के आरोप लगाने वालों की बात को ही बल मिला है!। दक्षिण अफ्रीका को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कॉनराड ने इस हार को बेहद दर्दनाक बताया है। मैच के बाद कॉनराड ने कहा, इस मैच में हमारी टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। आपकी गेम में थोड़ी सी भी पकड़ होनी चाहिए पर हमें हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। यह एक तरह से ऐसा था जैसे चेहरे पर कोई थप्पड़ मारा गया हो। कॉनराड ने कहा, आज रात बहुत कुछ ठीक नहीं हुआ पर शायद ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वे बहुत अच्छे थे और उन्होंने हमें कभी अवसर नहीं दिया। मैं हार के लिए कोई बहाना नहीं बनाऊंगा। हम अच्छे नहीं थे और वे बहुत अच्छे थे। उन्होंने हमें आगे से रोक दिया, हमने विकेट खोये और हमें कोई मौका नहीं मिला। कोच ने कहा, हमारी टीम की गेंदबाजी की कमजो रही जिससे मैच हमारे लिए कठिन बन गया।वहीं न्यूजीलैंड की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड ने बहुत, बहुत अच्छा खेला। उन्होंने हमें बिल्कुल अवसर नहीं दिया और सच में बहुत अच्छा दबाव बनाया। उनके स्पिनर बहुत अच्छे रहे।गौरतलब है कि ग्रुप स्तर में न्यूजीलैंड को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा।

ऑल इंग्लैंड ओपन में लक्ष्य की जीत से शुरुआत, गत विजेता यूकी को हराया

लंदन । भारत के लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन ओपन 2026 में जीत के साथ शुरुआत की है। लक्ष्य ने पुरुष एकल के अपने पहले ही मुकाबले में गत विजेता चीन के शी यूकी को 23-21, 19-21, 21-17 से पराजित कर दिया। लक्ष्य ने पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में यूकी को एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से हरा दिया। लक्ष्य ने मुकाबले में शुरु से ही आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बनाया। इससे लक्ष्य ने 17-10 की बढ़त ले ली पर इसके बाद शी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-17 पर ला दिया। लक्ष्य ने फिर से बेहतर खेल दिखाते हुए हुए तीन गेम अंक हासिल किए पर चीनी खिलाड़ी ने एक और मैच अंक बचाकर अपने को खेल में बनाने का प्रयास किया । दूसरे गेम में यूकी ने आक्रामक रुख अपनाया पर लक्ष्य ने 13-19 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी की। उनका प्रयास मैच को निर्णायक मुकाबले तक ले जाने का था पर तीसरे और अंतिम गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जबरस्त प्रदर्शन करते हुए 16-11 की बढ़त हासिल की और चार मैच अंक बटोरे। यूकी ने एक अंक बचाया पर वह अपनी हार नहीं टाल पाये।

गावस्कर का फाउंडेशन कर रहा गोल्फ इवेंट का आयोजन

-पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही पेस, पादुकोण जैसे दिग्गज भी होंगे शामिल

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का चैंप्स फाउंडेशन 6 मार्च को डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ इवेंट आयोजित करने जा रहा है। इसमें कई पूर्व क्रिकेटरों के अलावा अन्य खेलों के दिग्गज भी भाग लेंगे। ये इवेंट मुंबई के चेंबूर स्थित बॉम्बे प्रेसीडेंसी गोल्फ क्लब में होगा। इसमें दुनिया भर के नामी गोल्फर भाग लेंगे। ये फाउंडेशन परेशानियों से संघर्ष कर रहे पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सहायता करता है। इस टूर्नामेंट में 100 से ज्यादा प्रतियोगियों के शामिल होने की संभावना है। इसमें पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, जी.आर. विश्वनाथ, वेंकटेश प्रसाद, हरभजन सिंह, अजय जडेजा, पार्थिव पटेल, मुरली कार्तिक, एस. बद्रीनाथ, मुरली विजय और निखिल चोपड़ा भी शामिल होंगे। वहीं विदेशी क्रिकेटरों में इयोन मॉर्गन, माइकल वॉन और डेविड लॉयड रहेंगे। क्रिकेट के अलावा टेनिस स्टार लिएंडर पेस, बैडमिंटन दिग्गज प्रकाश पादुकोण और प्रोफेशनल गोल्फर नेहा त्रिपाठी, रिधिमा दिलावरी व गौरव घई भी इस इवेंट में भाग लेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि चैंप्स फाउंडेशन इस सोच के साथ बनाया गया कि जिन्होंने खेल के जरिए देश का नाम रोशन किया, उन्हें जरूरत के समय अकेला न छोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन सिर्फ गोल्फ नहीं, बल्कि खेल समुदाय को लौटाने का प्रयास है।वहीं पेस ने कहा कि खेल हमें अनुशासन, मजबूती और एकजुटता सिखाता है। चैंप्स फाउंडेशन इन्हीं मूल्यों का प्रतीक है।

वेस्टइंडीज टीम कोलकाता के होटल में फंसी, हेड कोच डैरेन सैमी ने की अपील

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्ट इंडीज को उनके ट्रैवल शेड्यूल के बारे में कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन जिम्बाब्वे टीम के सदस्यों का पहला बैच अब घर के लिए निकल चुका है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के चार दिन बाद भी जब वेस्टइंडीज कोलकाता में फंसा हुआ है, तो उनके हेड कोच डैरेन सैमी ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया है, 'मैं बस घर जाना चाहता हूं'।

पश्चिम एशिया में संकट के चलते वेस्टइंडीज उन टीमों में से एक है जो भारत में फंसी हुई हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक शुरू में आईसीसी ने वेस्टइंडीज को बताया था कि टीम को लंदन के लिए एक चार्टर फ्लाइट से कैरिबियन वापस लाने की कोशिश की जा रही है। माना जा रहा है कि प्लान यह था कि वेस्टइंडीज हफ्ते के बीच में भारत से फ्लाइट ले ले, हालांकि कोई पक्की तारीख नहीं बताई गई थी। हालांकि,

वेस्टइंडीज कोलकाता में ही है, जहां वे 1 मार्च को सुपर आठ के फाइनल मैच में भारत से हार गए थे।

पिछले वीकेंड शुरू हुए इस संकट की वजह से आम एयरस्पेस कॉरिडोर बंद होने से, आईसीसी को टीमों के लिए वापसी की फ्लाइट का इंतजाम करने में एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बुधवार को जिम्बाब्वे के लिए अच्छी खबर आई, जब आईसीसी द्वारा उनके ट्रैवल इंतजामों में बदलाव करने के बाद उनकी टीम के सदस्यों का पहला बैच दिल्ली से घर के लिए रवाना हो गया। वेस्टइंडीज की तरह जिम्बाब्वे ने भी टी 20 वर्ल्ड कप में अपना आखिरी मैच 1 मार्च को दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका से खेला था जिसमें वह हार गया था। जिम्बाब्वे को पहले 2 मार्च को निकलना था, लेकिन वह प्लान कैंसिल कर दिया गया। उनकी टीम के बाकी सदस्यों के ट्रैवल प्लान के बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को एक बयान में कहा, 'जिम्बाब्वे क्रिकेट कन्फर्म करता है कि आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने वाली जिम्बाब्वे की सीनियर मेन्स टीम भारत से घर लौट रही है। हाल ही में आई दिक्कतों के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने दूसरे ट्रैवल अरेंजमेंट कर लिए हैं।' 'फ्लाइट की उपलब्धता और बदले हुए रूट की वजह से, टीम बैच में हरारे लौटेगी।' 'ज़म्बिाब्वे का ओरिजिनल ट्रैवल रूट दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से था, लेकिन इसे बदलना पड़ा। पता चला है कि जिम्बाब्वे अब अदीस अबाबा, इथियोपिया होते हुए हरारे जा रहा है।'

पाकिस्तान क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में फंसा

लाहौर । मध्यपूर्व में जारी संघर्ष को देखते हुए पाकिस्तान की क्रिकेट टीम का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। पाक टीम को 11 मार्च से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए बांग्लादेश दौरे पर जाना था। इसके लिए उसे 9 मार्च को बांग्लादेश पहुंचना था पर अब कहा जा रहा है पाकिस्तान की टीम इस दौरे को आगे बढ़ा सकती है। पिछले कुछ समय से बांग्लादेश बोर्ड (बीसीबी) के साथ पाक बोर्ड (पीसीबी) के संबंध बेहतर हुए हैं और ऐसे में इस दौरे को आयोजित करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। दोनो टीम के बीच मीरपुर मे 11, 13 और 15 मार्च को तीन एकदिवसीय मैच होने थे पर अब ये खेले जाएंगे या नहीं तय नहीं है। इसका कारण ये है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद से ही दुनिया भर में तनाव का माहौल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज तभी आयोजित होगी, जब यात्रा जोखित और सुरक्षा की चिंताएं समाप्त होंगी।ये भी कहा जा रहा कि वर्तमान मौजूदा क्षेत्रीय तनाव की वजह से यह टूर होगा या नहीं कहा नहीं जा सकता है। वहीं बांग्लादेश बोर्ड का कहना है कि उसे पीसीबी की ओर से अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गयी है। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन्स के चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि कहा, अगर बात ऐसी हो जाती है कि वे यात्रा नहीं कर पा रहे तो इसमें कुछ नहीं किया जा सकता है पर अभी तक हमें उनकी ओर से कुछ नहीं कहा गया है।

ऑल इंग्लैंड ओपन में सात्विक-चिराग पहले ही राउंड में बाहर

बर्मिंघम । भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई से सीधे गेम में हारने के बाद ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले ही राउंड में बाहर हो गई। यूटिलिटा एरिना बर्मिंघम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में चौथी रैंक वाली भारतीय जोड़ी दुनिया की 33वें नंबर की मलेशियाई जोड़ी से 23-21, 21-12 से हार गई। सात्विक-चिराग ने अच्छी शुरुआत की और शुरुआती गेम के इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर दिया। 2024 के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन कांग और एरॉन फिर आगे निकल गए और भारतीयों जोड़ी के दो मैच पॉइंट बचाने के बावजूद, आखिरकार टाई-ब्रेक में गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी इसी मोमेंटम को जारी रखते हुए मलेशियाई जोड़ी ने गेम पर अपना दबदबा बनाया। और सिर्फ पांच और पॉइंट देकर मैच आराम से जीत लिया। इस हार के साथ ही इस मशहूर टूर्नामेंट में भारत का पुरुष युगल में अभियान भी समाप्त हो गया।

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को सुनाई खरी-खरी, भारत के खिलाफ कर रहा था गलत बयानबाजी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटरों के बीच बयानबाजी एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर द्वारा भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कैफ का मानना है कि इस तरह के बयान अक्सर सिर्फ मीडिया में चर्चा बटोरने के लिए दिए जाते हैं। उन्होंने साफ कहा कि भारतीय टीम को ऐसे बयानों पर ध्यान देने के बजाय अपने प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए।

आमिर के बयान पर कैफ का करारा जवाब

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा को 'स्लॉगर' बताया था। आमिर ने यह भी दावा किया था कि भारत टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाएगा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान अक्सर जानबूझकर दिए जाते हैं ताकि मीडिया में चर्चा बने। उनके मुताबिक आमिर जैसे अनुभवी खिलाड़ी को यह अच्छी तरह पता था कि भारत एक मजबूत टीम है और टूर्नामेंट के आगे के चरणों में पहुंचने की पूरी क्षमता रखती है।

'खबरों में बने रहने की कोशिश'

कैफ ने कहा कि कई बार खिलाड़ी अपनी लोकप्रियता बनाए रखने या सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों से अपील की कि ऐसे कमेंट्स को ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए। कैफ ने कहा कि अगर हर बयान का जवाब दिया जाएगा तो इससे उन लोगों को वही ध्यान मिलेगा जिसकी उन्हें तलाश रहती है। उनके अनुसार भारतीय टीम को अपने स्तर से नीचे जाकर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है।

2024 टी20 वर्ल्ड कप की हार का भी किया जिक्र

कैफ ने बातचीत के दौरान टी20 वर्ल्ड कप 2024 में पाकिस्तान की संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के खिलाफ मिली हार को भी याद किया। उन्होंने खासतौर पर उस मैच के सुपर ओवर का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तान को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा था। कैफ ने आमिर की गेंदबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस सुपर ओवर में जरूरत से ज्यादा वाइड गेंदें फेंकी गईं, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ा दी थीं। उनका मानना है कि दबाव की स्थिति में सही लाइन-लेंथ पर गेंदबाजी करना किसी भी अनुभवी गेंदबाज के लिए बेहद जरूरी होता है।

पाकिस्तान क्रिकेट की स्थिति पर भी बोले कैफ

मोहम्मद कैफ ने पाकिस्तान क्रिकेट के मौजूदा ढांचे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि

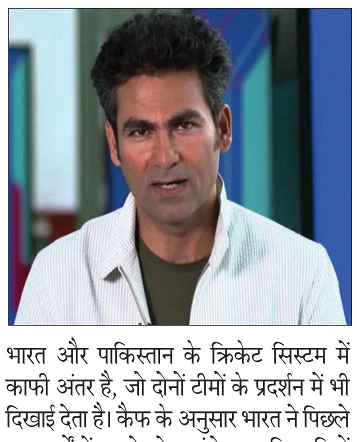

भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में काफी अंतर है, जो दोनों टीमों के प्रदर्शन में भी दिखाई देता है। कैफ के अनुसार भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपने घरेलू ढांचे, युवा खिलाड़ियों के विकास और प्रोफेशनल सिस्टम पर काफी काम किया है, जिसका फायदा टीम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहा है।

भारतीय फैंस को दी खास सलाह

कैफ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को सलाह दी कि उन्हें हर बयान पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया के दौर में कई बार छोटी-छोटी बातों को भी बेवजह बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि टीम और फैंस दोनों ही अपना ध्यान खेल और प्रदर्शन पर रखें, क्योंकि यही किसी भी टीम की असली पहचान बनाता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान का प्रदर्शन

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सुपर-8 चरण से आगे नहीं बढ़ पाई। लगातार दूसरे टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक न पहुंच पाने के कारण टीम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मोहम्मद कैफ का संदेश साफ है कि भारतीय टीम को बेवजह की बयानबाजी से दूर रहकर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक मैदान पर प्रदर्शन ही किसी भी टीम का असली जवाब होता है।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

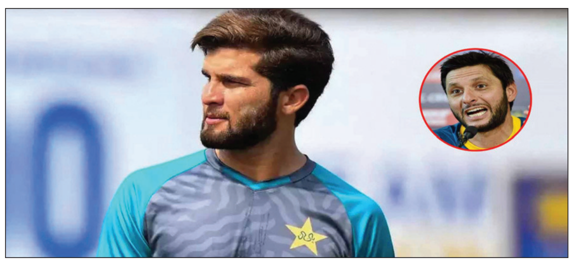

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है।

स्वास्तिका मुखर्जी की नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा सुर्खियों में

नई बंगाली फिल्म छेलेधोरा आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म मां-बेटी के रिश्ते, अपराधबोध और आत्म-खोज की भावनाओं को गहराई से परखती है। फिल्म में स्वास्तिका बृष्टि नाम की तलाकशुदा महिला का किरदार निभा रही हैं, जो भावनात्मक रूप से बेहद जटिल, कमियों से भरी और असुरक्षाओं से घिरी हुई महिला है। इंडो-अमेरिकन प्रोडक्शन के तहत बनने वाली यह फिल्म आज से शूटिंग शुरू करेगी, जिसमें जानी-मानी अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। स्वास्तिका के अनुसार, बृष्टि ऐसा किरदार है जिसे पहली नजर में हर कोई शायद पसंद न करे। वह कई बार भावनाओं में बहकर गलत फैसले लेती है, लेकिन अपनी बेटी के लिए उसका प्यार बेहद सच्चा और गहरा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह कहानी उन दुर्लभ पलों को दर्शाती है, जब इंसान अपनी कमजोरी के बीच छिपी वास्तविक ताकत को खोजता है। कहानी में बृष्टि अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए उसे बिना अनुमति अपने साथ ले जाती है। यह कदम वह केवल भावनात्मक आवेग में उठाती है, लेकिन इसके बाद घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बदल जाती हैं, जब बच्ची वास्तव में किडनैप हो जाती है। इसके बाद बृष्टि एक ऐसी यात्रा पर निकलती है, जो सिर्फ अपनी बेटी की तलाश नहीं, बल्कि खुद को समझने और अपनी गलतियों का सामना करने की भी प्रक्रिया है। स्वास्तिका ने बताया कि कहानी मातृत्व के भावनात्मक संघर्षों को ही नहीं, बल्कि एक महिला की आत्म-खोज की परतों को भी उजागर करती है। कई बार माता-पिता अपनी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन मुश्किल हालात उन्हें उनके अंदर छिपी सच्चाई से रूबरू करा देते हैं। फिल्म इन्हीं संवेदनाओं को सशक्त रूप से सामने लाती है। निर्देशक शिलादित्य मौलिक के अनुसार, छेलेधोरा माता-पिता के रिश्तों पर आधारित कहानी है, जो एक रोड जर्नी के रूप में आगे बढ़ती है। यह सफर उतार-चढ़ाव, भावनात्मक मोड़ों और आत्म-स्वीकृति के पलों से भरपूर है। फिल्म माफी, हीलिंग और जीवन में दूसरे मौके की महत्ता को केंद्र में रखती है। मौलिक का मानना है कि कई बार बच्चे अपने माता-पिता के लिए ही नैतिक मार्गदर्शक बन जाते हैं, और यही पहलू फिल्म को अलग बनाता है। फिल्म की शूटिंग ईटानगर और जीरो वैली जैसे अरुणाचल प्रदेश के खूबसूरत स्थानों में होगी।

मनीष मल्होत्रा ने तैयार किया नया आउटफिट

अपनी टाइमलेस डिजाइनिंग और बारीक कारीगरी के लिए पहचाने जाने वाले फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने हाल ही में एक नया आउटफिट तैयार किया है। यह ड्रेस फिल्म कभी खुशी कभी गम के लोकप्रिय गाने बोले चूड़ियां में करीना कपूर द्वारा पहने गए आइकॉनिक ड्रेस से प्रेरित है। यह ड्रेस दो दशक बाद भी पॉप कल्चर का अहम हिस्सा बनी हुई है और भारतीय शादियों में आज भी इसके लुक को फॉलो किया जाता है। मनीष मल्होत्रा ने इस नए वर्जन की ड्रेस के लिए मॉडल के रूप में अजय देवगन और काजोल की बेटी न्यासा देवगन को चुना। उन्होंने न्यासा की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की, जिसमें वह इस नए आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। मनीष ने पोस्ट में लिखा कि 2001 में रिलीज हुई करण जौहर की फिल्म ने भारतीय शादियों में संगीत की परंपरा को नई पहचान दी और बोले चूड़ियां गाना आज भी उतनी ही शिद्दत से याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्षों से उनके यहां इस गाने से प्रेरित आउटफिट तैयार किए जाते रहे हैं। इन्हें मॉडल अनीता कुमार से लेकर दुनिया भर के कई ग्राहकों ने पहना है। अब साल 2025-26 के नए कलेक्शन में न्यासा देवगन का यह लुक खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। अपने करियर को याद करते हुए मनीष ने कहा कि उन्होंने 1990 में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग से शुरुआत की थी। फिल्मों के लिए डिजाइन किए गए उनके कई लुक बाद में आम भारतीय फैशन का हिस्सा बने और अलग-अलग पीढ़ियों में नई स्टाइल प्रेरणा बनकर उभरे। इसी वजह से उनके डिजाइन हमेशा टाइमलेस और यादगार माने जाते हैं। फिल्म कभी खुशी कभी गम में करीना कपूर का ग्लैमरस किरदार पॉपुलर कल्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उनके डांस, डायलॉग और स्टाइलिश आउटफिट आज भी सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते हैं।

फिल्म 'अस्सी' ने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

बॉलीवुड फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा की नई फिल्म अस्सी की बॉक्स ऑफिस पर शुरुआत भले ही धीमी रही हो, लेकिन फिल्म ने दर्शकों के दिल पर गहरी छाप छोड़ी है। देशभर में महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीड़न और उससे जुड़ी समाज की जहरीली मानसिकता पर यह फिल्म सीधी चोट करती है। कोर्टरूम ड्रामा, पीड़िता की पीड़ा और न्याय की लड़ाई को जिस बारीकी और संवेदनशीलता से फिल्म में दर्शाया गया है, उसने दर्शकों के साथ-साथ दिग्गज कलाकारों को भी प्रभावित किया है। गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने फिल्म की तारीफ करते हुए कहा कि अस्सी न सिर्फ भावनात्मक स्तर पर असर डालती है बल्कि कई जरूरी सवालों के जवाब भी देती है। उनके मुताबिक यह फिल्म समाज की कड़वी सच्चाइयों को बेहद प्रभावशाली तरीके से उजागर करती है। सामाजिक-राजनीतिक और रियलिस्टिक विषयों पर बनी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाली तापसी पन्नू की परफॉर्मेंस खास तौर पर दर्शकों को भीतर तक झकझोर देती है। इसी तरह, मशहूर शेफ और कुकिंग शो मास्टरशेफ इंडिया के जज रणवीर बरार ने भी फिल्म की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि फिल्म विजुअल रूप से बेहद मजबूत है और अपनी प्रस्तुति के कारण दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। रिलीज के साथ ही फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। ओपनिंग डे पर अस्सी ने 1 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जबकि दूसरे और तीसरे दिन कुल 3.20 करोड़ का कारोबार किया। पहले हफ्ते में फिल्म 4.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन जुटाने में सफल रही।

फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं कोंकणा सेन शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा अपनी नई फिल्म 'एकूस्ड' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'एकूस्ड' कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच पावर डायनामिक्स, यौन उत्पीड़न के आरोपों की जटिलता और मानवीय रिश्तों के धुंधले पहलुओं को गहराई से दिखाती है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान उन्होंने बताया कि समाज में कई ऐसी कहानियां हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि उन्हें सामने लाना बेहद जरूरी है। कोंकणा का मानना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों की सोच और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने का काम करेगी। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफलिक्स पर रिलीज होने जा रही है।

कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जिस पर अपने ही कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। इस बारे में बात करते हुए कोंकणा ने कहा कि यह स्क्रिप्ट आम धारणाओं को उलट देती है। उन्होंने कहा, 卐हम ज्यादातर महिलाओं को पीड़ित की नजर से देखते हैं, आरोपी की नजर से बहुत कम। सही है कि अपराध ज्यादातर पुरुष करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि महिलाएं ऐसा कर ही नहीं सकतीं। इस फिल्म में वही अनकहा पक्ष दिखाया गया है।卐 कोंकणा के अनुसार, फिल्म का सबसे रोचक पहलू यह है कि इसमें दो महिलाओं के बीच सत्ता के खेल, उम्र के अंतर, पद की असमानता और रिश्तों की जटिलता को बेहद वास्तविक तरीके से प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म यह दिखाती है कि जब आरोपी और पीड़ित दोनों महिलाएं हों, तब समाज का नजरिया कैसे अचानक बदल जाता है। कोंकणा ने कहा कि एक शक्तिशाली पद पर बैठी महिला पर जब आरोप लगता है, तो लोग उस पर विश्वास करने में झिझकते हैं, और यही असमानता इस कहानी की परतों को खुलकर सामने लाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस फिल्म में कोई भी किरदार पूरी तरह सही या गलत नहीं है। कहानी 'ब्लैक एंड व्हाइट' नहीं, बल्कि 'ग्रे' क्षेत्र में चलती है, जहां हर व्यक्ति अपने-अपने निर्णयों और कमजोरियों के साथ खड़ा है। कोंकणा के अनुसार, यही तत्व फिल्म को वास्तविक और दर्शकों के लिए विचारोत्तेजक बनाते हैं। फिल्म यह सवाल उठाती है कि हमारी सोच, हमारे निर्णय और हमारे पूर्वाग्रह किन परिस्थितियों में कैसे बदलते हैं।

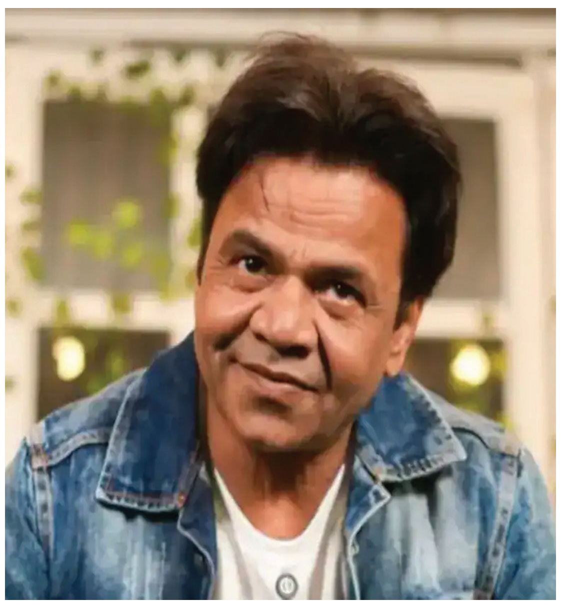

अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया राजपाल यादव ने

हाल ही में अभिनेता राजपाल यादव को करोडों के कर्ज के मामले में जेल जाना पडा था। जेल से बाहर आते ही कलाकार ने काम पर वापसी की और वैनिटी वैन से अपना एक वीडियो साझा कर फैंस और शुभचिंतकों को दिल से धन्यवाद दिया। अब अभिनेता ने अपने करियर में एक बड़ा कदम उठाते हुए अपना नया यूट्यूब चैनल शुरू किया है, जिसके माध्यम से वे दर्शकों को नए अंदाज में मनोरंजन देने वाले हैं। अभिनेता ने घोषणा करते हुए बताया कि उनका आधिकारिक चैनल राजपाल नौरंग यादव अब शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से इस नई शुरुआत की तैयारी कर रहे थे और अब यह दिन आ गया है। उनका लक्ष्य हर आयु वर्ग के लोगों को मनोरंजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ फिल्मों से ही नहीं, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए भी लोगों को हंसाने और जोड़ने की कोशिश करेंगे। राजपाल ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वे इस डिजिटल सफर में भी उनका साथ दें, क्योंकि यह उनके जीवन की नई पारी है। फिल्मों की बात करें तो राजपाल यादव पूरी तरह कमबैक मोड में हैं। उनकी आगामी फिल्म भूत-बंगला 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का पहला पोस्टर और गाना जारी हो चुका है, और दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि फिल्म हास्य से भरपूर होगी, और राजपाल की कॉमेडी टाइमिंग एक बार फिर दर्शकों को लुभाने वाली है। अभिनेता की मुश्किलें तब शुरू हुईं जब उन्होंने अपनी पिछली फिल्म के निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। फिल्म फ्लॉप होने के बाद वे भारी कर्ज में डूब गए और मामला अदालत तक पहुंच गया। नतीजतन उन्हें तिहाड़ जेल में 13 दिन बिताने पड़े। इस कठिन समय में अभिनेता सोनू सूद उनके समर्थन में आगे आए और उनके लिए आर्थिक मदद जुटाने की पहल की। इसके बाद कई फिल्मी हस्तियों ने भी सहयोग दिया, जिससे राजपाल को राहत मिली और वे जेल से बाहर आ सके। राजपाल यादव ने कहा कि यह नई डिजिटल शुरुआत उनके लिए उम्मीद की किरण है। वे मानते हैं कि संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया है और अब वे एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। उनका कहना है कि वे इस मौके को पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे और प्रशंसकों के समर्थन को हमेशा याद रखेंगे। अभिनेता ने हाल ही में 9 करोड़ रुपये के कर्ज मामले में 13 दिन तिहाड़ जेल में बिताए, अब दोबारा अपनी पेशेवर जिंदगी को नई दिशा देने में जुट गए हैं।

परफॉर्मेंस से पहले बादशाह ने लिया श्रेया घोषाल से आशीर्वाद

बॉलीवुड के संगीत निर्माता बादशाह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के सेट पर देश की अग्रणी प्लेबैक सिंगर श्रेया घोषाल से मुलाकात करते नजर आए। वीडियो में बादशाह, लंदन के प्रतिष्ठित एरिना द ओ2 में अपने पहले सोलो कॉन्सर्ट को लेकर अपनी घबराहट व्यक्त करते हुए श्रेया से आशीर्वाद लेते दिख रहे हैं। वीडियो में बादशाह कहते हैं, 'मैं जिंदगी में पहली बार ओ2 में लाइव परफॉर्म करने जा रहा हूं। इतने बड़े एरिना में मैंने कभी सोलो परफॉर्म नहीं किया, इसलिए बहुत नर्वस हूं।' इस पर श्रेया मुस्कुराते हुए उनका मनोबल बढ़ाती हैं और कहती हैं, 'तुम शानदार हो, तुम्हें किसी टिप्स की जरूरत नहीं है। तुम कमाल करोगे।' इसके बाद बादशाह जब आशीर्वाद मांगते हैं, तो श्रेया आगे कहती हैं, 'बादशाह ओ2 में आ रहे हैं और सबको वहां होना चाहिए। उनकी स्टेज पर एनर्जी अलग ही लेवल की होती है। वह लीक से हटकर सोचते हैं और उनकी हर प्रस्तुति यूनिक होती है। ब्लॉकबस्टर गानों का बादशाह है ये, पार्टी तो यहीं से शुरू होगी।' वी में दोनों कलाकारों की दोस्ती और आपसी सम्मान साफ झलकता है। कुछ ही घंटों में इस वीडियो पर लाखों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैन्स बादशाह की इस उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए बादशाह ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने आशीर्वाद मांगा और उन्होंने मुझे विश्वास दिया। जैसे-जैसे हम अपने पहले ओ2 कॉन्सर्ट के करीब पहुंच रहे हैं, मैं उनके इन शब्दों को अपने साथ मंच पर ले जाऊंगा और दर्शकों को अपना सब कुछ दूंगा।' उन्होंने फैन्स से 22 मार्च को ओ2 लंदन में होने वाले अपने सोलो कॉन्सर्ट का हिस्सा बनने की अपील भी की और लिखा, 'आइए और देखिए कि हम क्या तैयार कर रहे हैं।' बादशाह हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी संगीत के सबसे लोकप्रिय कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने 2006 में यो यो हनी सिंह के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और आज बॉलीवुड के शीर्ष संगीत निर्माताओं में गिने जाते हैं।

'डकैतः एक प्रेम कथा' का रोमांटिक ट्रैक 'रूबरू' रिलीज

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर आगामी एक्शन-थ्रिलर डकैत: एक प्रेम कथा का नया रोमांटिक गाना 'रूबरू' सोनी म्यूजिक साउथ के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया। गाने की शुरुआत जेल की घंटी की आवाज से होती है, जिसके बाद जेल के भीतर कैदियों और जेलर के बीच घटता एक छोटा-सा दृश्य दिखाया जाता है। इसी माहौल के बीच धीरे-धीरे फिल्म के लीड कलाकारों की एंट्री होती है और उनका रोमांटिक ट्रैक गाने को एक नया रंग देता है।

वीडियो में मृणाल ठाकुर को एक अमीर खानदान की लड़की के रूप में दिखाया गया है, जबकि अदिवि शेष एक साधारण और गरीब परिवार के युवक की भूमिका निभा रहे हैं। गाने में मृणाल का छुपकर अदिवि से मिलना और अदिवि का हर पल उनका इंतजार करना कहानी को भावनात्मक गहराई देता है। दोनों कलाकारों की सहज और स्वाभाविक केमिस्ट्री ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। रिलीज के कुछ ही घंटों के भीतर यूट्यूब पर आए लाखों व्यूज और कमेंट्स यह साबित करते हैं कि दर्शकों ने इस रोमांटिक अंदाज को खूब पसंद किया है।

फैंस न सिर्फ अदिवि और मृणाल की ऑन-स्क्रीन बॉन्डिंग की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि मृणाल ठाकुर के लुक ने भी सभी का ध्यान खींचा है। 'रूबरू' के बोल भास्कर भाटला रविकुमार ने लिखे हैं। गाने को भीम्स सेसिरोलियो और चिन्मयी श्रीपदा ने आवाज दी है तथा संगीत भी भीम्स सेसिरोलियो ने ही तैयार किया है।फिल्म डकैत- एक प्रेम कथा का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। कहानी एक ऐसे प्रेमी जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें युवक अपनी प्रेमिका से हुए विश्वासघात के बाद बदले की राह पकड़ लेता है। फिल्म में निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगे। गाने और ट्रेलर की लोकप्रियता के बाद दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और फैंस बेसब्री से इसके इंतजार में हैं।

इंसानों की बोली की नकल कैसे कर लेते हैं तोतें

हरे रंग और लाल चोंच वाले पालतू पक्षी तोते से तो हम सभी अच्छी तरह से परिचित हैं। तोता मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में पाया जाता हैं किन्तु इसे भारत सहित श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया तथा प्रशांत महासागर के द्वीपों, दक्षिण-पूर्व एशिया व उष्णकटिबंधीय अमेरिका में भी देखा जा सकता है। तोते को उसके वैज्ञानिक नाम 'सिटाक्यूला क्रेमरी' से जाना जाता है। यह एक सुंदर पक्षी है, जिसके गले पर लाल कंठी इसकी सुंदरता में चार चांद लगा देता है। तोते हरी मिर्च के शौकीन तो होते ही हैं अमरूद आदि फलों को भी ये बड़े चाव से खाते हैं। अमरूदों के पेड़ों पर तो अक्सर ही तोते बैठे हुए देखे जा सकते हैं। अमरूदों के शौकीन इस पक्षी को अमरूदों के पेड़ों पर बैठकर अमरूद खाते तथा गिराते हुए अक्सर देखा जा सकता है।

तोते झुंडों में रहना पसंद करते हैं। मादा तोता पेड़ की खोह या तनों में सुराख बनाकर फरवरी से अप्रैल माह के बीच एक बार में चार से छह या कभी-कभी आठ से 10 तक भी अंडे देती है, जिनमें से अट्ठारह से तीस दिनों में बच्चे बाहर निकल जाते हैं। दुनिया भर में तोतों की तकरीबन 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, ये प्रायः 3.5 से 40 इंच तक लंबे तथा 64 ग्राम से 1.5 किलोग्राम तक वजन के होते हैं। तोते सिर्फ हरे रंग के ही नहीं होते बल्कि इनकी कई प्रजातियां रंग-बिरंगी भी होती हैं, उत्तरी कनाडा में तो सतरंगे तोते भी देखे जा सकते हैं। तोते को उसकी भाषा में टें-टें करते हुए तो हम सभी ने सुना है किन्तु यदि इंसान इसे अपनी भाषा सिखाना चाहे तो यह इंसानों की बात की नकल भी बहुत सुंदर तरीके से कर लेता है। पालतू तोते अपने मालिक की आवाज पहचानते हैं और उनकी बातों की खासी नकल भी कर लेते हैं। तोतों में इंसानों की भाषा की नकल करने का गुण खास होता है जो इसे अन्य पक्षियों से अलग करता है।

तोते झुंडों में रहना पसंद करते हैं। मादा तोता पेड़ की खोह या तनों में सुराख बनाकर फरवरी से अप्रैल माह के बीच एक बार में चार से छह या कभी-कभी आठ से 10 तक भी अंडे देती है, जिनमें से अट्ठारह से तीस दिनों में बच्चे बाहर निकल जाते हैं। दुनिया भर में तोतों की तकरीबन 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, ये प्रायः 3.5 से 40 इंच तक लंबे तथा 64 ग्राम से 1.5 किलोग्राम तक वजन के होते हैं। तोते सिर्फ हरे रंग के ही नहीं होते बल्कि इनकी कई प्रजातियां रंग-बिरंगी भी होती हैं, उत्तरी कनाडा में तो सतरंगे तोते भी देखे जा सकते हैं। तोते को उसकी भाषा में टें-टें करते हुए तो हम सभी ने सुना है किन्तु यदि इंसान इसे अपनी भाषा सिखाना चाहे तो यह इंसानों की बात की नकल भी बहुत सुंदर तरीके से कर लेता है।

तोते इंसानों की भाषा की नकल कर लेते हैं यह बात तो सभी जानते हैं किन्तु वे ऐसा कैसे कर पाते हैं इस बात को लेकर वैज्ञानिक हमेशा से उत्साहित रहे हैं और हाल ही में कई सालों की मेहनत के बाद ड्यूक यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिक यह राज पता लगाने में सफल हो गए हैं कि तोते आखिर हमारी भाषा की हूबहू नकल कैसे कर पाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने तोते के दिमाग में एक खास तरह की संरचना का पता लगाया है जिसकी वजह से वे हमारी भाषा की नकल कर पाते हैं। जर्नल प्लॉस वन में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक तोतों पर यह विशेष शोध यूएस, डेनमार्क और नीदरलैंड के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया, इस शोध में ड्यूक यूनिवर्सिटी की भारतीय मूल की न्यूरोबॉयोलॉजी में एसोसिएट प्रोफेसर मुक्ता चक्रबर्ती भी शामिल रहीं। प्रोफेसर मुक्ता चक्रबर्ती के मुताबिक तोते द्वारा मनुष्यों की बोली की नकल उतार पाने की क्षमता का पता तोते के जीन पैटर्न के अध्ययन से लगाया जा सका। वैज्ञानिकों के अनुसार तोतों का दिमाग बोलना सीखने वाले अन्य पक्षियों से अलग होता है। बोलने वाले पक्षियों में हमिंग बर्ड और सॉन्ग बर्ड भी शामिल हैं।

रिसर्च के मुताबिक बोलने की क्षमता रखने वाले पक्षियों के दिमाग में वोकल लर्निंग को कंट्रोल करने वाला एक केंद्र पाया जाता है, जिसे कोर कहा जाता है, किन्तु तोते के दिमाग में इस कोर के अलावा एक बाहरी रिंग या शेल भी पाई जाती है जो बोलना सीखने में इसकी विशेष मदद करती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि तोतों की कुछ प्रजातियों में तो यह रिंग सामान्य से ज्यादा बड़ी होती है जिसके चलते वे ज्यादा अच्छे तरीके से इंसानों की तरह बोल पाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तोतों की सबसे पुरानी प्रजाति कीया में भी यह बाहरी रिंग पाई जाती है, न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले इस तोते की रिंग संरचना से पता लगाया जा सका है कि इसके शेल में न्यूरॉन्स की संख्या 29 लाख साल पहले पैदा हुई थी।

मोनू की पहली हवाई यात्रा

बचपन से ही मोनू हवाई जहाज देखकर बहुत खुश होता था... यूं तो उसके पास खिलौनों की कमी नहीं थी किन्तु उसके खिलौनों में सबसे ज्यादा संख्या हवाई जहाजों की ही थी। जब कभी भी आसमान से हवाई जहाज के निकलने की आवाज सुनाई पड़ती वह भागकर अपने घर की बालकनी या छत पर जा पहुंचता और देर तक दूर जाते हवाई जहाज को निहारता रहता। कई बार तो वह हाथ हिलाकर हवाई जहाज में जा रहे यात्रियों को अपनी छत से ही टाटा भी करता। मोनू अब बड़ा हो चला था, वह कक्षा पांच में आ गया था किन्तु आज भी एअरप्लेन के प्रति उसका आकर्षण कम नहीं हुआ था.... आज वह बहुत खुश था उसके हवाई जहाज में बैठने के सपने को पंख मिलने वाले थे। मोनू के पिताजी उसे पूरे परिवार के साथ पहली बार हवाई यात्रा पर ले जा रहे थे। जैसे ही यात्रा के टिकिट आए मोनू जल्दी-जल्दी पिताजी के साथ मिलकर सफर की तैयारी में लग गया। अगले दिन उन्हें हवाई जहाज में सफर करना था। अगले दिन मोनू और उसका पूरा परिवार मां, पिताजी व छोटा बेबी सफर में जाने के लिए तैयार थे। सभी सामान कार में एअरपोर्ट पर जाने के लिए तैयार हो गया... घर पर ताला लगने से पहले ही मोनू को याद आया कि छोटे बेबी को कल से हल्का बुखार था जिसकी दवाइयां मां ने अपने पर्स में रख ली थीं... कुछ सोचकर मोनू मां के कमरे में गया और वहां रखे थर्मामीटर को अपनी जेब में रख लाया। मोनू सहित सभी एअरपोर्ट पर रवाना हो गए। एअरपोर्ट पर प्रवेश करते ही उनकी चेकिंग हुई। मोनू की जेब में रखे थर्मामीटर को वहीं निकाल लिया गया। मोनू आश्चर्यचकित था, वह रूआंसा मुंह बनाकर बोला लेकिन छोटे बेबी को बुखार है, थर्मामीटर की जरूरत होगी। सामान चेकर ने एक हल्की सी स्माइल दी और मोनू के पिताजी ने मोनू को हाथ पकड़कर बिना थर्मामीटर के ही आगे चलने को कहा। मोनू ने पिताजी से पूछा- ''लेकिन पिताजी हम थर्मामीटर साथ में क्यों नहीं ले जा सकते।''

पिताजी ने मोनू से कहा ''बेटे, हवाई जहाज के छूटने का समय हो रहा है, हमें अभी जल्दी चलना चाहिए, बाकी बात बाद में करेंगे।'' वे सभी समय पर अपनी सीट पर बैठ गए कुछ ही सेकिंड में प्लेन उड़ान भरने लगा। एअरप्लेन में बैठने के बाद मोनू के खुशी की सीमा न थी परन्तु अभी भी उसके मन में थर्मामीटर को लेकर प्रश्न उठ रहे थे। मोनू ने पास ही सीट पर बैठे अपने पिताजी से पूछा-''लेकिन पिताजी हमें थर्मामीटर क्यों नहीं लाने दिया गया।''

मोनू के पिताजी अब सहज हो चुके थे, बच्चे की जिज्ञासा को वे समझते थे... उन्होंने उसे बताया कि बेटा थर्मामीटर के अंदर पारा भरा होता है जिससे एअरप्लेन को खतरा रहता है। एअरप्लेन की बॉडी एल्युमीनियम से बनी होती है, एल्युमीनियम बहुत रिऐक्टिव पदार्थ है यहां तक की यह वायु के संपर्क में आकर ऑक्सीजन से भी रिएक्ट कर लेता है... किन्तु तब इसे नुकसान नहीं हो पाता क्योंकि यहां एल्युमीनियम ऑक्सीजन के संपर्क में आने से एल्यूमीनियम ऑक्साइड की एक परत बना लेता है जो वायुयान के लिए सुरक्षा कवच का कार्य करती है। किन्तु यदि गलती से भी थर्मामीटर में प्रयुक्त पारा इसके संपर्क में आ जाता है तो एल्युमीनियम का यह सुरक्षा कवच टूट जाता है और तब पारा एल्युमीनियम की परत को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है, इससे विमान की बॉडी को भारी क्षति की संभावना हो जाती है और चूंकि इस प्रक्रिया में काफी गर्मी उत्पन्न होती है इससे विमान के फ्यूल टैंक में भी आग लगने का खतरा बन जाता है। यही वजह है कि एअरप्लेन में सफर करते समय थर्मामीटर ले जाने के लिए मना किया जाता है। मोनू बहुत ध्यान से पिताजी की बात सुन रहा था, उसे समझ में आ गया कि वह कितनी बड़ी गलती करने जा रहा था। आज हवाई जहाज में यात्रा के आनंद के साथ ही उसे एक खास जानकारी भी मिली थी, वह बहुत खुश था।

कान नहीं, मुंह से सुनता है

दुनिया का सबसे छोटा मेंढक

वनों में पाया जाने वाला गार्डिनर मेंढक दुनिया का सबसे छोटा मेंढक है। सेचल प्रजाति के इस मेंढक के मध्य कान नहीं होते जिसके कारण अब तक यही अनुमान था कि यह मेंढक सुन नहीं सकता। किन्तु हाल ही में एक अध्ययन से पता चला है कि यह मेंढक अपने मध्य कानों से नहीं बल्कि मुंह से सुनता है। ध्वनि संकेतों को यह मुंह के जरिए अपने मस्तिष्क तक पहुंचाता है। प्रोसीडिंग्ज़ ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित इस अध्ययन में शोध से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक नेचर प्रोटेक्शन ट्रस्ट ऑफ सेशेल्स के सदस्य जस्टिन जेरलॉक ने कहा कि गार्डिनर मेंढकों की आवाज जंगल में विशेष है, यह बहुत तीखी आवाज में टर्राते हैं। इन मेंढकों के तेज टर्राने को लेकर वैज्ञानिक असमंजस में थे कि यदि ये मेंढक सुन नहीं पा रहे होते तो उनके तेज आवाज में टर्राने का कारण क्या है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ध्वनि को सुनने के लिए मध्य कान का होना आवश्यक है जिसके पर्दे पर होने वाली कंपन से आवाज को सुना जा सकता है। कान जैसी कोई संरचना गार्डिनर मेंढकों में नहीं देखी गई। क्या गार्डिनर मेंढक अपनी तीखी आवाज को सुन पा रहे हैं, जानने के लिए जब वैज्ञानिकों ने प्रयोग किया तो वे अचंभे में थे। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि ये मेंढक मध्य कान के न होते हुए भी अपने साथी मेंढकों की टर्राहट पर प्रतिक्रिया दे पा रहे थे, मेंढकों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट था कि अवश्य ही इन मेंढकों की संरचना में कुछ विशेषता है जिससे ये ध्वनि को सुन पा रहे हैं। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि तेज टर्राहट की ध्वनि को सुनकर गार्डिनर मेंढक या तो अपनी जगह बदल लेते हैं या स्वयं भी टर्राहट उत्पन्न करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि गार्डिनर मेंढकों की इस विशेषता को भविष्य में बहरे इंसानों के इलाज के लिए इस्तेमाल कर उनका बहरापन दूर करने में मदद ली जा सकेगी।

ये मेंढक ध्वनि को कैसे सुन पा रहे हैं जानने के लिए वैज्ञानिकों ने अत्याधिक संवेदनशील एक्स-रे चित्रण का सहारा लिया। अध्ययन में पाया गया कि मेंढक की तेज आवाज की फ्रीक्वेंसी के अनुरूप ही उनके मुंह की गुहिका प्रतिध्वनि करती है। वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि इस मेंढक के मुंह और आंतरिक कर्ण के बीच उतकों की बेहद पतली परत होती है जिसके जरिए ध्वनि तरंगें उसके मस्तिष्क तक पहुंच पाती हैं और इस तरह ये मेंढक ध्वनि को सुन पाते हैं।

< खेल का मैदान >

गीतू और मीतू के स्कूल में एक खेल का मैदान है। हम सबके स्कूलों में खेल का मैदान होता है। खेल के मैदान में सब बच्चे खेलते हैं। कभी झूला झूलते हैं कभी फिसलपट्टी पर फिसलते हैं। चोर सिपाही भी खेलते हैं। और बहुत से खेल खेलते हैं। खेल खेलना सबको अच्छा लगता है।

इस समय खाने की छुट्टी है। मीतू खेल के मैदान में रस्सी कूद रही है। गीतू अपनी बारी का इंतजार कर रही है। जब मीतू बीस तक रस्सी कूद लेगी तब गीतू बीस तक रस्सी कूदेगी। कुछ बच्चों को रस्सी कूदना आता है। कुछ बच्चों को रस्सी कूदना नहीं आता। रस्सी कूदना अच्छा खेल है।

जब पढाई की घंटी बजेगी तब गीतू और मीतू रस्सी कूदना बंद कर देंगी। फिर वे कक्षा में पढाई करेंगी।

हस्य कार्टून : बाल महिषासुर

हवा क्यों बहती है ?

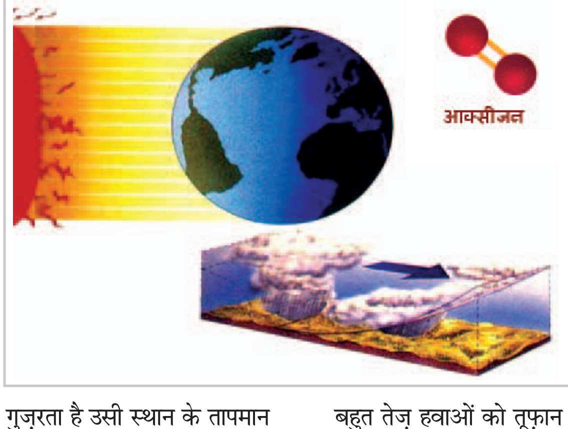

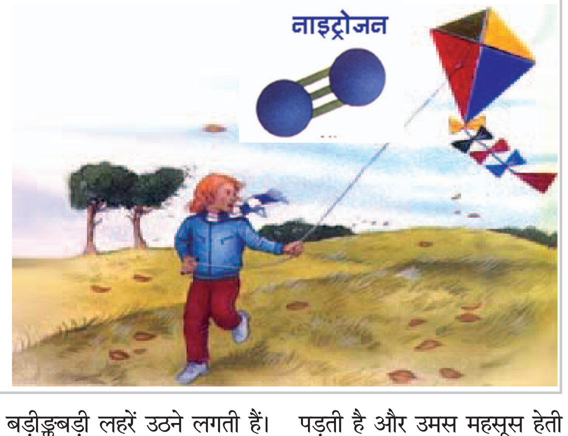

पृथ्वी के चारों ओर रहनेवाली हवा हमेशा चलती रहती है। गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा नीचे आती है। जैसे ही गर्म हवा ऊपर उठती है, उसकी खाली की हुई जगह को भरने के लिए ठंडी हवा नीचे आती है।

सूर्य की गरमी से धरती और समुद्र के अलग अलग हिस्से अलग अलग समय पर गरम होते हैं। और इस तरह धरती पर हवा का बहना जारी रहता है।

आक्सीजन

हवा के बड़े हिस्से को एअर मास या वायु संहिति कहते हैं। यह अपने पास स्थित धरती या समुद्र के जिस हिस्से के ऊपर से गुज़रता है उसी स्थान के तापमान के अनुसार गर्म, सूखा, ठंडा या नम हो जाता है।

नाइट्रोजन

बहुत तेज़ हवाओं को तूफ़ान कहते हैं। जब ये गोलाकार घूमते हुए आगे बढती हैं तो घरों की छतें उड़ जाती हैं और समुद्र में बड़ीङ्कबड़ी लहरें उठने लगती हैं। ऐसे तूफान आमतौर पर गर्म और नम मौसम वाले स्थान से शुरू होते हैं। कभी कभी बहुत गर्मी पड़ती है और उमस महसूस हेती है। ऐसे में पतंग भी ठीक से नहीं उड़ती। पतंग हल्की हवा में अच्छी उड़ती है।